फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

दिल्ली, बुधवार 03 जून 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश को प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेट
3- मार्केटिगं एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सर्म्पक करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 23 अंक : 52 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. DEL/HIN/2004/13528 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

आगरा में मुख्य चुनाव आयुक्त ने कैलाश महादेव मंदिर में किए दर्शन

- माता-पिता और पत्नी भी साथ,बोले-पांच राज्यों में सफल चुनाव के बाद आशीर्वाद लेने आया

आगरा (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार आगरा पहुंचे हैं। मंगलवार सुबह 6.30 बजे उन्होंने पत्नी और माता-पिता के साथ कैलाश महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। पिता का हाथ थामकर आरती की। दुग्धाभिषेक किया। करीब 45 मिनट तक मंदिर में रहे।

मंदिर के बाहर मीडियाकर्मियों से मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- पांच राज्यों (प. बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरलम, पुडुचेरी) में सफल चुनाव संपन्न होने के बाद पत्नी अनुराधा के साथ आगरा आया हूं। पिता और मां का आशीर्वाद लिया, इसके बाद महादेव की पूजा की। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव भी पारदर्शी होंगे। शुद्ध मतदाता सूची ही पारदर्शी चुनावों की आधारशिला है, इसलिए देश के लोगों को वोटर आईडी कार्ड बनवाना चाहिए और चुनावों में मतदान करना चाहिए।

सलीम डोला ड्रग्स केस में ईडी का ऐक्शन

महाराष्ट्र-गुजरात में छापेमारी दाउद इब्राहिम का है सहयोगी

मुंबई (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह छापेमारी हाल में तुर्किये से भारत वापस लाए गए

मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी की ओर से धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किए जाने के बाद मुंबई और गुजरात के सूरत और अंकलेश्वर (भरूच जिला) में लगभग 20 स्थानों पर छापेमारी की गई। डोला उर्फ सलीम इस्माइल डोला को वैश्विक स्तर पर वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम का सहयोगी बताया है और मादक पदार्थ निरोधक एजेंसियों ने उस पर गिरोह संचालित करने के आरोप लगाए।

पति समर्थ और सास गिरिबाला को भेजा जेल

- सीबीआई ने नहीं मांगी रिमांड,गिरिबाला का आरोप

भोपाल (एजेंसी)। सीबीआई की विशेष अदालत ने ट्विशा शर्मा के पति समर्थ सिंह और सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। सीबीआई ने दोनों आरोपियों की पुलिस रिमांड नहीं मांगी, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। दोनों को अन्य कैदियों से अलग रखा जाएगा। इससे पहले भोपाल के ट्विशा शर्मा डेथ केस में रिमांड खत्म होने के बाद मंगलवार को गिरिबाला और समर्थ को सीबीआई ने सीजेएम कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट रूम के अंदर दोनों पक्षों के वकीलों के बीच बहस हुई। सुनवाई के दौरान गिरिबाला ने आरोप लगाया कि ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव ने जबलपुर कोर्ट में उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की।

विदेशियों के लिए भारत में रहने के नियम बदले

- अब 180 दिन पूरे होने से पहले रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे
- ऑनलाइन अपील का भी ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने विदेशी नागरिकों के भारत में रहने के नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करके रजिस्ट्रेशन और अपील से जुड़े नियमों में बदलाव की जानकारी दी। नए नियमों के मुताबिक विदेशी नागरिक अब भारत में उसके रहने के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। साथ ही ऑनलाइन अपील का ऑप्शन भी कर सकेंगे। पहले भारत में 180 दिन पूरे होने के बाद विदेशी नागरिकों को 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होता था। सरकार ने यह भी कहा है कि तय समय निकलने के बाद रजिस्ट्रेशन सिर्फ विशेष परिस्थितियों में ही किया जाएगा।

बीजेपी में अब नहीं रहेंगे, आज्ञा दीजिए

अन्नामलाई ने नितिन नवीन को बताया अपना अंतिम फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने बीजेपी छोड़ने का मन बना लिया है और इस संबंध में अपना अंतिम फैसला राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को बता दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार सुबह दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान अन्नामलाई ने स्पष्ट कर दिया कि वह अब पार्टी में नहीं रहना चाहते। अन्नामलाई ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से कहा है कि अब वह अपना रास्ता खुद बनाना चाहते हैं और सौहार्द्रपूर्ण ढंग से अलग होना चाहते हैं। अन्नामलाई लंबे समय से तमिलनाडु में बीजेपी का प्रमुख चेहरा रहे हैं। अब वो नई पार्टी बनाने का मन बना चुके हैं। जल्द ही वो अपनी नई पार्टी को लेकर ऐलान कर सकती है। वहीं बीजेपी उन्होंने किसी तरह मनाने की कोशिश में जुटी हुई है। पार्टी नेतृत्व को अब भी उम्मीद है कि वे अन्नामलाई को रुकने के लिए मना लेंगे, लेकिन सूत्रों के अनुसार उन्होंने अपना मन बना लिया है।

- **बीजेपी ने नहीं दिख रहा भविष्य-** सूत्रों की मानें तो आईपीएस अधिकारी से राजनेता बने अन्नामलाई को बीजेपी में अपना कोई भविष्य नजर नहीं आ रहा है। बीजेपी की तरफ से अन्नामलाई को राज्यसभा सीट का प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। बता दें कि अन्नामलाई चाहते थे कि बीजेपी राज्य चुनाव अकेले ही लड़े, क्योंकि उन्हें भरोसा था कि पिछले कुछ सालों में पार्टी ने काफी मजबूत पकड़ बना ली है। हालांकि, बीजेपी नेतृत्व ने एआईएडीएमके के साथ अपना गठबंधन फिर से शुरू कर दिया। पार्टी के इस फैसले से अन्नामलाई खुश नहीं थे। चुनाव में इस गठबंधन को हार का सामना करना पड़ा।
- **क्या है अन्नामलाई का आगे का प्लान** सूत्रों की मानें तो अन्नामलाई तमिलनाडु में एक आंदोलन शुरू कर सकते हैं। बाद में वो एक पार्टी बना सकते हैं। कई सूत्रों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोगों को जोड़ना और एक मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। अन्नामलाई पहले से ही एक गैर-लाभकारी नेतृत्व पहल चला रहे हैं। यही बड़े राजनीतिक प्रोजेक्ट की नींव बन सकती है। यहीं नहीं कहा जा रहा है कि तमिलनाडु में होने वाले आगामी विधानसभा उपचुनावों में उनकी पार्टी चुनाव लड़ सकती है।

आधुनिक युद्ध में 'गेम चेंजर' बन रहे ड्रोन

- सेना के बेड़े में शामिल होंगे अब उन्नत सिस्टम
- लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र शर्मा ने किए बड़े दावे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक स्थित कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में भारतीय सेना के लिए एक अहम समारोह आयोजित किया गया, जहां 59 अफसरों ने अपनी एविएशन ट्रेनिंग पूरी की। इनमें से 25 अधिकारियों को बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद प्रतिष्ठित फ्लाइंग विंग्स प्रदान किए गए। इस अवसर पर सेना प्रशिक्षण कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल देवेद्र शर्मा ने कहा कि यह समारोह भारतीय सेना की उस व्यापक तैयारी का प्रतीक है, जिसके तहत अफसरों को आधुनिक युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल शर्मा ने कहा कि कॉम्बैट आर्मी एविएशन ट्रेनिंग स्कूल में पायलटों को लगभग तीन महीने की अवधि में बेसिक, एडवांस्ड और कॉम्बैट-खास ट्रेनिंग दी जाती है। उन्होंने बताया कि पिछले 23 सालों में इस संस्थान ने 1,794 अधिकारियों को ट्रेनिंग दे कर तैयार किया है, जिनमें लगभग 20 महिला अधिकारी भी शामिल हैं। इसके अलावा मित्र देशों के सैन्य अधिकारियों को भी यहां ट्रेनिंग दी गई है।

- **सीएटीएस की बढ़ती क्षमता और आधुनिक प्रशिक्षण-** सीएटीएस की स्थापना के समय यहां केवल 3 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित होते थे। वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 18 अलग-अलग कोर्स तक पहुंच गई है। हर वर्ष लगभग 150 अधिकारियों को विभिन्न एविएशन और ऑपरेशनल कोर्स के तहत प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण में हेलीकॉप्टर संचालन, सामरिक उड़ान, युद्धक्षेत्र समन्वय और आधुनिक हवाई अभियानों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। भारतीय सेना में आर्मी एविएशन को हाल के वर्षों में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका मिली है।

किसी की कोई बपौती नहीं, बंगला खाली होगा

- सीएम सम्राट का जवाब, बोले-ये राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास खाली करने के विवाद के मामले को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को पहली प्रतिक्रिया दी। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि यह राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है। यहां किसी की कोई बपौती नहीं है। बंगला खाली होगा। अगर कोई गुंडा गर्दी करेगा तो उसको पकड़कर जेल में डाला जाएगा। मुजफ्फरपुर में सीएम ने सभा की।

- **नीतिश कुमार को सीएम सम्राट ने दिया धन्यवाद-** सीएम सम्राट चौधरी ने नीतिश कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें कोई नोटिस नहीं गया, लेकिन वह मुख्यमंत्री पद से हटते ही सीएम आवास खाली कर दूसरे आवास में चले गए। लोकतंत्र में लोग उसे देखना चाहते हैं जो जनता के सेवक होते हैं। मैंने मुख्यमंत्री आवास के सामने लोक सेवक का आवास भी लिखवा दिया है। सभा को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होता है।

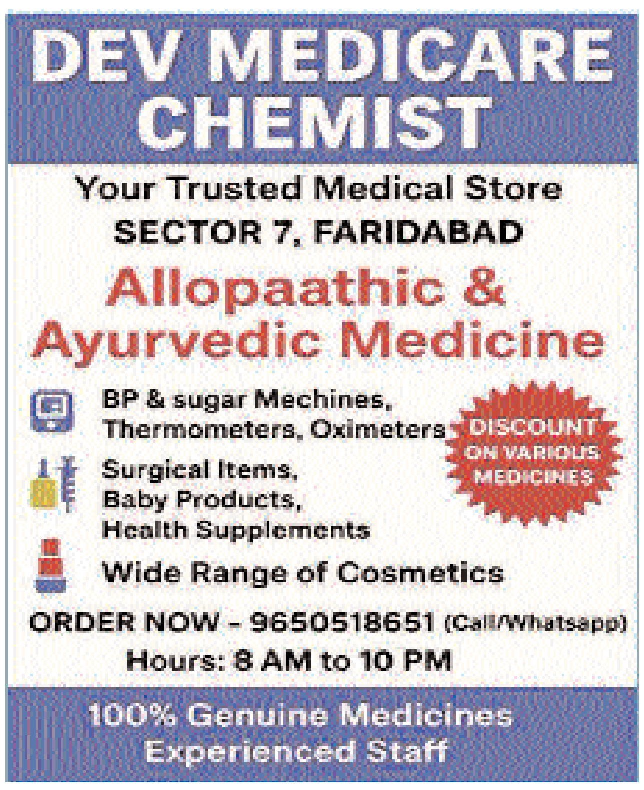

पंजाब राज्य में एस.आई.आर. के तहत घर-घर गणना 25 जून 2026 से होगी शुरू

- प्री-एस.आई.आर. के दौरान 84.62 प्रतिशत मैपिंग पूरी
- जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हो सकी, उनकी सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई ताकि मैपिंग प्रतिशत में और सुधार हो सके- अनिंदिता मित्रा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब

चंडीगढ़, भेदी नजर। पंजाब राज्य में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कराई जा रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एस.आई.आर.) के अंतर्गत आज मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब अनिंदिता मित्रा ने राज्य के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने उन मतदाताओं की सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपी जिनके रिकॉर्ड का प्री-मैपिंग के दौरान मिलान नहीं हो सका था। उन्होंने बताया कि आज सौंपी गई सूची 27 मई 2026 तक की प्री-मैपिंग प्रक्रिया के दौरान मैप न हो सके मतदाताओं से संबंधित है और इनमें से कुछ मतदाताओं की अब तक मैपिंग हो चुकी होने की भी संभावना है।

श्रीमती मित्रा ने एस.आई.आर. को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए राजनीतिक दलों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि घर-घर गणना शुरू होने से पहले अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंच बनाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

एस.आई.आर. प्रक्रिया को लेकर उठ रही आशंकाओं को दूर करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि यदि कोई मतदाता प्री-एस.आई.आर. अभियान के दौरान मैपिंग से छूट जाता है, तो उसे चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसी स्थिति में निर्वाचन अधिकारी मतदाता के विवरणों के सत्यापन हेतु कुछ दस्तावेजों की मांग करेंगे। श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने बताया कि प्री-मैपिंग प्रक्रिया में और तेजी लाने के उद्देश्य से 7 जून 2026 को पंजाब राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बी.एल.ओ. मतदाताओं को प्री-मैपिंग कार्य में सहायता प्रदान करेंगे।

उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से यह भी अपील की कि वे बी.एल.ए.-2 की नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाएं, क्योंकि एस.आई.आर. के दौरान बी.एल.ए.-2 की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल इन नियुक्तियों को शीघ्र पूरा करें।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को यह भी जानकारी दी कि मतदाता निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in?/ पर जाकर अपनी वोटर मैपिंग की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

इस अवसर पर जानकारी देते हुए श्रीमती अनिंदिता मित्रा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पंजाब राज्य में मतदाता सूचियों की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के लिए पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूचियों का प्रारूप प्रकाशन अब 3 अगस्त 2026 को किया जाएगा।

इसी प्रकार मतदाता सूचियों के संबंध में दावे और आपत्तियां प्रस्तुत करने की अवधि 3 अगस्त 2026 से 2 सितंबर 2026 तक निर्धारित की गई है। नोटिस चरण तथा दावों एवं आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 3 अगस्त 2026 से 28 सितंबर 2026 तक चलेगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आयोग द्वारा शेष समय-सारिणी 14 मई 2026 को घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही यथावत रखी गई है। बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री अमनदीप गर्ग, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नवनीत कौर बल्ल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुरिंदर सिंह सोढ़ी के अलावा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में आम आदमी पार्टी से फैरी सोफत, बहुजन समाज पार्टी से जसवंत राय और अजीत सिंह भैणी, भारतीय जनता पार्टी से एन.के. वर्मा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से सुनील कुमार, इंडियन नेशनल कांग्रेस से कैप्टन संदीप संधू और हरदीप सिंह किंगरा, तथा शिरोमणि अकाली दल से एडवोकेट अरशदीप सिंह क्लेर उपस्थित थे।

18,000 रुपये रिश्वत लेते सहायक सब-इंस्पेक्टर को विजिलेंस ब्यूरो ने किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, भेदी नजर। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस थाना शुतराना, तहसील पातड़ां, जिला पटियाला में तैनात सहायक सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) जसविंदर सिंह को 18,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव बकराहा, तहसील पातड़ां, जिला पटियाला के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता के रिश्तेदार अपने पड़ोसियों के साथ हुई लड़ाई में घायल हो गए थे। इस संबंध में राजिंदरा अस्पताल के डॉक्टर ने उनका उपचार करते हुए मामले की सूचना पुलिस थाना शुतराना को दी थी और आरोपी अधिकारी बाद में घायल व्यक्तियों के बयान दर्ज करने के लिए अस्पताल पहुंचा था। प्रवक्ता ने आगे बताया कि आरोपी एएसआई ने हमला करने वाले दूसरे पक्ष के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के बदले 20,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता द्वारा अनुरोध किए जाने पर आरोपी एएसआई 18,000 रुपये रिश्वत लेने के लिए सहमत हो गया। अवैध रिश्वत देने के लिए तैयार न होने के कारण शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो रेंज पटियाला से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में आरोपी एएसआई को शिकायतकर्ता से 18,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो थाना पटियाला में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

कुरुक्षेत्र में बोले गुरनाम सिंह चढूनी, 'अमेरिकी ट्रेड डील रद्द नहीं होने पर किया जायेगा बड़ा आंदोलन'

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। स्थानीय जाट धर्मशाला में भारतीय किसान यूनियन चढूनी की अहम बैठक आयोजित की गई. बैठक में भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर किसानों ने गहरी चिंता जताई. साथ ही हरिद्वार में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर को लेकर भी चर्चा हुई. बैठक के बाद किसानों ने अमेरिकी सरकार का पुतला फूंककर ट्रेड डील का विरोध किया. डील से भारतीय कृषि पर प्रभाव पड़ेगा : किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने बताया कि 'इस डील से भारतीय कृषि और किसानों पर प्रभाव पड़ेगा और देश को नुकसान होगा.' उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि 'अगर यह डील रद्द नहीं हुई तो मोदी की सरकार भी नहीं बचेगी. डील को तुरंत रद्द करने की मांग की : उन्होंने बताया कि 'हरिद्वार के वीआईपी घाट पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश भर से किसान हिस्सा लेंग और कृषि, व्यापार तथा किसानों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर मंथन किया जाएगा.' उन्होंने सरकार से इस डील को तुरंत रद्द करने की मांग की. देश भर में ट्रेड डील के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी : गुरनाम सिंह चढूनी ने चेतावनी दी कि 'यदि सरकार ने किसानों की मांगों को नजर अंदाज किया और प्रस्तावित ट्रेड डील को रद्द नहीं किया, तो देशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा.' किसानों का कहना है कि 'वे अपने हितों की रक्षा के लिए हर संभव संघर्ष करेंगे.'

रेवाड़ी में चटाई में लिपटा मिला युवती का शव, चेहरे को कुचला गया, पुलिस की पड़ताल जारी

रेवाड़ी, एजेंसी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव धवाना की बणी (जंगल) में रविवार दोपहर बाद करीब लगभग 25 वर्षीय एक युवती का क्षत-विक्षप्त शव चटाई में लिपटा हुआ बरामद हुआ है. शव का चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी है. सूचना के बाद मौके पर पहुंची खोल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है. अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या के बाद शव को खुर्द-बुर्द करने के लिए शव को यहां फेंका गया है. शव मिलने से आसपास के गांवों में सनसनी फैल गई है. चटाई में युवती का शव : जानकारी के अनुसार, दोपहर को धवाना की बणी में माता मंदिर में जा रहे ग्रामीणों को चटाई में एक युवती का शव दिखाई दिया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी. एफएसएल टीम को भी बुलाया गया है, जो मौके से सबूत जुटाने में लगी हुई है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रेवाड़ी के नागरिक अस्पताल भेज दिया है. युवती की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है. पहचान छुपाने के लिए चेहरे को कुचल दिया गया है. युवती की पहचान की कोशिशें जारी : फिलहाल पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा. खोल थाना प्रभारी गजराज सिंह ने बताया है कि आज सूचना मिली कि गांव धवाना के जंगल में एक चटाई में युवती का शव है. मौके पर पहुंचे और मामले की पड़ताल की लेकिन अभी तक युवती की कोई भी पहचान नहीं हुई है.

कुरुक्षेत्र के सरकारी अस्पताल में नाबालिग के साथ रेप, डॉक्टर पर आरोप, ब्लीडिंग होने से हुआ खुलासा

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल में एक नाबालिग लड़की से रेप का शर्मनाक मामला सामने आया है. अस्पताल के कंसल्टेंट डॉक्टर पर रेप करने का आरोप हैं. डॉक्टर ने नाबालिग के साथ ओपीडी कमरे में मल्टीपल टाइम रेप किया. वहीं जब इस मामले पर मीडिया ने पुलिस से बातचीत करनी चाही तो पुलिस ने मामले पर चुप्पी साध ली. नाबालिग के साथ अस्पताल में रेप : एलएनजेपी अस्पताल के डॉ. उपेंद्र सिंह ने मीडिया से पूरे मामले में बातचीत करते हुए बताया कि 'नाबालिग के साथ रेप की सूचना अस्पताल ने ही पुलिस को दी है. डॉक्टर उपेंद्र सिंह खुद इमरेंजसी वार्ड में ड्यूटी पर थे. पीड़ित बच्ची जब इमरजेंसी वार्ड में आई तो उसे ब्लीडिंग हो रही थी. हमने उसे चेक किया और उसे तुरंत इलाज दिया.

5 लाख करोड़ के निवेश लक्ष्य के साथ मुख्यमंत्री ने किया मेक इन हरियाणा पॉलिसी को लॉन्च, पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ के हुए

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को गुरुग्राम में मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी को लॉन्च किया। प्रदेश में 5 लाख करोड़ के निवेश का लक्ष्य लेकर लॉन्च की गई इस पॉलिसी के पहले ही दिन 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों के एमओयू हुए। इसके साथ-साथ उन्होंने 9 नई सेक्टोरल पॉलिसी, एक स्मार्ट निवेश सुविधा पोर्टल को भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लोगों का भी अनावरण किया। इस दौरान संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस नई पॉलिसी से उद्योग और सशक्त होंगे। निवेश प्रक्रिया सरल होगी और विकास के अवसर और अधिक व्यापक होंगे। इससे प्रदेश को एक नई दशा और दिशा मिलेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज दुनिया के निवेश करने का तरीका बदल रहा है। आज उद्योग केवल इंसेंटिव ही नहीं देखते। वे इकोसिस्टम भी देखते हैं। वे पूछते हैं कि कौन सा राज्य तेजी से निर्णय ले सकता है? कौन सा राज्य भरोसा दे सकता है? कौनङ्कसा राज्य लंबे समय तक ग्रोथ पार्टनर बन सकता है? यही वह क्षेत्र है, जहां हरियाणा नेतृत्व करने जा रहा है। मेक इन हरियाणा% केवल एक इंडस्ट्रियल पॉलिसी नहीं है। यह हरियाणा के आर्थिक विकास के अगले चरण का रोडमैप है। ऐसा रोडमैप जो, कॉम्पिटिटिवनेस, इनोवेशन, सस्टेनेबिलिटी, एक्सपोर्टस, रोजगार और फ्यूचरङ्करेडी मैन्युफैक्करिंग पर आधारित है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने निवेशकों से आह्वान किया कि हरियाणा में निवेश कीजिए। हरियाणा के साथ बढ़िए और अपने भविष्य का निर्माण कीजिए। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टिंग इन हरियाणा का मतलब इन्वेस्टिंग इन फ्यूचर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्द ही हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा देश की सबसे मजबूत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश के केवल 1.3 प्रतिशत भूङ्कभाग के बावजूद हरियाणा भारत की जीडीपी में लगभग 3.6 प्रतिशत योगदान देता है। एक्सप्रेसवेज, फ्रेट कॉरिडोर्स, रेल कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स हब्स और एनसीआर तक सीधी पहुंच ने हरियाणा को भारत के सबसे राजनीतिक इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन्स में बदल दिया है।

उन्होंने कहा कि आज ग्लोबल कंपनियां

प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत विजन को साकार करने में जुटें अधिकारीः मनोहर लाल

हरियाणा के शहरों को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक बनाने पर विशेष जोर

चंडीगढ़, । केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे स्वच्छ भारत मिशन-2 के तहत योजनाओं को मिशन मोड में लागू करें ताकि हरियाणा के शहर स्वच्छ, सुंदर और नागरिकों के लिए बेहतर जीवन गुणवत्ता वाले बन सकें। उन्होंने कहा कि यदि हरियाणा के शहर स्वच्छता और शहरी प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं तो वे देश के अन्य राज्यों के लिए आदर्श बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री आज शहरी स्थानीय निकाय विभाग की डीएमसी एवं एमसी के साथ आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल भी उपस्थित रहे।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी स्वच्छता को राष्ट्रीय जनआंदोलन का स्वरूप दे चुके हैं और इसे पूरी गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को सभी परियोजनाओं की स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में स्थायी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज व्यवस्था, ड्रेनों की सफाई, शौचालय अवसंरचना, घर-घर कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, लीगेसी वेस्ट प्रबंधन, मल्टीलेवल पार्किंग और बायो-सीएनजी प्लांट सहित विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन-2 के तहत निर्धारित 166 मानकों के अनुरूप शहरों को विकसित करने के लिए प्रतिस्पर्धात्मक भावना से कार्य किया जाए। साथ ही ऐसे विकास परियोजनाएं तैयार की जाएं जिनसे नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलें और स्थानीय निकायों की आय में भी वृद्धि हो।

शौचालयों का राज्यव्यापी सर्वे 30 जून तक

केंद्रीय मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी शहरी स्थानीय निकाय निजी, सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का सर्वेक्षण 30 जून तक पूरा करें। उन्होंने कहा कि कोई भी घर, बाजार, पार्क अथवा सार्वजनिक स्थल शौचालय सुविधा से वंचित नहीं रहना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर थर्ड पार्टी सर्वे भी कराया जाए। पर्यटन स्थलों पर उच्च गुणवत्ता वाले आधुनिक शौचालयों का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाए।

10 से अधिक आबादी वाले सभी कस्बों में बने सीवरेज योजनाः उन्होंने कहा कि राज्य के सभी कस्बों में चरणबद्ध तरीके से सीवरेज नेटवर्क विकसित करने की योजना बनाई जाए। साथ ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों के निर्माण एवं उपचारित जल के पुनः उपयोग पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

बायो-सीएनजी प्लांटों का विस्तारः श्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रदेश में सात स्थानों पर बायो-सीएनजी प्लांट स्थापित किए जाएंगे। यमुनानगर में इस दिशा में कार्य शुरू हो चुका है, जबकि फरीदाबाद, रोहतक सहित अन्य स्थानों पर भी जल्द कार्य आरंभ किया जाएगा।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़, । भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने सोमवार को नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डॉ. गुप्ता ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को महाराजा अग्रसेन की मूर्ति तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया।

भेंट के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने डॉ. अर्चना गुप्ता को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी और उनके सफल, प्रभावी एवं प्रेरणादायक कार्यकाल की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि डा. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में हरियाणा भाजपा संगठन और अधिक सशक्त होगा तथा पार्टी के विस्तार को नई गति मिलेगी।

भेंट के दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन की मजबूती, आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों तथा पार्टी के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही कार्यकर्ताओं को संगठन से जोड़ने, बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

डॉ. अर्चना गुप्ता ने राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगी।

हरियाणा में बिजली आपूर्ति को लेकर पूरी तैयारी, उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़, हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रदेश में बिजली आपूर्ति को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे बिजली की पीक डिमांड बढ़ रही है, बिजली विभाग सफलतापूर्वक उसका सामना कर रहा है और राज्य की संपूर्ण बिजली मांग को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि प्रदेश के उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाएगी और इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए हैं। श्री विज आज चंडीगढ़ में मीडिया कर्मियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा बिजली विभाग का प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। विभाग ने बिजली आपूर्ति प्रणाली को मजबूत और दुरुस्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं तथा निरंतर सुधार की प्रक्रिया भी जारी है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। गुरुग्राम में हाल ही में हुए हादसे के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि यह एक तकनीकी घटना थी, जिस पर विभाग ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना के बाद मशीनरी को लगभग दो घंटे के भीतर ठीक कर लिया गया था और बिजली व्यवस्था को शीघ्र सामान्य कर दिया गया था। अधिकारियों के कार्य व्यवहार को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में श्री विज ने कहा कि वह किसी की 'क्लास' नहीं लेते, बल्कि आवश्यकतानुसार अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश देते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग के अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं और सरकार की नीतियों एवं जनहित के कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा किसानों के लिए ऐतिहासिक ऐलान, किसान क्रेडिट कार्ड की कर्ज सीमा में वृद्धि

किसानों को कर्ज के जाल से बाहर निकालने और पैसा सीधे किसानों के हाथों में पहुंचाने के लिए की गयी वृद्धि

चंडीगढ़; भेदी नजर। पिछले कुछ दशकों के दौरान पंजाब में हुए कृषि सुधारों में सबसे बड़ा कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.) प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार किया है। इसके तहत 26 साल पुराने उस ढांचे को बदल दिया गया है जिसने किसानों को लंबे समय से अपर्याप्त संस्थागत कर्ज पर निर्भर रहने और साहूकारों के रहमो-करम पर छोड़ दिया था। यह नई नीति फसल की वास्तविक लागत के अनुसार फसल-वार कर्ज की सीमा (क्रेडिट लिमिट) को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है, ब्याज के बोझ को कम करती है, अधिक मुनाफे वाली फसलों और सहायक क्षेत्रों के लिए कर्ज की पात्रता का विस्तार करती है। यहां तक कि पराली प्रबंधन के लिए विशेष वित्तीय सहायता शुरू करती है और किसानों को ए.टी.एम. और यू.पी.आई. जैसे आधुनिक डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से धन का उपयोग करने में सक्षम बनाती है।

इन सुधारों को कृषि को अधिक लाभदायक और टिकाऊ बनाने की दिशा में अहम फैसला बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि नया के.सी.सी. ढांचा किसानों के हाथों में अधिक पैसा सीधे पहुंचाएगा, गेहूं-धान के चक्र से बाहर फसल विविधता को तेज करेगा, सहकारी कर्ज संस्थाओं को मजबूत करेगा और किसानों को कर्ज के जाल से बाहर निकालने में मदद करेगा। इन सुधारों से पंजाब भर के 13 लाख से अधिक किसानों को लाभ होने की उम्मीद है, जिसमें कई फसलों के लिए कर्ज सहायता में भारी वृद्धि होगी। इसमें बागवानी फसलें भी शामिल हैं, जहां पहले मिलने वाली 32,000 रुपए प्रति एकड़ की एकसमान सीमा के मुकाबले अब कर्ज 1.57 लाख रुपए प्रति एकड़ तक जा सकता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷यह सिर्फ कोई नीतिगत बदलाव नहीं है, बल्कि पंजाब के किसानों की आर्थिक आजादी के उद्देश्य से लिया गया ऐतिहासिक फैसला है। हमने लाल फीताशाही को समाप्त कर दिया है, यह सुनिश्चित किया है कि अधिक पैसा सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचे और प्राथमिक कृषि सहकारी सभाओं (पी.ए.सी.एस.) और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के लिए प्रभावी ढंग से किसानों की सेवा करना आसान बना दिया है। हमने अपने किसानों को 21वीं सदी के डिजिटल साधनों से लैस किया है और वे अब पंजाब की तरक्की की नई कहानी लिखेंगे।÷

इस सुधार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सूबा सरकार ने वर्ष 2000 से चले आ रहे पुराने के.सी.सी. सिस्टम को बदलकर 26 सालों की स्थिरता को तोड़ा है। उन्होंने कहा, ÷दो दशकों से अधिक समय से पंजाब के किसानों को हाथों-हाथ कागजी कार्रवाई, चेक बुक और पासबुकों के आस-पास घूमने वाले पुराने और जटिल के.सी.सी. ढांचे पर निर्भर रहने के लिए मजबूर किया गया था। पिछली सरकारों ने इस स्थिति को सुधारने के बजाय ज्यों-का-त्यों रहने दिया। हमारी सरकार ने उस 26 साल पुराने सिस्टम को बदलकर पारदर्शी, डिजिटल और बेहतरीन कर्ज व्यवस्था लागू की है, जो कि आधुनिक कृषि की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है।÷

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि संशोधित नीति से किसानों को मिलने वाली कर्ज सीमा में भारी वृद्धि होगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बैंक कर्ज फसल की वास्तविक लागत को दर्शाता हो। उन्होंने कहा, ÷हमने गेहूं के लिए कर्ज सीमा 24,380 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 30,000 रुपए प्रति एकड़ कर दी है। इसी तरह धान के लिए 25,440 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 39,000 रुपए प्रति एकड़ कर दिया गया है। इससे किसानों को वह वास्तविक वित्तीय सहायता मिलेगी जिसके वे हकदार हैं।÷

मुख्यमंत्री ने कहा कि के.सी.सी. के नए ढांचे में फसलों के अवशेष प्रबंधन को शामिल करने वाला पहला सूबा बनकर पंजाब, देश भर में अग्रणी सूबे के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, ÷धान की संशोधित 39,000 रुपए प्रति एकड़ की सीमा में से 2,000 रुपए प्रति एकड़ विशेष रूप से फसली अवशेष प्रबंधन के लिए रखे गए हैं। देश में पहली बार किसानों को पराली प्रबंधन के लिए विशेष सहायता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए वित्तीय रूप से मजबूत किया जा रहा है।÷

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सरकार द्वारा गन्ना उत्पादकों की सहायता के लिए भी शानदार कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ÷लगाए गए गन्ने के लिए कर्ज सीमा को 44,000 रुपए प्रति एकड़ से बढ़ाकर 1 लाख रुपए प्रति एकड़ कर दिया गया है। रेटून फसलों (फिर से उगने वाली) के लिए पहली बार 65,000 रुपए प्रति एकड़ की कर्ज व्यवस्था की गई है। पहले किसानों को कर्ज लेने के लिए अक्सर साहूकारों और एन.बी.एफ.सी. पर निर्भर रहना पड़ता था जो बहुत अधिक ब्याज दरें वसूलते थे क्योंकि संस्थागत कर्ज उनकी वास्तविक जरूरतों को पूरा नहीं करता था। हमारा उद्देश्य किसानों को किफायती कर्ज के माध्यम से पूरी तरह से सहकारी कर्ज नेटवर्क में शामिल करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संशोधित के.सी.सी. ढांचे से फसल विविधता को भी बढ़ावा मिलेगा और सहायक क्षेत्रों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा, ÷हम किसानों को उच्च-मूल्य वाली फसलों की ओर मोड़ने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर में युवक की चाकू से 15 बार गोदकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के न्यू उस्मानपुर इलाके में चाकू से ताबड़तोड़ वार करके 17 साल के नाबालिग की हत्या कर दी। मृतक की पहचान अभिषेक के रूप में हुई है। नाबालिग के शरीर पर चाकू के 15 से अधिक निशान मिले हैं। आशंका है रंजिश में हत्या को अंजाम दिया गया है। न्यू उस्मानपुर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है। अभिषेक अपने परिवार के साथ पांचवा पुश्ता उस्मानपुर में रहता था। परिवार में माता-पिता व अन्य सदस्य हैं। परिवार ने बताया कुछ माह पहले कुछ युवकों से अभिषेक का झगड़ा हुआ था। आरोपित जेल भी गए थे। जेल से आने के बाद वह अभिषेक को धमकियां दे रहे थे। सोमवार रात को अभिषेक किसी काम से घर से बाहर गया था। आरोप है जिनसे झगड़ा हुआ था, उन दो लोगों ने अभिषेक को घेर लिया और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। घायल हालत में जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में अब तक दो नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पुलिस ने दबोचा है। बालिग आरोपित की पहचान रिक्की के रूप में हुई है।

ओएसएम विवाद में फंसी कंपनी हो सकती है ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीएसई की 12वीं कक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में लागू की गई आन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली से जुड़े विवाद के बीच शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) डिजिटल परीक्षा सेवा प्रदाता कंपनी कोएम्प्ट एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर विचार कर रहा है। सीबीएसई से जुड़े सूत्रों के अनुसार कंपनी पर भारी आर्थिक दंड लगाने से लेकर भविष्य के सरकारी अनुबंधों से बाहर करने तक के विकल्पों पर चर्चा चल रही है। मामला उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैनिंग और मूल्यांकन प्रक्रिया में सामने आई तकनीकी गड़बड़ियों से जुड़ा है। इसमें हजारों उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कापियों में धुंधली छवियां, पन्नों के क्रम में गड़बड़ी और अन्य संरचनात्मक त्रुटियां सामने आई हैं। इन शिकायतों के बाद सीबीएसई ने मामले की समीक्षा शुरू की है। सूत्रों का कहना है कि सबसे पहले कंपनी पर अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को लेकर भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है। बोर्ड स्तर पर इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके अलावा यदि जांच में गंभीर लापरवाही या निविदा प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता साबित होती है तो कंपनी को केंद्र सरकार की भविष्य की परियोजनाओं से ब्लैकलिस्ट करने पर भी विचार किया जा सकता है। ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रावधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया हालांकि, इससे जुड़ा एक कानूनी पहलू भी सामने आया है। पिछले वर्ष जारी निविदा दस्तावेज में ब्लैकलिस्टिंग से संबंधित प्रविधान बाद में संशोधित दस्तावेज में हटा दिया गया था। इसके बावजूद अधिकारियों का कहना है कि बोर्ड के पास आवश्यक परिस्थितियों में किसी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट करने का अधिकार सुरक्षित है। सूत्रों के अनुसार एक अन्य विकल्प कंपनी के अनुबंध का नवीनीकरण नहीं करना भी है। बोर्ड के भीतर यह राय बन रही है कि भविष्य की परीक्षा प्रक्रियाओं में कंपनी को दोबारा जिम्मेदारी न सौंपी जाए और ओएसएम प्रणाली का विस्तार अन्य विषयों और कक्षाओं में करने से पहले इसकी व्यापक समीक्षा की जाए।

दूसरी ओर कुछ अधिकारियों का कहना है कि कंपनी का चयन केंद्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल के माध्यम से सामान्य वित्तीय नियमों के तहत पारदर्शी प्रक्रिया से किया गया था और वह सबसे कम बोली लगाने वाली पात्र एजेंसी के रूप में उभरी थी। वहीं कंपनी से जुड़े लोगों का दावा है कि प्लेटफार्म ने निर्धारित तरीके से काम किया और सामने आई तकनीकी समस्याएं कुल मूल्यांकन प्रक्रिया के मुकाबले बेहद सीमित मामलों तक ही थीं।

34 दिन में चार्जशीट, 8 दिन में ट्रायल पूरा; नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को कोर्ट ने दी उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। निहाल विहार थाना पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के एक बेहद गंभीर मामले में त्वरित जांच और प्रभावी पैरवी के जरिए आरोपित को उम्रकैद की सजा दिलाने में सफलता हासिल की है। तीस हजारी कोर्ट ने दोषी को उसके शेष प्राकृतिक जीवन तक कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

साथ ही दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए पीड़िता के लिए 16.5 लाख रुपये के मुआवजे को भी मंजूरी दी है। इस मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज होने के 34 दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी। कोर्ट ने भी तत्परता दिखाई और आठ दिनों में सुनवाई पूरी करते हुए आरोपित को दोषी करार देते हुए उसे सजा सुना दी।

बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त उपायुक्त विक्रम सिंह ने मामले की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि, बीते 17 अप्रैल को एक नाबालिग पीड़िता अपने माता-पिता के साथ निहाल विहार थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि आरोपित राम शंकर, जो पहले उसके घर के सामने रहता था और परिवार के संपर्क में था, ने जुलाई 2025 में उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया था।

आरोपित ने कथित तौर पर उसके भाई-बहनों को पैसे देकर घर से बाहर भेज दिया और इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने किसी को भी बताया, तो वह उसकी छोटी बहन के साथ भी ऐसा ही करेगा। डरा धमकाकर आरोपित महीनों तक दुष्कर्म करता रहा। बाद में जब पीड़िता गर्भवती हुई, तब उसने अपनी मां को आपबीती सुनाई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और पाक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर एसीपी राजबीर लांबा की निगरानी और एसएचओ शीश पाल की निगरानी में एसआई मनीषा ने जांच शुरू की। मेडिकल परीक्षण में पीड़िता के 32 सप्ताह और 4 दिन की गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपित राम शंकर को शिकायत दर्ज होने के दिन ही निहाल विहार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

जांच टीम ने महज 34 दिनों के भीतर अदालत में चार्जशीट दाखिल किया। पुलिस द्वारा अदालत के समक्ष प्रस्तुत डीएनए प्रोफाइलिंग सहित वैज्ञानिक साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर कोर्ट ने केवल आठ दिनों में ट्रायल पूरा कर लिया। सभी दोष सिद्ध होने पर 30 मई को अदालत ने आरोपित को उम्रकैद की सजा सुनाई, जिसके तहत अब उसे अपना शेष प्राकृतिक जीवन जेल में ही काटना होगा।

निहाल विहार पुलिस ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के साथ बेहतर समन्वय बनाकर पिछले दो महीनों में दो अन्य अपराधियों को भी उनके अंजाम तक पहुंचाया है। इसके के ही एक जानकार ने एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा किया और उसका यौन उत्पीड़न किया था। पुलिस की स्पेशल टीम ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से पीड़िता को सुरक्षित छुड़ाया और आरोपित को गिरफ्तार किया। इस मामले में भी 30 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया गया और फास्ट ट्रैक कोर्ट ने त्वरित सुनवाई करते हुए आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। आरोपित रवि कुमार ने देर रात एक सुनसान जगह का फायदा उठाकर महिला को बंधक बनाया और उसके साथ बर्बरतापूर्वक दुष्कर्म किया था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम ने सीधे मौके पर पहुंचकर पुख्ता इलेक्ट्रानिक व जैविक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने रिकार्ड समय में चार्जशीट पेश की, जिसके चलते स्थानीय कोर्ट ने आरोपी की सभी जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उसे उम्रकैद (आजीवन कारावास) की सजा से दंडित किया। वैज्ञानिक साक्ष्यों और त्वरित जांच के बल पर हमने अपराधियों को रिकार्ड समय में सजा दिलवाकर समाज में कड़ा संदेश दिया है।

पॉक्सो मामला: पीड़िता की पहचान उजागर करने पर आप के पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। जनकपुरी स्थित स्कूल में बच्ची के साथ दुष्कर्म से जुड़े मामले में नाबालिग पीड़िता की पहचान कथित रूप से सार्वजनिक करने के आरोप में पूर्व विधायक सौरभ भारद्वाज के खिलाफ जनकपुरी थाने में प्राथमिकी हुई है। यह प्राथमिकी पुलिस ने बीएनएस की धारा 72, किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम की धारा 74 तथा पाक्सो अधिनियम की धारा 23(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले दक्षिण-पश्चिम जिला की चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी)- ने 13 मई को मामले का संज्ञान लेते हुए जनकपुरी थाना प्रभारी से एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी थी। साथ ही समय पर सूचना नहीं देने के लिए नाराजगी जताई थी।

इस मामले में 12 मई को अधिवक्ता प्रवीण नारायण ने सीडब्ल्यूसी-के समक्ष एक लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत मिलने के बाद समिति ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जनकपुरी थाना पुलिस से की गई कार्रवाई का ब्यौरा मांगा था। इसके बाद पुलिस ने शिकायत की जांच कर पूर्व विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जनकपुरी थाने में दर्ज इस प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता अधिवक्ता प्रवीण नारायण ने आरोप लगाया है कि 11 मई को पूर्व विधायक ने अपने आधिकारिक फेसबुक हैंडल और आम आदमी पार्टी के आधिकारिक फेसबुक पेज पर प्रसारित एक प्रेस वार्ता के दौरान ऐसे तथ्य और विवरण सार्वजनिक किए, जिनसे पाक्सो मामले की साढे तीन साल की पीड़िता की पहचान प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से उजागर हो गई थी, जिसमें उसके स्कूल के ही केयरटेकर ने नामांकन के दूसरे दिन ही बच्ची के साथ वारदात को अंजाम दिया था।

29 अप्रैल की इस घटना में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया था, जिसे सात मई को द्वारका कोर्ट से जमानत मिल गई थी। बाद में पुलिस ने उच्च न्यायालय में इस जमानत को खारिज करने के लिए याचिका दायर की थी। शिकायत में कहा गया है कि यौन अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ित की पहचान गोपनीय रखना कानूनन अनिवार्य है। आरोप है कि इंटरनेट मीडिया पर साझा की गई जानकारी से न केवल कानूनी प्रविधानों का उल्लंघन हुआ, बल्कि पीड़िता की गरिमा, निजता और मानसिक सुरक्षा को भी ठेस पहुंची। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशीलता को देखते हुए जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में 5 जून तक बारिश के आसार, तपन भरी गर्मी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। तपन भरी गर्मी से दिल्ली-एनसीआर को आज भी राहत मिलती रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो दोपहर बाद अथवा शाम के समय शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जिससे तापमान में आई गिरावट बरकरार रहेगी। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही रहेगी। शाम या रात के समय तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती है।

नौतपा के अंतिम दिनों में गर्मी फिर से बेहाल करने लगी है। 28 मई से हुई बूंदाबांदी ने गर्मी से कुछ राहत दी थी, लेकिन फिर से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी परेशान करने लगी है। सोमवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

एक सप्ताह बाद फिर से दिन और रात के तापमान 1 से 2 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। गर्मी बढ़ने से बाजारों में रौनक कम होने लगी है। दिनभर मौसम उमस रहने से पसीने से तरबतर रहे। पार्क भी सुने रहे। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 3 से 5 जून तक बारिश होने के आसार हैं। इस बीच 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 6 जून से तापमान में वृद्धि होने से गर्मी फिर से बढ़गी। मौसम साफ होने से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो सकता है। लू चलने के आसार भी जताए हैं। उधर, मंगलवार को सुबह 9 बजे दिल्ली का एक्यूआई 99 दर्ज किया गया। इसे 'संतोषजनक' श्रेणी में रखा जाता है। संतोषजनक श्रेणी में ही चल रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

दिल्ली के सरकारी स्कूल बनेंगे डिजिटल और पर्यावरण अनुकूल, 2027 तक 'जीरो वेस्ट कैंपस' का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक तैयार करने और उनमें तकनीकी व पर्यावरण अनुकूल माहौल बनाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को संवाद कार्यक्रम के तहत जनकपुरी के पोशंगीपुरी स्थित सीएम श्री स्कूल में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों और स्कूल प्रमुखों के साथ हाइब्रिड मोड में सीधा संवाद किया। इस कार्यक्रम में कुल पांच जिलों और 11 जोनों के 422 सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों और स्कूल में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की गई। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक, जिला एवं जोनल उप शिक्षा निदेशक समेत शिक्षा निदेशालय के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता को मुख्य एजेंडा बताते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि विद्यालयों को मार्च 2027 तक अपने परिसरों को ''जीरो वेस्ट कैंपस'' में बदलना होगा। इसके लिए उन्होंने स्कूलों को कचरा अलग करने , रीसाइक्लिंग, कम्पोस्टिंग और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग जैसी तकनीकों को अपनाने के निर्देश दिए।

उत्तर मध्य रेलवे

No. GSU/EI/PRYJ/EIG/HGJ/2026 **Dated:** 29.05.2026

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 25 के.वी., 50 हर्टज ए.सी. सिरोपरि कर्षण तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से सिरोपरि कर्षण लाईन को सबसमय विधुतमय माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति को उस सिरोपरि कर्षण लाईन की सामीप्यता में दाखिला होने या काम करने नहीं दिया जायेगा।

मण्डल :- प्रयागराज, दिनांकः 19.06.2026 को अथवा उसके पश्चात

खण्डः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अलीगढ़-बरेली खण्ड में हरदुआगंज यार्ड लाइन नं.15 के किमी 153/3025C से L-15/4A के मध्य।

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/गति शक्ति यूनिट

1224/26(DG) **उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्वोत्तर रेलवे निविदा सूचना संख्याः 04 दिनांकः 01.06.2026

ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रवन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई–प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्रम सं0.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	मात्रा
1	22261414	15/10/26	कान्स्टेन्ट कान्टैक्ट पालीयूरेथीन साइड ईटीसी	1222 Nos.
2	22261097	13/10/26	नान एस्बेस्टस बेस्ड आर्गेनिक ब्रेक पैड 400 ईटीसी	27767 Sets
3	22260778	08/10/26	थर्मोप्लास्टिक पालिस्टर इलास्टोमर ईटीसी	12147 Nos.
4	22260575	06/10/26	लोवर स्प्रिंग शीट फार एक्सल बाक्स ईटीसी	5950 Nos.
5	22261140	29/09/26	कपुलर बाजी एण्ड शैंक वियर प्लेट फार नान ईटीसी	1926 Nos.
6	22250851A	24/09/26	थर्मोप्लास्टिक पालिस्टर इलास्टोमर ईटीसी	19656 Nos.
7	22250229A	17/09/26	डबुल एक्टिंग हाइड्रालिक शाक आब्जर्बर ईटीसी	2233 Nos.
8	22261545	15/09/26	किट फार पाली यूरेथीन (पीयू) कान्स्टेन्ट ईटीसी	5850 Nos.
9	22261106	10/09/26	या डैम्पर फार फिएट टाईप बोगी आरडीएसओ ईटीसी	2082 Nos.
10	22260216	25/08/26	रियर कवर फार एक्सल बाक्स (ग्रैविटी डाई) ईटीसी	4062 Nos.
11	22260215	04/08/26	एक्सल बाक्स हाउसिंग फिनिश मशीन्ड ईटीसी	3005 Nos.
12	22261809	28/07/26	मेन्टेनेन्स किट 01 फार अर्थिंग इक्यूपमेंट ईटीसी	4637 Nos.
13	22260727	27/07/26	एफआरपी विण्डो असेम्बली कम्पली ईटीसी	1446 Nos.
14	22262190	23/07/26	इन्टरकार गैंगवे माउन्टिंग आरसीएफ ड्राइंग ईटीसी	800 sets.
15	22262092	21/07/26	अर्थिंग केबुल कम्पलीट 70 स्क्वा० एमएम ईटीसी	6500 Nos.
16	23261024	21/07/26	एल्यूमिनियम चेकर्ड शीट साईज 2774 x 82 ईटीसी	47230 kgs.
17	22261511	09/07/26	डस्टबीन असेम्बली (कम्पलीट) टू आईसीएफ ड्राइंग ईटीसी	8261 Nos.
18	22262062	07/07/26	इन्स्टालेशन लीवर असेम्बली ईटीसी	10250 Nos.
19	24261056	07/07/26	सेट आफ फिक्स एण्ड मोबाईल कान्टैक्ट आफ 1500 ईटीसी	750 Nos.
20	22261468	02/07/26	कास्ट स्टील बोल्स्टर (फार मोडिफाइड) ईटीसी	154 Nos.
21	24260850	30/06/26	एक्सल बाक्स असेम्बली कम्पलीट एलांग विथ ईटीसी	225 sets.
22	33261060	29/06/26	अन इन्सुलेटेड कैडमियम कापर कैटेनरी ईटीसी	51.61 Mtrs.
23	22261169	29/06/26	एडाप्टर (नैरो जॉ) क्लास ई 6" x 11" ईटीसी.	20741 Nos.
24	28261043	24/06/26	हाई परफार्मेस एन्टी कोरिजन इपाक्सी ईटीसी	75700 kgs.
25	24250076A	24/06/26	आक्जिलरी कैम स्वीच कम्पलीट ऐज पर बीटी ईटीसी	5515 Nos.
26	22261335	23/06/26	व्हील सेट अर्थिंग इक्यूपमेंट फार एलएचबी ईटीसी	1995 sets.
27	22261756	23/06/26	एअर स्प्रिंग असेम्बली कैपेसीटी 120 केएन ईटीसी	62 Nos.
28	24260988	22/06/26	फैब्रीकेटेड बोल्स्टर फार इलेक्ट लोको ईटीसी	09 Nos.
29	22262365	22/06/26	अर्थिंग केबुल कम्पलीट फार व्हील सेट ईटीसी	4450 Nos.
30	22262055	22/06/26	डूप्लेक्स चेक वाल्ब विथ 1.5 केजी पर सेमी ईटीसी	3061 Nos.
31	30260452	22/06/26	इमरजेन्सी बैटरी चार्जर कन्फर्मिंग ईटीसी	217 Nos.
32	22261192C	19/06/26	बाल ज्वाइंट ट्रैक्शन लीवर फार फिएट बोगी ईटीसी	24251 Nos.
33	24260028	17/06/26	प्राईमरी सस्पेंशन स्प्रिंग फार डब्लूएपी–4 लोको ईटीसी	597 Nos.
34	22251415C	17/06/26	बोगी सेन्टर पीवट टाप फार बोगी वैगन ईटीसी	2030 Nos.
35	24261020	17/06/26	मेटलाइज्ड कार्बन स्ट्रिप्स सुटेबुल फार ईटीसी	382 Nos.
36	24260268	17/06/26	हाई वोल्टेज बुशिंग ईटीसी	25 Nos.

प्रमुख मुख्य सामाग्री प्रबन्धक गोरखपुर

मुजाधि / S-19

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना संख्या
एन-235-62 टेली टेण्डर-06-2026

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर / टेली / मुख्यालय / पूर्वोत्तर रेलवे / गोरखपुर एवं कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिये टेण्डर प्रपत्र में अंकित निर्धारित योग्यता का पर्याप्त अनुभव रखने वाले ठेकेदारों से ई–टेन्डर आमंत्रित करते है:–

(1) निविदा सूचना संख्याः एन-235-62 टेली टेण्डर-06-2026, **(2)** कार्य का नामः प्रोविजन ऑफ एलटीई–ऐफडीडी बेस्ड वायरलेस टेक्निकल इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम बाय सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग एंड कमीशनिंग ऑफ एलटीई–ऐफडीडी बेस्ड वायरलेस कम्युनिकेशन इक्विपमेंट्स अलोंग विथ एसोसिएटेड एक्सेसरीज फॉर वन लोकेशन इच एआरटी ऑफ एलजेएन डिवीजन एंड आईजेडएन डिवीजन, एन.ई. रेलवे। **(3)** निविदा लागतः ₹ 8,92,19,100.72 (आठ करोड़ बानवे लाख उन्नीस हजार एक सौ रूपये और बहत्तर पैसे मात्र), **(4)** बिड सिक्यूरिटी (बयाना धनराशि): ₹ 17,84,400/-, **(5)** ऑफर की वैधताः 60 दिन। **(6)** निविदा खोलने एवं बंद होने की तिथि तथा समयः दिनांक 30-06-2026, समय 12:30 बजे, **(7)** कार्य के पूर्ण करने की अवधिः 06 (छः) माह। **(8)** मूल निविदा में किसी तरह के परिवर्तन के लिये कृपया इन्टरनेट वेबसाइट पर जारी शुद्धि पत्र का अवलोकन करें। **(9)** विस्तृत निविदा सूचना, निविदा प्रप्रत्र, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट ***http://www.ireps.gov.in*** पर उपलब्ध है।

नोटः निविदादाता / बिडर को अपने बिड के साथ सभी निर्दिष्ट संलग्नों / फार्मेट / अनुलग्नक को अपलोड करना होगा।

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजी./टेली/ मुजाधि / सिगनल-47 मुख्या., गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर / कार्य, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0 1:– ई–निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरणः टेण्डर नं.– "05–जीकेपी–एमडब्लूएस–2026–27" "कन्वर्जन आफ कन्वेन्शनल आईसीएफ कोचेज टू ऑटोमोबाईल कैरियर ब्रेक वैन क्वान्टिटी 15 नम्बर्स कोचेज सैक्संड अंडर पीएच–21 वाईड आरएसपी (बीओ) डब्ल्यूबी आइटम नंबर–797 / 25–26 – एलोकेशन –कैप फार जीकेपीएस / एनईआर" अनुमानित लागत (रू0में): ₹ 2,10,45,000.00, धरोहर राशि (रू0में): ₹ 4,20,900.00, निविदा प्रपत्र का मूल्यः–रू शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधिः 23.06.2026, 11.00 बजे, संविदा की अवधिः 12 माह।

उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखे।

उप मुख्य यात्रिक इंजी. / कार्य, यांत्रिक मुजाधि / यांत्रिक–31 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरि. मंडल बिजली इंजीनियर / सामान्य, उ.प. रेलवे बीकानेर, भारत के राष्ट्रपति के वास्ते व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित करते है। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट का पता : http://www.ireps.gov.in 2. ई–निविदाएं बंद होने की तिथि व समय :** 18.06.2026 को 15.00 बजे तक **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समय :** 18.06.2026 को 15.00 बजे के बाद **निविदा सं:** 05–इलेक्ट / बीकेएन / ई–निविदा–26-27 **कार्य का विवरण :** Electrical work in c/w Raising of Medium Level PF No. 1 at Gajner & Nal and PF No. 1 & 2 at Diyatra Road and PF No. 1 at Sahuwala Halt from Rail Level to High Level stations over Bikaner Division along with extension to 480 Mtrs. **अनुमानित लागतः** ₹ 60,99,273/- **धरोहर रूपये :** ₹ 1,22,000/- **निविदा दस्तावेज लागत :** Nil **802-CQ/26**

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. 2026-मई-03 **दिनांकः 29.05.2026**

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये **''खुली निविदा''** ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.:1 निविदा सं.: 2026-मई-03-01 | **अनुमानित लागत :** ₹ 1,60,00,000.00

कार्य का विवरणः जोन-1 आगरा कैंट-आगरा कैंट के उत्तरी क्षेत्र में स्थित सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)**।

क्र.सं.:2 निविदा सं.: 2026-मई-03-02 | **अनुमानित लागत :** ₹ 95,00,000.00

कार्य का विवरणः जोन-2 ईदगाह-आगरा कैंट (छोड़कर) से टूण्डला (छोड़कर), राजा की मंडी (छोड़कर) से यमुना ब्रिज के सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)**।

क्र.सं.:3 निविदा सं.: 2026-मई-03-03 | **अनुमानित लागत :** ₹ 1,60,00,000.00

कार्य का विवरणः जोन-8 आगरा कैंट-आगरा कैंट के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)**।

क्र.सं.:4 निविदा सं.: 2026-मई-03-04 | **अनुमानित लागत :** ₹ 70,00,000.00

कार्य का विवरणः जोन-9 आगरा कैंट- (छोड़कर) से वाद (छोड़कर) खंड के बीच सभी सेवा भवनों और क्वार्टरों आदि की मरम्मत का वर्ष 2026-27 के लिए कार्य **(दिनांक 01.07.2026 से 30.06.2027 तक)**।

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट www.ireps.gov.in पर देखें। निविदायें केवल बेवपोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक 19.06.26 को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा कसती है। **1226/26 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियंता (टीएमसी) लाइन झाँसी निम्नलिखित कार्य के आन लाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई-निविदा सूचना सं. : झाँसी-टीएमसी-05-2026 | **अनुमानित लागत (Rs.) : 13875281.38**

कार्य का नाम : वर्क फॉर सप्लाई, असेंबलिंग, कमीशनिंग एण्ड मेंटेनिंग ऑफ न्यू टैम्पिंग बैंक्स फॉर यूनिमैट स्प्लिट हेड 275 एमएफआई ट्रैक मशीन्स विद वारंटी पीरियड।

धरोहर राशि (Rs.) : 277500.00 | **निविदा बन्द होने की तिथि : 26.06.2026**

कार्य समापन अवधि : 06 माह

• निविदा उनके सामने दर्शायी गई तिथि को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदा सूचना का विवरण उपरोक्त कार्यालय के सूचना पटल पर देखा जा सकता है। **1231/26 (AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्याः डिप्टी सी0ई0-झांसी डब्लू-93 **दिनांकः** 01.06.2026

ई टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये उप मुख्य इंजीनियर/कारखाना/झाँसी हेतु आनलाईन ई टेन्डरिंग के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नामः झाँसी (आर0सी0एन0के0/झाँसी)- आर0सी0एन0के0/झाँसी में वर्षा जल संचयन और संबंधित कार्यों का शेष कार्य।

अनुमानित लागत (रूपये): ₹ 11739011.75 (एक करोड़ सत्रह लाख उनतालीस हजार ग्यारह रुपये और पचहत्तर पैसे मात्र)

अमानत राशि (रूपये): ₹ 234800/- | **निविदा प्रपत्र कर मूल्य रूपयेः** कुछ नही

निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 24.06.2026 15:30 बजे

स्वीकृत पत्र जारी समय होने से कार्य समापन/अवधि की तिथिः 09 माह

पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के साईट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1225/26 (A)**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबंधक /कार्य/ झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई- निविदा सूचना संख्या : झाँसी-इन्जी0-सी- 2026-136

कार्य का नाम : सप्लाईंग एण्ड स्टेकिंग ऑफ एसकेवी वेल्डिंग पोर्शन फॉर 60केजी 90यूटीएस / 60 केजी/ 60 ईआई आर-260 रेल्स विथ कम्पलीट एक्सेसरीज अंडर डीईएन/सेंट्रल/ झाँसी जूरिडिक्शन।

अनुमानित लागत रू.: 21145059.48 | **अमानत राशि : 422900.00**

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 24 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 25/06/2026 at 15:00 hrs., • निविदा दिनांक 25/06/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1239/26 (ADM)**

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. JHS-N-GSU-09-26 दिनांक- 28.05.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झाँसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-GSU-09-26

कार्य का नामः ईआई ऑल्टरेशन एंड अदर एस एंड टी वर्क फॉर कंस्ट्रक्शन ऑफ़ आरओबीस इन ल्यू ऑफ़ लेवल क्रॉसिंग नम्बर 315 एट किमी.993/30-32, 335 एट किमी. 1058/30-32 एण्ड 357 एट किमी.1103/34-36 इन बिटवीन बीना-झाँसी सेक्शन ऑफ झाँसी डिविजन।

कार्य लागत लगभगः ₹ 11998678.97 | **धरोहर राशिः** ₹ 240000.00

निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil | **निविदा खुलने की तिथिः 19.06.2026** Time **15.00**

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह

• निविदा दिनांक **19.06.2026** को **15.00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in (JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAL RLY)** पर देखें। **1238/26 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

संपादकीय

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब का जनमत, राज्य में उभरी नई राजनीतिक दिशा

पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी ने प्रतिद्वंद्वी दलों पर स्पष्ट बढ़त बनाते हुए अपनी मजबूत राजनीतिक मौजूदगी दर्ज कराई है। नगर निगमों और वार्डों में मिली सफलता को पार्टी अपनी सरकार के कामकाज पर जनता की मुहर मान रही है। पंजाब में स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों में जो तस्वीर उभरी है, वह आम आदमी पार्टी (आप) की स्पष्ट कामयाबी को दर्शाती है। अगर इसे जनता के रुख के तौर पर देखा जाए, तो यह अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के नतीजों का भी संकेत हो सकती है। हालांकि राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार है और फिलहाल कोई बड़ा असंतोष वहां प्रत्यक्ष देखने में नहीं आ रहा है, इसलिए स्थानीय निकायों के नतीजों में अगर उसने शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को बाकी दलों के मुकाबले काफी मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित किया है, तो यह अप्रत्याशित नहीं है।दरअसल, पंजाब के शहरी क्षेत्रों में आप ने अपनी व्यापक पहुंच और मजबूत जनाधार बनाया है। अब इन चुनावों में पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया और आठ नगर निगमों में से पांच पर जीत हासिल की। कहा जा सकता है कि इन इलाकों में सरकार के कामकाज को ज्यादातर मतदाताओं ने अपना समर्थन दिया। वहीं कांग्रेस और भाजपा को भी जितनी सीटें मिलीं, उससे फिलहाल उनकी राजनीतिक जमीन बची होने के संकेत मिलते हैं।गौरतलब है कि पंजाब में नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों सहित कुल 104 स्थानीय निकायों के 1,977 वार्डों के लिए हुए मतदान के नतीजों में आप के 958 उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। वहीं 397 वार्डों पर जीत के साथ कांग्रेस की भी संतोषजनक उपस्थिति बनी रही। जबकि शिरोमणि अकाली दल ने 191 और भाजपा ने 172 वार्डों पर जीत हासिल की।जाहिर है, अपने प्रतिद्वंद्वी दलों के मुकाबले आप ने काफी बड़े अंतर से अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। पिछले स्थानीय निकाय चुनावों से तुलना करें, तो तस्वीर में बड़ा फेरबदल हुआ है और आप ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। स्वाभाविक ही आम आदमी पार्टी इसे राज्य में अपनी सरकार के कामकाज और विकास कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है।इसी के मद्देनजर पार्टी को लगता है कि अगले वर्ष विधानसभा चुनाव में उसके सामने कोई मजबूत चुनौती नहीं है। मगर यह देखने की बात होगी कि स्थानीय निकायों में उभरे नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर कितना पड़ता है। स्थानीय चुनाव अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों और स्थानीय नेतृत्व से प्रभावित होते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में मतदाता राज्य सरकार के समग्र प्रदर्शन, राजनीतिक गठबंधनों और व्यापक जनहित के मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। इसलिए निकाय चुनावों के नतीजों को विधानसभा चुनाव का अंतिम संकेत मानना जल्दबाजी होगी।

क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता कोरा बुलबुला है या वास्तविक चुनौती?

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ ऐसी क्रांतियां हुई हैं जिन्होंने जीवन की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया। कृषि क्रांति ने मनुष्य को स्थायित्व दिया, औद्योगिक क्रांति ने उत्पादन और श्रम की परिभाषा बदली, सूचना क्रांति ने ज्ञान और संचार की सीमाएं समाप्त कर दीं। अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई की क्रांति मानव इतिहास के एक नए मोड़ पर खड़ी है। यह केवल एक तकनीकी परिवर्तन नहीं है, बल्कि मनुष्य की बुद्धि, निर्णय क्षमता, रोजगार, सामाजिक संरचना, शासन व्यवस्था और यहां तक कि उसके अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा प्रश्न बन चुकी है। यही कारण है कि आज विश्वभर में यह बहस तेज हो रही है कि क्या एआई मानव जीवन के लिए वरदान सिद्ध होगी या वह धीरे-धीरे मनुष्य के महत्व को ही चुनौती देने लगेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल मशीनों को चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उन कार्यों को भी करने लगी है जिन्हें लंबे समय तक केवल मनुष्य की विशिष्ट क्षमता माना जाता था। लेखन, चित्र निर्माण, संगीत रचना, रोगों का निदान, न्यायिक विश्लेषण, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रशासनिक निर्णय जैसे क्षेत्रों में इसकी बढ़ती उपस्थिति ने अनेक नए प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि मशीनें सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगेंगी तो मनुष्य की विशिष्टता क्या रह जाएगी? यह प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक भी है। मानव अस्मिता का आधार उसकी चेतना, संवेदना, रचनात्मकता और नैतिक विवेक है। एआई के पास विशाल सूचनाओं का भंडार और तीव्र गणनात्मक क्षमता अवश्य है, लेकिन उसके पास अनुभवजन्य चेतना, करुणा, आत्मबोध और मूल्यबोध नहीं है। फिर भी जब मशीनें कविता लिखती हैं, चित्र बनाती हैं और संवाद करती हैं, तब यह भ्रम उत्पन्न होने लगता है कि वे मनुष्य का स्थान ले सकती हैं। वास्तव में चुनौती यह नहीं है कि मशीनें मनुष्य बन जाएंगी, बल्कि यह है कि कहीं मनुष्य स्वयं मशीनों की तरह व्यवहार करने न लगे। यदि जीवन का प्रत्येक निर्णय गणनात्मक दक्षता और आंकड़ों के आधार पर होने लगे, तो मानवीय संवेदनाएं और नैतिक मूल्य हाशिये पर जा सकते हैं। इसी संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उभरता है कि क्या भविष्य में एक नई मानव संरचना का निर्माण होगा? विश्व के अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी चिंतक यह मानते हैं कि आने वाले दशकों में जैविक मनुष्य और डिजिटल तकनीक के बीच की दूरी लगातार कम होगी। मस्तिष्क और कंप्यूटर के प्रत्यक्ष संपर्क, कृत्रिम अंगों, स्मृति-विस्तार तकनीकों और जैव-तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से एक ऐसे युग की कल्पना की जा रही है जहां मनुष्य और मशीन का सम्मिलित स्वरूप विकसित हो सकता है। यह संभावना

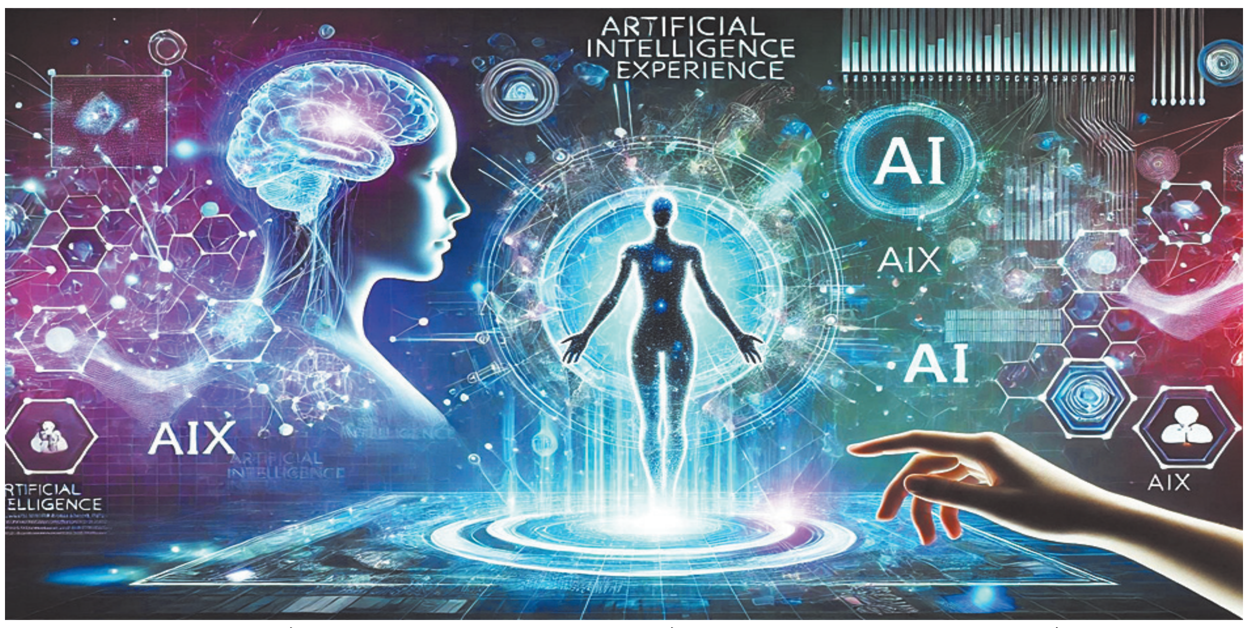

जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उतनी ही चिंताजनक भी है। यदि तकनीकी रूप से उन्नत मनुष्य और सामान्य मनुष्य के बीच गहरी खाई बन गई तो सामाजिक असमानता का एक नया रूप सामने आ सकता है। एआई के बढ़ते प्रभाव के साथ रोजगार और अर्थव्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित और दोहराव वाले कार्य मशीनों द्वारा किए जाने लगे हैं। इससे यह आशंका उत्पन्न हुई कि बड़ी संख्या में रोजगार समाप्त हो जाएंगे। विश्व की कई बड़ी तकनीकी कंपनियों ने लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के नाम पर कर्मचारियों की संख्या घटाई है। किंतु हाल के अनुभव यह भी बताते हैं कि एआई मानव श्रम का पूर्ण विकल्प नहीं बन सकी है। जटिल निर्णय, नवाचार, मानवीय संबंधों का प्रबंधन और परिस्थितिजन्य विवेक जैसे क्षेत्रों में मनुष्य की भूमिका अभी भी केंद्रीय बनी हुई है। यहीं पर वैश्विक शोध संस्था गार्टनर की हालिया रिपोर्ट विशेष महत्व रखती है। गार्टनर ने अपनी नवीनतम विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में संकेत दिया है कि एआई अब अत्यधिक अपेक्षाओं के शिखर से आगे बढ़कर मोहभंग के चरण में प्रवेश कर रही है। अनेक कंपनियों ने इससे तत्काल आर्थिक लाभ और उत्पादकता में चमत्कारी वृद्धि की उम्मीद की थी, लेकिन वास्तविक परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं मिले। परियोजनाओं की ऊंची लागत, आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, गलत या भ्रामक उत्तर देने की प्रवृत्ति और स्पष्ट उपयोगिता सिद्ध न कर पाने जैसी समस्याएं सामने आई हैं। रिपोर्ट में यह आशंका भी व्यक्त की गई है कि लगभग एक-तिहाई परियोजनाएं प्रारंभिक चरण के बाद बंद हो सकती हैं क्योंकि वे अपने निवेश के अनुरूप परिणाम देने में असफल रही हैं। यह निष्कर्ष इस धारणा को चुनौती देता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता तत्काल सभी समस्याओं का समाधान बन जाएगी। हालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि एआई एक अस्थायी बुलबुला है जो शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा। इतिहास बताता है कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति के प्रारंभिक चरण में उत्साह और अतिशयोक्ति दोनों मौजूद रहते हैं। बाद में वास्तविक उपयोगिता के आधार पर उसका संतुलित विकास होता है। इंटरनेट के साथ भी यही हुआ था। प्रारंभिक उत्साह के बाद अनेक कंपनियां समाप्त हो गईं, लेकिन इंटरनेट स्वयं विश्व व्यवस्था का आधार बन गया। एआई के साथ भी कुछ ऐसा ही होने की संभावना है। अतः इसका अतिशयोक्तिपूर्ण महिमामंडन भी उचित नहीं है और इसके शीघ्र समाप्त हो जाने की कल्पना भी यथार्थवादी नहीं है। व्यापार जगत में एआई की भूमिका निरंतर बढ़ेगी। उत्पादन, विपणन, ग्राहक सेवा, वित्तीय विश्लेषण और आपूर्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका व्यापक उपयोग होगा। इससे कार्यों की गति और दक्षता बढ़ेगी, किंतु साथ ही कार्यबल के स्वरूप में परिवर्तन आएगा। भविष्य में केवल तकनीकी ज्ञान पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि समस्या समाधान, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और भावनात्मक समझ जैसे गुण अधिक महत्वपूर्ण बनेंगे। इसलिए शिक्षा और कौशल विकास की पूरी व्यवस्था को नए सिरे से तैयार करना होगा। प्रशासनिक क्षेत्र में भी एआई शासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने की क्षमता रखती है। नीतिगत विश्लेषण, संसाधनों का वितरण, स्वास्थ्य और शिक्षा योजनाओं का संचालन तथा आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग लाभकारी हो सकता है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है। यदि नागरिकों के व्यक्तिगत आंकड़ों का अत्यधिक संग्रह और विश्लेषण होने लगे तो निजता और स्वतंत्रता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए तकनीकी दक्षता और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होगा। सैन्य क्षेत्र में एआई का प्रयोग सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है। स्वायत्त हथियार प्रणालियां, मानव रहित युद्धक उपकरण और लक्ष्य चयन करने वाली मशीनें युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल सकती हैं। यदि किसी मशीन को जीवन और मृत्यु का निर्णय करने की शक्ति मिल जाए तो नैतिक और मानवीय प्रश्न अत्यंत गंभीर हो जाएंगे। इसलिए विश्व स्तर पर ऐसी तकनीकों के नियमन और नियंत्रण की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है। इन सबके बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि मानव जीवन सुरक्षित, संतुलित और सार्थक कैसे बना रहे? इसका उत्तर तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके विवेकपूर्ण उपयोग में निहित है।

एआई को मानव जीवन का स्वामी नहीं, सहायक बनाना होगा। शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों को अधिक महत्व देना होगा। मनुष्य की भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहानुभूति और आध्यात्मिक चेतना ही वे क्षेत्र हैं जिन्हें कोई मशीन प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। साथ ही, वैश्विक स्तर पर ऐसे नियमों और नीतियों की आवश्यकता है जो एआई के विकास को मानव कल्याण की दिशा में नियंत्रित करें। यदि यह तकनीक केवल कुछ शक्तिशाली कंपनियों या राष्ट्रों के हितों तक सीमित रह गई तो असमानता और संघर्ष बढ़ सकते हैं।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

विश्व साइकिल दिवस, 3 जून 2026 पर विशेष :

-: ललित गर्ग :-

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' (Cycling for a Greener Future) अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है, तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है, बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल, डीजल या बिजली के चलता है, न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं, लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है, रक्त संचार बेहतर होता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता, इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह, मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं, मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव, चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है, तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है। पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बड़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें, तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब, दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है, दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी, लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा

भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिर्माताओं तक पर दिखाई देता है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब, इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज़ के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है—क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है।

हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है—विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं।

एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं। विशाल होर्डिंग, लगातार विज्ञापन, सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए, न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण।

हिंदी माध्यम और अंग्रेज़ी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेज़ी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णतः सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है, जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालयी शिक्षा इतनी मजबूत हो कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी तैयारी वहीं से संभव हो सके, तो कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता स्वतः कम हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यालयी शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं, किंतु इन सुधारों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देने में समय लगेगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली में भी ऐसी पारदर्शिता और संतुलन होना चाहिए कि विद्यालयी अध्ययन और परीक्षा की अपेक्षाओं के बीच अनावश्यक अंतर न रहे।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि कोचिंग सफलता का एक साधन हो सकती है, लेकिन सफलता की एकमात्र शर्त नहीं। किसी भी संस्थान या शिक्षक के दावों को बिना जांचे-परखे स्वीकार करना उचित नहीं है। विज्ञापन और वास्तविक परिणामों के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि, क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, उनकी मेहनत का विकल्प नहीं बन सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ज्ञान प्राप्ति के उत्कृष्ट साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। लोकप्रियता और गुणवत्ता हमेशा एक ही चीज़ नहीं होतीं। किसी शिक्षक या संस्थान का चयन उसके प्रचार के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक उपयोगिता, विषय विशेषज्ञता और विद्यार्थियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के आधार पर होना चाहिए। अंततः प्रश्न किसी एक पत्रकार, एक यूट्यूबर शिक्षक या किसी विशेष संस्थान का नहीं है। वास्तविक मुद्दा शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण और उस मानसिकता का है जिसमें सफलता को एक उत्पाद की तरह बेचा जाने लगा है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को सोचने, समझने और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने का है।

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ जा रहे तीर्थयात्रियों का वाहन अनियंत्रित होकर पलटा, चीख-पुकार मचते ही मदद के लिए दौड़े लोग

देहरादून, एजेंसी। दस तीर्थयात्रियों को लेकर जा रहा वाहन ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर दुर्घटग्रस्त हो गया। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। स्थानीय तुरंत यात्रियों को बचाने के लिए दौड़े। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तीन धारा के पास एक बड़ा हादसा होने से टल गया। यहां यात्रियों से भरा एक टेम्पो ट्रैवलर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। वाहन में कुल दस लोग सवार थे, जिससे घटना स्थल पर चीख-पुकार मच गई। दुर्घटना की आवाज सुनते ही स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े और उन्होंने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन में फंसे सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दो यात्रियों को चोटें आई हैं। मामले की जानकारी देते हुए चौकी प्रभारी दीपक लिंगवाल ने बताया कि चालक द्वारा सड़क किनारे गिरे पत्थर पर वाहन चढ़ाने के कारण गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चिंतन गोयल (45 वर्ष) निवासी कांदिवली मुंबई और ललिता साठे (42 वर्ष) निवासी ठाणे मुंबई घायल है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल यात्रियों को तुरंत नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागी भिजवाया। डॉक्टरों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है और उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को सड़क से किनारे करवाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को पूरी तरह सुचारू रूप से बहाल किया।

बुजुर्ग को लोहे की रॉड और बेसबॉल के डंडे से पीटा, अधमरा कर फेंका, फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। बुजुर्ग को लोहे की रॉड और बेसबॉल के डंडे से पीटकर अधमरा कर दिया गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहा था। आखिरकार बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़ गया। हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 20 हजार रुपये के इनामी हिमांशु डंगवाल को नेहरू कॉलोनी पुलिस ने आईएसबीटी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त बेसबॉल का डंडा भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार एकता विहार, अजबपुर खुर्द निवासी कीर्ति मौर्य ने थाना नेहरू कॉलोनी में तहरीर देकर बताया था कि 19 मई की रात हिमांशु डंगवाल और उसके साथियों ने उनके पिता सुशील मौर्य पर लोहे की रॉड और बेसबॉल के डंडे से हमला कर दिया था। आरोप है कि हमलावरों ने सुशील मौर्य के सिर पर कई वार किए और उन्हें गंभीर रूप से घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। घायल को उपचार के लिए जौलीग्रांट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर होने पर आईसीयू में रखा गया। बेटे की शिकायत पर नेहरू कॉलोनी थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर एसएसपी ने उस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और सुरागरसी-पतारसी के आधार पर शनिवार देर रात आईएसबीटी क्षेत्र से आरोपी हिमांशु डंगवाल उर्फ मिंटू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि घटना के बाद से वह लगातार छिपता फिर रहा था।

डाक विभाग ने शुरू की दो नई सेवाएं, 35 किलो के पैकेट भी डाक से देश के किसी भी कोने में भेज सकेंगे

देहरादून, एजेंसी। डाक से अब 35 किलो के पैकेट भी देश के किसी भी कोने में भेजे जा सकेंगे। स्पीड पोस्ट और इंडिया पोस्ट पार्सल सेवा के माध्यम से सामान भेजा सकेगा। भारतीय डाक विभाग, पौड़ी पोस्टल डिवीजन की ओर से आम जनता की सुविधा को देखते हुए दो नई पार्सल सेवाएं शुरू की गई हैं। इन सेवाओं के माध्यम से अब लोग देश के किसी भी हिस्से में 35 किलो तक के भार का सामान जल्दी और सुरक्षित तरीके से भेज सकेंगे। डाक विभाग की ओर से स्पीड पोस्ट पार्सल सेवा के साथ ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं सरल बुकिंग सुविधा को भी प्रभावी रूप से लागू किया गया है। श्रीनगर में शिक्षा का केंद्र होने के चलते डाक विभाग विद्यार्थियों की सुविधा के लिए इस सेवा को अहम मान रहा है। डाक निरीक्षक श्रीनगर रूपेश मलियाल ने बताया कि भारतीय डाक विभाग लगातार अपनी सेवाओं को आधुनिक और जनहितकारी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। नई स्पीड पोस्ट पार्सल सेवा के अंतर्गत कम शुल्क पर 500 ग्राम से लेकर 35 किलो तक का पार्सल देशभर में भेजा जा सकता है। सेवा में तेज डिलीवरी, ऑनलाइन ट्रैकिंग और सुरक्षित परिवहन जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे व्यापारियों, विद्यार्थियों, सरकारी संस्थानों और आम नागरिकों को बड़ा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि डाक विभाग का व्यापक नेटवर्क दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक भी लोगों को बेहतर सेवा प्रदान कर रहा है। पोस्ट मास्टर श्रीनगर संजय कुमार ने बताया कि इंडिया पोस्ट पार्सल सर्विस और स्पीड पोस्ट पार्सल सेवा के तहत ग्राहकों की सुविधा के लिए पार्सल बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। अब ग्राहक अपने नजदीकी डाकघर में जाकर आसानी से पार्सल बुक करा सकते हैं तथा ऑनलाइन माध्यम से उसकी स्थिति भी देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा 'कहीं भी, कभी भी बुकिंग' की सुविधा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भारतीय डाक विभाग कम लागत में अधिक भरोसेमंद सेवा प्रदान कर रहा है, इसलिए अधिक से अधिक लोग इन नई सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। भार के अनुसार शुल्क निर्धारित किए गए हैं और 35 किलो तक के पैकेट इस सेवा के माध्यम से भेजे जा सकते हैं।

अब कर्मचारियों और अधिकारियों को बीमारी का बहाना पड़ेगा भारी, झेलनी होगी जांच

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में तबादला सत्र शुरू होते ही विभिन्न विभागों में स्थानांतरण को लेकर कर्मचारियों और अधिकारियों की ओर से तमाम तरह के अनुरोध सामने आने लगते हैं. राज्य में ट्रांसफर पॉलिसी लागू होने के बावजूद हर साल कई ऐसे मामले सामने आते हैं, जिनमें कर्मचारी दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती से बचने या अपनी पसंदीदा जगह पर तबादला कराने के लिए अलग-अलग आधार प्रस्तुत करते हैं. इनमें सबसे अधिक इस्तेमाल स्वास्थ्य संबंधी कारणों का किया जाता है. अब स्वास्थ्य विभाग ने ऐसे मामलों पर सख्त रुख अपनाने का फैसला किया है.

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि गंभीर बीमारी का हवाला देकर तबादला कराने की कोशिश करने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों की अब गहन जांच कराई जाएगी. यदि जांच में बीमारी सही पाई जाती है तो उसके अनुसार कार्रवाई होगी, लेकिन यदि कोई व्यक्ति झूठे दस्तावेजों या गलत जानकारी के आधार पर तबादला कराने का प्रयास कराता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई तक की जा सकती है. दरअसल राज्य में लंबे समय से यह शिकायत सामने आती रही है कि कई कर्मचारी और अधिकारी दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती से बचने के लिए स्वास्थ्य संबंधी कारणों का सहारा लेते हैं.

कई बार ऐसे आवेदन विभागीय अधिकारियों और मंत्रियों तक पहुंचते हैं, जिनमें आवेदक खुद को अनेक गंभीर बीमारियों से पीड़ित बताते हैं. इन आवेदनों को देखकर कई बार विभागीय अधिकारी भी हैरान रह जाते हैं कि यदि संबंधित कर्मचारी वास्तव में इतनी गंभीर बीमारियों से ग्रसित है तो वह नियमित रूप से अपनी सेवाएं कैसे दे रहा है. स्वास्थ्य विभाग में भी इसी तरह के मामलों की संख्या लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है. विभाग को ऐसे आवेदन प्राप्त हो रहे हैं, जिनमें चिकित्सक और अन्य कर्मचारी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देकर स्थानांतरण की मांग कर रहे हैं.

इन परिस्थितियों को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब किसी भी आवेदन पर केवल कागजी दावों के आधार पर निर्णय नहीं लिया जाएगा. स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि कई बार कर्मचारियों की ओर से ऐसे मेडिकल दस्तावेज लगाए जाते हैं, जिनकी सत्यता पर सवाल खड़े होते हैं. ऐसे मामलों में निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच जरूरी है. इसी उद्देश्य से अब मेडिकल बोर्ड की व्यवस्था लागू की जाएगी. यदि कोई चिकित्सक या कर्मचारी गंभीर बीमारी का हवाला देकर तबादले की मांग करता है तो पहले उसकी मेडिकल बोर्ड से जांच कराई जाएगी.

यदि कोई कर्मचारी खुद यह दावा कर रहा है कि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित है और उसी आधार पर स्थानांतरण चाहता है, तो उसकी कार्यक्षमता का आकलन भी आवश्यक है. ऐसे में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी. वहीं दूसरी ओर सरकार ने उन लोगों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी है जो झूठी जानकारी देकर लाभ लेने का प्रयास करते हैं. स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि जांच के दौरान यह पाया जाता है कि कर्मचारी या चिकित्सक ने गलत मेडिकल प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है अथवा बीमारी के संबंध में भ्रामक जानकारी दी है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

ऐसे मामलों में फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने और गलत जानकारी देने के आरोप में मुकदमा भी दर्ज कराया जा सकता है. सरकार का यह कदम स्वास्थ्य विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. लंबे समय से यह आरोप लगते रहे हैं कि कुछ कर्मचारी तबादला नीति के प्रावधानों का दुरुपयोग कर अपने हितों के अनुसार पोस्टिंग हासिल करने की कोशिश करते हैं. इससे न केवल विभागीय व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है.उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है.

सरकार लगातार इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है. ऐसे में यदि कर्मचारी स्वास्थ्य संबंधी बहाने बनाकर इन क्षेत्रों से स्थानांतरण प्राप्त कर लेते हैं तो इसका सीधा असर आम जनता को मिलने वाली चिकित्सा सुविधाओं पर पड़ता है. इसी को ध्यान में रखते हुए अब स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट संदेश दिया है कि तबादला प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रामक जानकारी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उत्तराखंड के तमाम विभागों में चयनित 276 अभ्यर्थियों को सीएम ने सौंपा नियुक्ति पत्र, नौकरी पाकर हुए खुश

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में तमाम विभागों में चयनित 276 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नियुक्ति पत्र सौंपा. जिसमें वन विभाग के 109, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के 88, प्राविधिक शिक्षा विभाग के 65 एवं नगर और ग्राम नियोजन विभाग में चयनित 14 अभ्यर्थी शामिल रहे.

276 अभ्यर्थियों को सौंपा गया नियुक्ति पत्रः दरअसल, 1 जून को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय के मुख्यसेवक सदन में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन हुआ. जहां नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग और वन विभाग के तहत चयनित कुल 276 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया.

सीएम धामी ने कही ये बातः इस दौरान सीएम धामी ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनसेवा के नए दायित्व की शुरुआत है. सालों के परिश्रम, अनुशासन, संघर्ष और धैर्य के बाद युवाओं को यह सफलता प्राप्त हुई है, जो उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और समर्पण का प्रमाण है.

राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह से पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. नकल माफियाओं और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है.

सीएम धामी ने कहा कि कि पिछले साढ़े चार सालों में करीब 33 हजार युवाओं को पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर सरकारी सेवाओं से जोड़ने का काम किया गया है. कार्मिकों से अपेक्षा है कि वे अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे.

व्यवस्था में जब योग्य और कर्मठ युवा आगे आते हैं, तब विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है. तमाम विभागों में चयनित युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के कार्मिक प्रदेश के सुनियोजित विकास में योगदान देंगे.

प्राविधिक शिक्षा विभाग से जुड़े युवा तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देंगे,. महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के कार्मिक मातृ एवं बाल कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण कामों का निर्वहन करेंगे और वन विभाग में चयनित युवा राज्य की वन संपदा एवं जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है.

राज्य सरकार भी विकसित उत्तराखंड के संकल्प के साथ लगातार काम कर रही है. उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं।

छह साल के मयंक ने दिखाई हिम्मत, मां समेत दो लोगों की ऐसे बचाई जान

देहरादून, एजेंसी। लोहाजंग सड़क पर ल्वाणी के पास एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। इसमें बांक गांव के एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक छह वर्षीय बच्चा समेत तीन अन्य घायल हो गए। लेकिन बच्चे ने हार नहीं मानी और अपनी मां की जान बचाई। चमोली में देवाल विकासखंड के ल्वाणी के समीप हुई कार दुर्घटना से पूरा क्षेत्र सदमे है। लेकिन इस घटना में घायल हुए छह वर्षीय मयंक के साहस की हर कोई सराहना कर रहा है। खुद घायल होने के बावजूद मयंक ने घटनास्थल पर मां को खोजा, मां के पास आया और संभाला, मां का गला सूखने पर जंगली फल हिसोल खिलाई और मां को राहत दी। इसके बाद अपनी मां के फोन से पिता को फोन किया और घटना की जानकारी दी। इसके बाद ही रेस्क्यू शुरू हो पाया। दुर्घटनाग्रस्त कार में तीन मृतकों के अलावा छह वर्षीय मयंक अपनी मां कविता और परिवार के अन्य युवती रोशनी के साथ था। दुर्घटना के समय मयंक, रोशनी व उसकी मां कविता गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मां गंभीर रूप से घायल थी।

लेकिन मयंक ने हिम्मत नहीं हारी, वह रोने या डरने के बजाय तुरंत मां के पास पहुंचा। गंभीर चोट व खून बहने से मां का मुंह सूख रहा था। मां को कुछ राहत मिले, उसने पास की झाड़ी से हिसोल निकालकर अपनी मां को खिलाया। दुर्घटना के बाद भी घायल मयंक ने मोबाइल नहीं छोड़ा। घायल अवस्था में ही वह अपनी मां कविता के पास गया। अपने पापा को फोन कर उसने घटना की जानकारी दी। फोन से उसकी मां ने भी घटनास्थल व आसपास के दृश्य के बारे में बताया।

देहरादून अजय भटेजा हत्याकांडः शार्प शूटर जैकी पुलिस रिमांड पर, डीवीआर बरामदगी का प्रयास

देहरादून, एजेंसी। एक वर्ष पूर्व राजपुर में हुई कारोबारी अजय भटेजा की हत्या के मामले में पुलिस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात शार्प शूटर राजन उर्फ जैकी को दो दिन का पुलिस कस्टडी रिमांड (पीसीआर) लिया है। रिमांड के दौरान घटना से संबंधित डीवीआर व अन्य दस्तावेजों की पुलिस बरामदगी करेगी।

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल ने बताया कि 26 मई 2025 को जतिन कुमार निवासी जीएमएस रोड देहरादून ने राजपुर थाने में तहरीर दी कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके सौतेले भाई अजय भटेजा के निवास स्थान कृष्णा विहार जाखन देहरादून में उनकी हत्या कर दी है। तहरीर के आधार पर थाना राजपुर में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस टीम ने मोबाइल सर्विलांस व सीसीटीवी कैमरों की सहायता से घटना में शामिल आरोपित राजन उर्फ जैकी व उसकी प्रेमिका हुमेरा उर्फ जोया को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पूछताछ में आरोपितों ने अजय भटेजा की हत्या के बाद घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर व अन्य दस्तावेजों को अपने साथ ले जाने की जानकारी दी।

गिरफ्तार आरोपितों से घटना से संबंधित डीवीआर, दस्तावेज व अन्य सामग्री की बरामदगी के लिए विवेचक की ओर से न्यायालय में मुख्य आरोपित जैकी के पीसीआर लेने केनलिए आवेदन दिया गया था।

न्यायालय ने पुलिस को राजन उर्फ जैकी का रविवार से दो दिन का पुलिस कस्टडी रिमांड स्वीकृत किया गया।

जिला प्रशासन का एक्शन, अवैध मजार पर चला बुलडोजर, अतिक्रमण मुक्त हुई सरकारी जमीन

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत देहरादून जिले में एक और बड़ी कार्रवाई की गई. जिला प्रशासन ने विकासनगर परगना क्षेत्र के शीशम बाड़ा इलाके में सरकारी भूमि पर निर्मित अवैध मजार को ध्वस्त कर दिया. प्रशासन की इस कार्रवाई को राज्य सरकार के अतिक्रमण हटाओ अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है.

अधिकारियों के अनुसार संबंधित भूमि पर अवैध रूप से संरचना खड़ी की गई थी, जिसके संबंध में लंबे समय से स्थानीय स्तर पर शिकायतें प्राप्त हो रही थीं. बताया जा रहा है कि शिमला बाईपास मार्ग के निकट स्थित इस अवैध निर्माण को लेकर क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन को कई बार ज्ञापन और शिकायत पत्र सौंपे थे. शिकायतों के आधार पर प्रशासन ने मामले की जांच कराई और पाया कि संबंधित संरचना सरकारी भूमि पर मौजूद है. इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए लगभग दो सप्ताह पूर्व स्थल पर नोटिस चस्पा किया गया था.

नोटिस के माध्यम से संबंधित पक्षों को भूमि स्वामित्व एवं निर्माण से जुड़े वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए विकासनगर एसडीएम कार्यालय में उपस्थित होने का अवसर भी दिया गया था. प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद कार्रवाई की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया गया.

मंगलवार को प्रशासनिक टीम राजस्व विभाग और पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर के जरिए अवैध संरचना को हटाया गया. कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त रखी गई, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो.

विकासनगर के उपजिलाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी आशीष चौहान की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठकों में सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों को चिन्हित कर उन्हें हटाने के निर्देश दिए गए थे. उसी क्रम में शीशम बाड़ा क्षेत्र में स्थित इस अवैध संरचना के विरुद्ध कार्रवाई की गई है.

उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराना और भूमि अभिलेखों के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखना है. गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार पिछले कुछ समय से सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों और अतिक्रमणों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक प्रदेशभर में 588 से अधिक अवैध मजारों और अन्य अवैध संरचनाओं को सरकारी भूमि से हटाया जा चुका है।

बदलावों के दौर से गुजर रही उत्तराखंड भाजपा

देहरादून, एजेंसी। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तराखंड में बीजेपी में बदलाव दिखने शुरू हो गये हैं. पॉलिटिकल गलियारों में भी इसे लेकर सियासी बहस छिड़ी हुई है. कोई इसे बीजेपी की नेक्सट लेवल प्लानिंग बता रहा है तो कोई इसे बीजेपी की घबराहट के बाद उठाये जा रहे एहतियाती कदम बता रहा है. बात कुछ भी हो मगर उत्तराखंड में बीजेपी की कई नई तस्वीरें तस्दीक कर रही हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का देहरादून दौरा केवल औपचारिक नहीं था.

उत्तराखंड में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. केंद्र से लेकर राज्यों तक भाजपा ने संगठन को हाल ही में रिवाइव किया है. भाजपा ने एक युवा नेता नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान थमाई. राष्ट्रिय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार नितिन नवीन उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे. वे 28 से 30 मई तक देहरादून में रुके. इन तीन दिनों में उन्होंने पार्टी की नब्ज़ टटोली. इस बैठक उनके साथ संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी मौजूद रहे. इन तीन दिनों में इन दोनों ने 2027 विधानसभा चुनाव की डीप प्लानिंग की. जिसके लिए कई फैसले लिये गये. उनके ये फैसले धीरे धीरे बीजेपी में बदलाव के रूप में सामने आ रहे हैं.

कमजोर सीटों पर फोकस, सांसदों को जिम्मेदारीः केंद्रीय नेतृत्व के इस प्रवास में विधायकों और सांसदों की बैठकों में सबसे ज्यादा चर्चा उन सीटों पर हुई जहां पर पार्टी पिछले चुनावों में कमज़ोर थी. पिछले चुनावों परिणामों पर एक नज़र दौड़ाई जाए तो हरिद्वार जिले में सबसे बुरा हाल रहा था. हरिद्वार जिले में कुल 11 विधानसभा सीटें हैं.

जिनमें से 8 सीटों पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा. उधम सिंह नगर में 9 सीटों में से 5 पर चुनाव हारी थी. लोकसभा की दृष्टिकोण से देखें तो हरिद्वार लोकसभा सीट पर 14 विधानसभाएं हैं. जिनमें 8 विधानसभाएं भगवानपुर, झबरेड़ा, ज्वालापुर, मंगलोर, कलियर, खानपुर, लक्सर, हरिद्वार ग्रामीण सीटों पर भाजपा को हार को स्वाद चखना पड़ा.

त्रिवेंद्र और अजय भट्ट को जिम्मेदारीः वहीं, नैनीताल लोकसभा सीट पर भी 14 विधानसभा सीटें में 5 जसपुर, बाजपुर, किच्छा, नानकमत्ता और खटीमा पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा. ऐसे में जब भाजपा अगले चुनाव के लिए दम भर रही है तो इन कमज़ोर सीटों पर जोर दिया जा रहा है.

जिसके लिए दो बड़े सांसदों को जिम्मेदारी दी गई है. हरिद्वार से सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री रहे त्रिवेंद्र रावत और नैनीताल लोकसभा सीट पर सांसद अजय भट्ट को इन हारी हुई सीटों को जीत में तब्दील करने की जिम्मेदारी दी गई है.

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के उत्तराखंड प्रवास से पहले भाजपा में एक अजीब सा माहौल व्याप्त था. कई विधायकों की नाराजगी की चर्चाएं सोशल मीडिया पर तैर रही थी. सबसे चर्चित मुद्दा भाजपा विधायक अरविंद पांडे का रहा. अरविंद पांडे पिछले कुछ महीनों से काफी मुखर हैं. वे लगातार सुर्खियों में हैं.

उनके कारण सरकार भी कई बार असहज नजर आई. पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत और सांसद अनिल बलूनी की अरविंद पांडे से मुलाकात ने गुटाबाजी की बातों को बल दिया, मगर बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष से दौरे से पहले सभी नेता नेता डिनर डिप्लोमेसी करते दिखे. इससे साफ संदेश देने की कोशिश की गई कि भाजपा एकजुट है।

संक्षिप्त समाचार

फुटबॉल खिलाड़ी आलोक निषाद का हुआ जोरदार स्वागत

गोरखपुर , एजेंसी। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की ओर से थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण फुटबॉल प्रदर्शनी मैच के अंडर–17 टीम में बतौर गोलकीपर शहर के आलोक निषाद ने शानदार प्रदर्शन किया। सोमवार को आलोक के गोरखपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। आलोक हैदराबाद से विमान से सोमवार की शाम गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ढोल–नगाड़ों के साथ फूल–माला के साथ एयरपोर्ट के बाहर खड़े थे। एयरपोर्ट से बाहर आने पर आलोक को माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आलोक ने कहा कि भारतीय टीम में शामिल होना गर्व की बात है। यह अनुभव शानदार रहा। कहा कि उनका लक्ष्य है कि अपने प्रदर्शन के दम पर वह भारतीय फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप तक पहुंचाएं। इस दौरान डेविड सीरिल, हमजा खान, कोच संतोष सिंह, क्रीड़ा अधीक्षक अभय सिंह, एनपी गौड़, शंभू नाथ आदि मौजूद रहे।

पोलैंड से लौटे सिंघम से रेलवे स्टेशन के पास लूटी चेन

मेरठ , एजेंसी। पोलैंड से लौटकर तमिलनाडू जा रहे तीरामरन बाल सिंघम रविवार रात नशे की हालत में होने के कारण गलत ट्रेन में चढ़कर मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतर गए। स्टेशन के बाहर आने पर बदमाश उनकी सोने की चेन लूटकर ले गए। रेलवे रोड थाना पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और दूतावास से भी उसके संबंध में जानकारी जुटा रही है।तीरामरन बाल सिंघम रविवार शाम फ्लाइट से दिल्ली उतरे थे। पुलिस का कहना है कि दिल्ली में उसने शराब का सेवन किया। इससे वह नशे में हो गए। रेलवे स्टेशन पहुंचने पर वह तमिलनाडू जाने वाली ट्रेन की जगह मेरठ से गुजरने वाली ट्रेन में बैठ गए। जब उन्हें इसकी जानकारी हुई तो वह मेरठ स्टेशन पर उतर गए। दिल्ली वापस जाने वाली ट्रेन के आने में देर थी तो वह बस आदि का पता करने स्टेशन से बाहर आ गए। तभी दो बदमाश उनकी गले की चेन लूटकर भाग गए। इसके बाद वह मदद के लिए कुछ दूरी पर स्थित आर्मी कॉलोनी में पहुंचे। यहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने इसकी सूचना रेलवे रोड थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस उसे पूछताछ में जुट गई।एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि युवक पोलैंड से आया है। वह नशे की हालत में था। इसके चलते उसके संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। उसकी शिकायत के आधार पर सीसीटीवी फुटेज आदि की जांच की जा रही है।

एलटीटी का बदला प्लेटफॉर्म, पार्सल यान में चढ़ा नहीं पाए और सड़ गई लीची

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर जंक्शन पर प्लेटफॉर्म बदलने से यात्रियों के साथ ही व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 29 मई को नौतनवा–दुर्ग का प्लेटफार्म बदलने के बाद 31 मई को गोरखपुर से एलटीटी तक जाने वाली 20104 सुपरफास्ट का भी प्लेटफार्म बदल दिया। इसके चलते जहां यात्रियों को परेशानी हुई वहीं एक व्यापारी का 70 टन लीची पार्सल यान में लोड नहीं हो पाया और प्लेटफॉर्म पर ही सड़ गया। महाप्रबंधक ने इस मामले में रिपोर्ट तलब की है। गोरखपुर से मुंबई जाने वाली एलटीटी सुपरफास्ट को एक नंबर प्लेटफॉर्म से जाना था लेकिन 25 मिनट पहले ही इस प्लेटफॉर्म छह से जाने की घोषणा की कर दी गई। अचानक प्लेटफॉर्म बदले जाने से एक व्यापारी का 70 टन लीची लोड नहीं हो पाया जबकि इस ट्रेन में पार्सल वैन व्यापारी ने लीज पर ले रखा है। महज कुछ मिनट पहले प्लेटफॉर्म बदल दिए जाने से यात्रियों को भारी असुविधा हुई। इस मामले की शिकायत व्यापारी ने रेल प्रशासन से की है। इस मामले को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने गंभीरता से लिया है और रिपोर्ट तलब की है।

‘ठंडा पड़ा नौतपा, लू का कहर भी थमा’

56 साल में दूसरी बार लुढ़का पारा, आंधी-ओलावृष्टि का अलर्ट

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम में अचानक बदलाव दिखने लगा है। मौसम चक्र आगे-पीछे होने के साथ बीच-बीच में बदलाव भी आ रहा है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के मौसम विभाग में वर्ष 1971 से उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 56 साल में दूसरी बार मई में अधिकतम और न्यूनतम तापमान दोनों औसत से कम रहे हैं।

इस बार मई का अधिकतम औसत तापमान 38.6 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री रहा। इसके पहले वर्ष 2023 में अधिकतम 36.6 डिग्री और न्यूनतम 22.1 डिग्री था। सीएसए के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि मई के महीने का सामान्य औसत तापमान 40.2 डिग्री है और न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री है।

हवा और बूंदाबांदी ने ठंडा किया नौतपा

मौसम के बदलाव ने नौतपा को ठंडा कर दिया। सोमवार को तेज हवाओं और बूंदाबांदी के बाद अधिकतम और न्यूनतम तापमान फिर नीचे आ गए। इसके साथ ही लू चलना बंद हो गई है। एक-दो दिन मौसम इसी तरह बना रहेगा। प्रदेश के एकीकृत मौसम पूर्वानुमान केंद्र ने कानपुर परिक्षेत्र में आंधी, ओलावृष्टि और मध्यम वर्षा का अनुमान जारी किया है।

जलवायु परिवर्तन का असर बहुत धीरे-धीरे आता है

मई की सामान्य औसत बारिश 14.4 मिमी है। इस बार मई में 16.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। यह सामान्य औसत से 2.3 मिमी अधिक है। उन्होंने बताया कि मई 2023 में 23.5 मिमी बारिश हुई थी। यह सामान्य औसत से 9.1 मिमी अधिक थी। तकनीकी अधिकारी ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग से जलवायु परिवर्तन का असर बहुत धीरे-धीरे आता है।

ब्लॉक स्तर पूर्वानुमान जारी करने की व्यवस्था

इससे बारिश की मात्रा कम नहीं होती है। उसका समय आगे-पीछे हो जा रहा है। इसके अलावा लंबी दूरी तक लगातार होने वाली बारिश नहीं होती। अब स्थानीय स्तर पर एक जगह इकट्ठी बारिश हो जाती है। इसे फ्लैश फ्लड कहते हैं। मौसम चक्र में इस बदलाव से ब्लॉक स्तर पूर्वानुमान जारी करने की व्यवस्था बनाई जा रही है, जो जल्द शुरू होगी।

अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान औसत से कम रहे

सीएसए के मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 24 घंटे में अधिकतम तापमान एक डिग्री नीचे आया है। साथ ही न्यूनतम तापमान 0.6 डिग्री गिरकर 22.8 डिग्री पर पहुंच गया। अधिकतम तापमान एक जून के सामान्य औसत से 5.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान चार डिग्री कम रहा है। विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि पांच साल के बाद एक जून को अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री पर आया है।

ओलावृष्टि व मध्यम वर्षा का अनुमान

इसके पहले पहली जून वर्ष 2021 को अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहा था। 24 घंटे में माहौल में नमी भी बढ़ी है। सुबह की नमी छह प्रतिशत बढ़कर 84 पर पहुंच गई। दोपहर को नमी चार प्रतिशत बढ़कर 54 पर पहुंच गई। विभाग के तकनीकी अधिकारी ने बताया कि इस समय अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से हवाएं नमी लेकर आ रही हैं। इन हवाओं के टकराने की वजह से आंधी–तूफान ओलावृष्टि और वर्षा हो रही है। अभी इस तरह का मौसम बने रहने की संभावना है।

दीवानी विवाद लंबित होने से आपराधिक मुकदमा खत्म नहीं हो सकता

लखनऊ, एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि यदि किसी मामले में लगाए गए आरोप प्रथमदृष्टया अपराध का संकेत देते हैं तो केवल इस आधार पर आरोपियों को राहत नहीं दी जा सकती कि पक्षकारों के बीच दीवानी विवाद भी लंबित है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दीवानी और आपराधिक कार्रवाई एक साथ चल सकती हैं।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी आरोपमुक्ति अर्जी खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन बनाम एनईपीसी इंडिया लिमिटेड मामले का हवाला देते हुए कहा कि एक ही घटना से दीवानी और आपराधिक दोनों प्रकार के विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। केवल दीवानी उपचार उपलब्ध होने या उसके उपयोग से आपराधिक कार्यवाही समाप्त नहीं की जा सकती। मुख्य प्रश्न यह है कि शिकायत में आपराधिक अपराध के आवश्यक तत्व मौजूद हैं या नहीं। मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उसके मकान पर जबरन कब्जा कर लिया और सामान निकालकर ले गए। इस संबंध में दीवानी मुकदमा दायर होने पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी पारित हुआ था। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न करने पर अदालत के आदेश से मुकदमा दर्ज हुआ। जांच के बाद नौ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए।

हाईकोर्ट ने पाया कि पांचवें, छठे, आठवें और नौवें आरोपियों के नाम बाद में जोड़े गए हैं, इसलिए उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया। वहीं पहले से चौथे तथा सातवें आरोपी के खिलाफ कब्जा और चोरी के विशिष्ट आरोप पाए जाने पर उनके विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया गया।

अब दस प्रतिशत नहीं महंगी होगी बिजली, आयोग ने बताया गैर कानूनी

लखनऊ, एजेंसी। पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से बिजली बिल में 10 फीसदी ईंधन अधिभार लगाए जाने को उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने गैर कानूनी बताया है। यही नहीं, पूरे मामले में सात दिन के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। जवाब के बाद आयोग अंतिम फैसला सुनाएगा। ऐसे में माना जा रहा है कि अब ईंधन अधिभार के रूप में 10 फीसदी की वसूली नहीं की जा सकेगी।

पॉवर कॉर्पोरेशन ने मार्च माह के ईंधन अधिभार के रूप में 10 फीसदी वसूली का आदेश दिया था। ऐसे में जून माह में बिजली का बिल 10 फीसदी अधिक जारी होने की बात कही गई थी। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल करते हुए बताया कि ईंधन अधिभार के नाम पर कॉर्पोरेशन ने मार्च 2026 की

वास्तविक बिजली खरीद लागत के साथ-साथ लगभग 1400 करोड़ रुपये के पुराने बकाये दावों और पहले की देनदारियों को भी जोड़ दिया है।

यह आयोग के नियमों के विपरीत है। मामले की सुनवाई करते हुए विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने कहा है कि कॉर्पोरेशन की सभी देनदारियों को गणना में शामिल करने से उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ पड़ता है। पिछली अवधि के बकाया और देनदारियों को वर्तमान फ्यूल पावर पर्चेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) गणना में शामिल करना विनियम 16.1 के प्रावधानों के अनुसार असंगत है। ऐसे में इस अभिधार को स्वीकृत नहीं किया जा सकता है। आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन को सात दिन में विस्तृत स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। साथ ही वर्तमान व पहले की बिजली खरीद लागत और ट्रांसमिशन शुल्क का विवरण देने का भी आदेश दिया है।

उपभोक्ताओं के साथ आयोग ने किया न्याय

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं के साथ न्याय किया है। आयोग की टिप्पणियों से स्पष्ट हो गया है कि कॉर्पोरेशन ने गलत तरीके से ईंधन अधिभार लगाया है।

आईटीआई में बेटियों को बढ़ावा, सिर्फ 100 रुपये में होगा आवेदन

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नए सत्र में उन्हें आवेदन शुल्क में विशेष राहत दी गई है। आईटीआई सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए सभी वर्गों की बालिकाओं को केवल 100 रुपये ऑनलाइन आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है।

राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में वर्ष 2026-27 के प्रवेश के लिए इसी सप्ताह से ऑनलाइन आवेदन शुरू करने की तैयारी है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) ने नए सत्र के लिए अधिसूचना जारी कर दी है।जारी आदेश के अनुसार, राजकीय आईटीआई और व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सेवानिवृत्त कर्मियों के बच्चों को प्रवेश में 10 अंक की वरीयता मिलेगी। इसके अलावा राज्यस्तरीय खिलाड़ियों को तीन अंक की वरीयता दी जाएगी। एससी, एसटी और ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ भी मिलेगा।अधिसूचना के अनुसार, आठवीं और 10वीं कक्षा की मेरिट के आधार पर ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे तथा मेरिट के अनुसार प्रथम चरण में सीटों का ऑनलाइन आवंटन होगा। आवेदन प्रक्रिया में तीन प्रकार के विकल्प दिए जाएंगे। पहले विकल्प में राजकीय आईटीआई, राजकीय आईटीआई व पीपीपी मॉडल, दूसरे में केवल निजी आईटीआई और तीसरे में राजकीय तथा निजी दोनों प्रकार की आईटीआई के विकल्प शामिल होंगे।

नए बदलाव के तहत राजकीय आईटीआई एवं पीपीपी मॉडल की 75 प्रतिशत सीटों पर जिले के अभ्यर्थियों को प्रवेश का अवसर मिलेगा। प्रवेश केवल एनसीवीटी और एससीवीटी से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में ही होगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 कार्य दिवस तक चलेगी और आवेदन के दो दिन बाद तक अभ्यर्थियों को संशोधन का अवसर भी दिया जाएगा।

सीएम योगी बोले- पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने आया हूं, ब्रह्मोस से भारत देगा तगड़ा जवाब

बिजनौर, एजेंसी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौलाना-मौलवी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए ज्ञापन दे रहे हैं। ऐसा चलन चल रहा है। हमने गाय को माता माना है, वह पशु नहीं, पशु तुम्हारी बुद्धि हो गई है जो गोमाता को पशु बोल रहे हो। जैसे गंगा मां है, वैसे ही हमारे लिए गाय माता है। सोमवार को सीएम योगी बिजनौर जिले के अफजलगढ़ के गांव आलमपुर गांवड़ी में हुई जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की जा रही है, दूसरी तरफ गोकशी करने वालों को ये लोग आश्रय देते हैं। बकरा ईद की बधाई के संदेश में सोशल मीडिया पर गाय का फोटो लगाया जाता है। आगे कहा कि अपने चेले चपाटों को समझ लो वरना अंजाम बुरा होगा। यह सभी को पता है गो हत्या पर यूपी में क्या होता है। हम गंगा पूजा और आरती करते हैं। हमारे सभी संस्कार गंगा के तट पर होते हैं। यह किसी आक्रांता को बताने का अधिकार नहीं है। मां और बेटे के रिश्ते को घोषित करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

कहा कि एक भी मौलवी ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के कत्लेआम पर निंदा नहीं की। जुम्मे की नमाज में यह बात करनी चाहिए थी कि पाकिस्तान घटिया हरकत कर रहा है। ध्यान में रखना होगा अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण है किंतु शस्त्र उठाना होगा, अगर सामने खरदूषण हैं। सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए दुर्जन। देश के प्रति द्रोह करने वालों के खिलाफ लड़ना होगा।

दोस्ती ये कैसी दोस्ती...गाजियाबाद में देखा होगा: योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दोस्ती, कैसी दोस्ती है, गाजियाबाद में देखा होगा। वहां ईद की दावत पर बुलाकर दोस्त को छुरा घोंप दिया। दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी स्वीकार नहीं होगी, अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा है तो गलती कर रहा है। उसका अंजाम बुरा होगा।

यह भावुकता और आनंद का क्षण है : जनसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को जमीन पर मालिकाना हक के अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों की पुश्तैनी संपत्ति पर मजहबी कट्टरता ने जबरन कब्जा करके कत्लेआम किया था। हिंदू और सिखों को पाकिस्तान से पलायन करके भारत में आना पड़ा। साल और दशक बीत गए, आज ये

परिवार चौथी पीढ़ी में हैं। अब अवसर आया जब विस्थापित परिवारों को जमीन पर मालिकाना हक दे रहे हैं। ये भावुकता और आनंद के क्षण हैं। बिजनौर में कुल 1645 विस्थापित परिवारों को जमीन का मालिकाना के अधिकार पत्र सौंपे गए।

कांग्रेस ने कराया विभाजन : सीएम योगी बोले कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले हिंदुओं, सिखों ने अपने भारत में शरण ली थी। पहले सरकारों ने इन्हें नागरिकता नहीं दी। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने उन विस्थापितों के लिए कानून बनाया जो भारत में पांच साल से अधिक समय से रह रहे हैं। इस कानून का कांग्रेस ने विरोध किया था कि नागरिकता नहीं मिलनी चाहिए। कहा कि भारत का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग से मिलकर केरल में ये लोग सरकार बना रहे हैं। कांग्रेस ने ही भारत का विभाजन कराया था। इन लोगों का मुंह उस वक्त बंद था जब पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकता का कानून बनाया तो इन्होंने विरोध किया।

अब नौकरी में कट और सिफारिश नहीं, अधिकार है : सीएम योगी ने विदुर की धरा को नमन किया और सरकार की नीति-रीति बता गए। 35 मिनट के भाषण में सपा और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया। साथ ही गन्ना किसान, युवा और उद्यमी सभी को साध गए। गाय और गाजियाबाद की घटना का जिक्र करते हुए दंगाइयों को सख्त संदेश भी दे दिया।

बिजनौर के गांव आलमपुर गांवड़ी में जनसभा को संबोधित करने के लिए दो बजकर 48 मिनट पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने माइक थामा। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में महादेव को नमन करते हुए कहा कि धर्मो रक्षति रक्षितः का उद्घोष करने वाले महाभारत की अमर गाथा के साथ साथ महात्मा विदुर की धरा को नमन करता हूं।

बोले कि बिजनौर की धरती ने भारत के इतिहास को बनाया, बनते और बिगड़ते भी देखा। पूर्व सांसद स्व. सर्वेश सिंह का भी जिक्र किया। बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास पर काम किया जा रहा है। योजनाएं, बिजली, कर्ज और अन्य सुविधाएं बिना भेदभाव के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं।

बिजनौर विकास के पैमाने पर पिछड़ने नहीं पाएगा, यह हमने तय कर लिया था। आप परिश्रम करते हैं, तो प्रदेश का पेट भरता है। कहा कि बाढ़ से बचाव की योजनाएं धरातल पर उतरी हैं, मेडिकल कॉलेज मिला है, यह सब हुआ एक वोट कमल के नाम पर देने से। कहा कि पुलिस की भर्ती में बिजनौर से हजारों युवा भर्ती हुए हैं। पहले की सरकारों में भाई भतीजावाद चलता था। अब नौकरी में कट या सिफारिश नहीं है बल्कि अधिकार पर नौकरी मिल रही है।

मंडी बनाने का भी कर गए वादा : सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधायक सुशांत सिंह ने बताया है कि मंडी के लिए जमीन आरक्षित करवा दी गई है, तो हम भी पैसा देने के लिए तैयार हैं। ये मंडी बनकर रहेगी। यह वादा करके सीएम योगी ने अफजलगढ़ के आस पास के किसानों की नब्ज पर हाथ रख दिया।

चौधरी चरण सिंह को किया याद : उन्होंने बताया कि गन्ने के भाव को लेकर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, किसान यूनियन के पदाधिकारी और अन्य लोगों ने मांग उठाई थी कि इस बार गन्ने का भाव हैंडसम होना चाहिए। जिसके बाद हमने भाव 400 कर दिया। साथ ही चौधरी चरण सिंह का जिक्र करना भी नहीं भूले।

पाकिस्तान को जवाब देगी ब्रह्मोस : सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने बिजनौर आया हूं। हम अपने लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। पाक दुस्साहस करेगा तो ब्रह्मोस मिसाइल से पाकिस्तान को जवाब दिया जाएगा।

विश्व दुग्ध दिवस पर महिला बकरी पालकों का किया सम्मान

सीआईआरजी में बकरी दुग्ध के पोषण और रोजगार संभावनाओं पर हुई चर्चा

मथुरा। विश्व दुग्ध दिवस 2026 के अवसर पर 1 जून को केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान (सीआईआरजी), मखदूम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्व दुग्ध दिवस की थीम 'महिला किसानों का सम्मान' रही, जिसके अनुरूप कार्यक्रम में अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़ी 25 महिला बकरी पालक किसानों ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष कुमार चाटली ने की। इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने भी सहभागिता की। वक्ताओं ने बकरी दुग्ध उत्पादन के माध्यम से गरीब एवं सीमांत किसानों की खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में बकरियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही बकरी पालन एवं दुग्ध उत्पादन में महिला किसानों के योगदान को रेखांकित करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि बकरी का दूध अत्यधिक सुपाच्य और हाइपोएलर्जेनिक होता है, जो बच्चों, बुजुर्गों तथा लैक्टोज असहिष्णुता से पीड़ित लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। इसके पोषण संबंधी गुणों पर चर्चा करते हुए बताया गया कि यह मोटापे के प्रबंधन, अवशोषण विकार, अस्थि स्वास्थ्य तथा रोगाणुरोधी, सूजनरोधी, एंटीऑक्सीडेंट, मधुमेहरोधी और कैंसररोधी गुणों से भी जुड़ा हुआ है। इसके अतिरिक्त आंतों, मस्तिष्क और हृदय स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभावों को भी रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीआईआरजी द्वारा विकसित विभिन्न मूल्य संवर्धित बकरी दुग्ध उत्पादों एवं प्रसंस्करण तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। अपने संबोधन में निदेशक डॉ. मनीष कुमार चाटली ने कहा कि संस्थान बकरी पालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से दुग्ध प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन संबंधी नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। उन्होंने बताया कि सीआईआरजी किसानों को नाममात्र किराये पर दूध प्रसंस्करण तथा आइसक्रीम निर्माण जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहा है।

कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि देश में बकरी दुग्ध उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन को और अधिक मजबूत बनाया जाए, जिससे डेयरी बकरी क्षेत्र की अप्रयुक्त संभावनाओं का बेहतर उपयोग करते हुए पोषण सुरक्षा, आजीविका सुरक्षा और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया जा सके।

चुनावी खर्चों के लिए बिजली महंगी कर रही सरकार, अखिलेश बोले- सत्ता से निराश लोग आत्मदाह को मजबूर

लखनऊ, एजेंसी। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी खर्चों की व्यवस्था के लिए सरचार्ज (अधिभार) लगा रही है। भाजपा सरकार महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट रही है। भाजपा की सरकार हर दिन महंगाई बढ़ा रही है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा रही है। भाजपा गरीब, किसान विरोधी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी, तभी महंगाई से निजात मिलेगी। सरकार से निराश लोग आत्मदाह को मजबूर- वहीं, सपा अध्यक्ष ने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा सरकार से निराशा इतनी बढ़ गई है कि नाउम्मीद होकर पीड़ित लोग आत्मदाह के लिए बाध्य हो रहे हैं। भाजपा के सत्ता के अहंकार ने उन्हें इतना संवेदनहीन बना दिया है कि उन्हें किसी की पुकार, गुहार व चीत्कार तक सुनाई नहीं देती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आवास के सामने अपनी रोजी-रोटी के लिए जूझ रहे रोडवेज संविदाकर्मियों द्वारा आत्मदाह करने का प्रयास बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

नमो घाट पर पिटाई से जान गंवाने वाले युवक के परिजनों से मिले प्रभारी मंत्री, बोले- बख्शे नहीं जाएंगे दोषी

सोनभद्र, एजेंसी। नमो घाट पर सुरक्षा गार्डों की पिटाई से जान गंवाने वाले पड़री गांव निवासी राजेश जायसवाल के घर शोक संवेदना जताने सोमवार को जिले के प्रभारी रवींद्र जायसवाल पहुंचे। पीड़ित परिजनों से मिलकर घटना पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री राहत कोष से स्वीकृत पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रभारी मंत्री रवींद्र जायसवाल ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर वह स्वयं पीड़ित परिवार से मिलने और शासन की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यहां आए हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि घटना में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच पुलिस गंभीरता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ कर रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर डीएम चर्चित गौड़, एसपी अभिषेक वर्मा ने प्रभारी मंत्री को प्रकरण से संबंधित अद्यतन जानकारी से अवगत कराया। परिजनों को प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी दी गई।

नाले पर सजी 'मौत की दुकानें', स्लैब धंसने के बाद नगर निगम चिंतित, खोजे जा रहे कागजात, सर्वे भी शुरू

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में मकरावटगंज ढाल पर नाले का स्लैब धंसने के बाद नगर निगम जागा है। नगर निगम ने ही सीसामऊ नाले के ऊपर नब्बे के दशक में दुकानें बनवाकर उनका आवंटन किया था। दुकानों की आड़ में लोगों ने पक्के निर्माण भी कर लिए। इस पर अब कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। दुकानों से संबंधित दस्तावेज खंगालने का काम शुरू हो गया है। साथ ही, उनके सर्वे का काम भी शुरू कराया जा रहा है। नगर निगम के जोन-4 के तहत वार्ड-4, ग्वालटोली में मकरावटगंज ढाल पर रविवार की सुबह सीसामऊ नाले के स्लैब का एक हिस्सा ढह गया था। इस वजह से बीएड की प्रवेश परीक्षा देने आए करीब 20 छात्र और अभिभावक नाले में गिर गए थे। हादसे के बाद नगर निगम के अधिकारी जब पहुंचे तो लोगों ने बताया कि दुकानें नगर निगम की ही हैं। जोन-4 की अधिशासी अभियंता मीनाक्षी अग्रवाल ने जोनल अधिकारी से दुकानों के आवंटन संबंधी अभिलेख मांगे हैं। स्लैब में लगी सरिया हो चुकी हैं जर्जर- अधिशासी अभियंता ने बताया कि नाले के ऊपर दुकानें बनने के मामले की जांच कराई जा रही है। अवैध निर्माण करने वालों को जल्द ही नोटिस देकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मकरावटगंज ढाल के पास सीसामऊ नाले के ऊपर दोनों पट्टी पर 55 दुकानें बनीं हैं। इस पुराने नाले के अधिकतर जगह पर स्लैब में लगी सरिया जर्जर हो चुकी हैं। नाले के धंसे स्लैब के आसपास के कमजोर हिस्से को भी गिराया जा रहा है। सात दिन में नया स्लैब ढाल दिया जाएगा जिसे पक्का होने में 28 दिन लगेंगे। साथ ही, नाले पर बनी दुकानों का सर्वे किया जा रहा है। जल्द ही नाले के ऊपर बनी दुकानों को नोटिस देकर खाली कराया जाएगा।

चंदौली सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने दिया विवादित बयान, भगवान को लेकर कही बड़ी बात

चंदौली, एजेंसी। चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह का एक भगवान पर दिया हुआ बयान सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वह कह रहे हैं कि एक वह भगवान है जिनको सोने चांदी हीरे जवाहरात चढ़ाए जाते हैं वहीं दूसरे और हमारे गरीब भगवान शिव हैं जिन्हें वंचित वनस्पति भांग धतूरा मदर चढ़ाया जाता है। सपा सांसद सोमवार को चंदौली के जिला अस्पताल में भर्ती समाजवादी पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष गरीबी सिंह पटेल से मिलने आए थे और इसी दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने भगवान पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह लोग भगवान को भी बांट सकते हैं एक और वह भगवान है जिन्हें पूरी मिठाई सोने चांदी हीरे जवाहरात चढ़ाए जाते हैं वहीं दूसरे और हम लोगों के भगवान शिव हैं गरीबों के भगवान हैं जिन्हें वंचित वनस्पति जैसे मदर धतूरा बेलपत्र चढ़ाया जाता है।

गंभीर मंथन से निकला वृंदावन जाम मुक्ति का मॉडल

शैलजा कांत मिश्र ने दिया वृंदावन को जाम मुक्ति का मॉडल

मथुरा। गीता शोध संस्थान वृन्दावन के परिसर में स्थित यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में मथुरा एवं वृंदावन में यातायात व्यवस्था की समीक्षा एवं सुधार के लिए सभी विभागों की हुई संयुक्त बैठक में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने निर्देश दिये कि वृन्दावन के लिए चार टीम बनाएं, जिसमें पुलिस, मथुरा वृन्दावन नगर निगम, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग तथा स्थानीय समाजसेवियों को लिया जाए। एक टीम छटीकरा चौराहा से रमण रेती चौकी, दूसरी टीम रमण रेती चौकी से जुगल घाट, तीसरी टीम रमण रेती चौकी से केशी घाट तथा चौथी टीम परिक्रमा मार्ग के अन्य स्थानों पर तैनात की जाए। इन टीम का एक मात्र कार्य होगा कि वे अपने अपने दिए रूट पर सुदृढ़ यातायात के लिए निरंतर अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाए, अवैध निर्माण कब्जा को हटाए, अनाधिकृत पार्किंग पर कार्यवाही करे, परिक्रमा मार्ग व अन्य स्थानों पर गलत अनाधिकृत वाहनों का चालान करे तथा गलत पार्किंग वाले वाहनों को तुरंत हटाएं। अपर पुलिस महानिदेशक सुवेंद्र कुमार भगत ने निर्देश दिए टीम द्वारा किए जा रहे कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जाए, अभियानों की फोटो युक्त रिपोर्ट ली जाए तथा वाहनों के चालान किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उक्त कार्य को प्राथमिकता से लेते हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने वृन्दावन के लिए बनाई गई चार

टीमों के सुपरविजन के लिए अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन राजकुमार चौधरी तथा क्षेत्राधिकारी सदर पीपी सिंह को निर्देशित किया है। बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक सुवेंद्र कुमार भगत, मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप, पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, एसपी राजेश कुमार तिवारी, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष कुमार सिंह, अपर नगर आयुक्त सीपी पाठक, अपर नगर मजिस्ट्रेट वृन्दावन राजकुमार चौधरी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मंडलायुक्त ने वैंडिंग जोन, डीआईजी ने ई रिक्शा नियंत्रण पर दिये सुझाव पांच बार से अधिक चालान के बाद निरस्त होंगे लाइसेंस - मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप ने निर्देश दिए कि कुछ क्षेत्रों को रेहड़ी पटरी ठेला आदि से मुक्त करते हुए उन्हें वैंडिंग जोन में शिफ्ट किया जाए। पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने अवैध अनाधिकृत ई रिक्शा पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत को निर्देश दिए कि पांच बार चालान किये गए ई रिक्शा संचालकों को नोटिस दिया जाए तथा उससे अधिक चालान वाले ई रिक्शा का पंजीकरण निरस्त करने की कार्यवाही के लिए लिखा जाए। कार्य के लिए मानकों के अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कार्यवाही की जाए।

लोग बोले अब भी जबरन लगाये जा रहे स्मार्ट मीटर

सरचार्ज व स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन, अर्थी निकालकर किया प्रदर्शन

मथुरा। अखिल भारतीय समता फाउंडेशन एवं महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कृष्णा नगर बिजली घर पर 10 प्रतिशत ईंधन सरचार्ज और जबरन लगाए जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर की अर्थी निकालकर प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि अर्पित की तथा अधिशासी अभियंता तृतीय खंड, कृष्णा नगर, आशीष कुमार को तीन सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोगों के कहने सुनने का कोई अर्थ नहीं रह गया है।

सरकार लोगों को गुमराह कर रही है। घोषणा के बाद भी जबरन प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं।

विरोध करने पर कर्मचारी उनके पास किसी तरह का आदेश नहीं आने की बात कह रहे हैं जबकि प्रदेश सरकार के उर्जा मंत्री अलग तरह की बात कर रहे हैं। सरचार्ज को लेकर भी लोागें में अविश्वास हैं, लोगों का कहना है कि सरकार ने कह दिया है तो सरचार्ज वसूल कर ही रहेगी।

समिति के अध्यक्ष रमेश सैनी एवं लुकेश कुमार राही ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रदेश की सरकार कमरतोड़ महंगाई लाई है, जिससे सभी वर्गों का जीवन यापन दूभर हो गया है। आए दिन बढ़ती बिजली दरों से लगता है कि प्रदेश में सेठ-व्यापारियों की सरकार चल रही है।

स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता की जेब काटी जा रही है। साथ ही 10 प्रतिशत ईंधन सरचार्ज अविलंब वापस लेने, दोषपूर्ण स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर बहाल किए जाने की मांग की।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से चित्रसेन मौर्य, यशवीर सिंह आजाद, राजकुमार आजाद, सुमित कुमार, सागर सिंह, विनय कुमार, संजय बीडीसी, दिनेश कुमार, प्रिंस कुमार, सलाउद्दीन कुरैशी, भोला, रोहतास, गौरव कुमार, संजू कुमार, देवेंद्र कुमार, अशोक कुमार, आकाश बाबू, हरि सविता, सरदार महेंद्र सिंह, देवेंद्र कुमार आजाद, सुनील पटवारी आदि उपस्थित रहे।

मई महीने में 44 शवों का पुलिस ने लावारिस में कराया अंतिम संस्कार

ध्रुव घाट विद्युत व गैस शवदाग्रह में एक माह में हुआ 47 शवों का अंतिम संस्कारजाता है संस्कार

मथुरा। ध्रुवघाट शमशान स्थल संचालन समिति द्वारा संचालित निशुल्क विद्युत व गैस शवदाग्रह में प्रथम महा मई में 47 शवों का दाह संस्कार पूर्ण वैदिक रीति रिवाज से किया गया।

जिसमें से 44 शव लावारिस व तीन शव परिजनों द्वारा लाऐ गये थे। इन सभी शवों का संस्कार समिति द्वारा निःशुल्क किया गया।

यह जानकारी देते हुए समिति के विद्युत व गैस शवदाग्रह के संयोजक महेश अग्रवाल साड़ी वालों ने बताया की उम्मीद से अधिक शवों का अंतिम संस्कार विगत एक से 31 मई तक इस शवदाग्रह में हुआ। सुविधाओं की दृष्टि से यहां मौजूद दोनों भट्टियां कार्य कर रही हैं।

बिजली, गैस व जनरेटर के माध्यम से पूर्णतः शवों की निरूशुल्क अंतिम संस्कार की सेवा जारी है। संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल व मंत्री उमेश अग्रवाल एड़. ने आम नागरिकों से इस निःशुल्क सेवा के लिए लोगों को जागृत करने की अपील करते हुए कहा कि पूर्ण धार्मिक क्रियानुसार पंडित की उपस्थिति में यहां अंतिम क्रिया की व्यवस्था यमुना तट स्थित शवदाग्रह में की गई है।

यहां शव के साथ आने वाले उनके मित्र व परिचितों के बैठने के लिए वातानुकूलित हाल, मीठा व ठंडा पानी आदि की भी व्यवस्था है।

समिति संरक्षक धनेश मित्तल व शशिभानु गर्ग ने आम लोगों से अपील की कि वह लोगों को जागृत करें व किसी भी भ्रांति में ना पढ़ते हुए अपने किसी भी परिचित के देहांत पर उसके अंतिम संस्कार हेतु बिजली के शवदागृह का इस्तेमाल करें जो पूर्णतया निरूशुल्क होने के साथ-साथ पेड़ों व पर्यावरण बचाने में भी सहायक होगा। इसके साथ ही इसके संचालन हेतु सार्थक सुझाव जो भी व्यक्ति देना चाहे वह सादर आमंत्रित है।

आईपीएल खत्म होने के बाद अनुष्का संग वृंदावन पहुंचे विराट कोहली

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद संत प्रेमानंद से एकांतवास में की मुलाकात

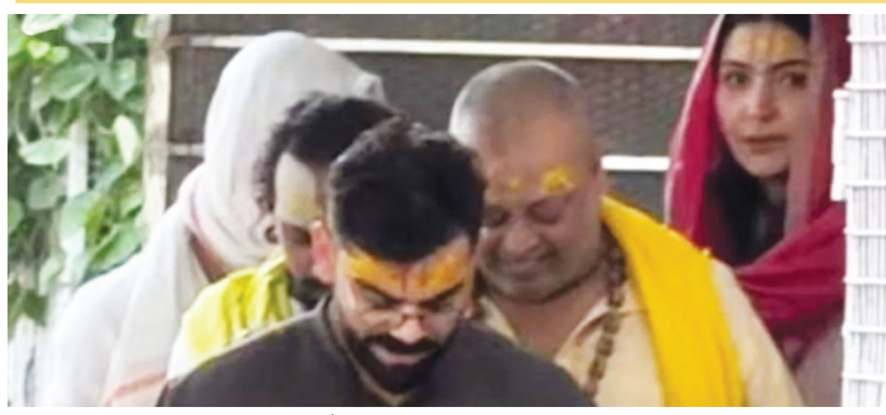

वृंदावन (मथुरा)। आईपीएल की ट्रॉफी जीतकर एक बार फिर विराट कोहली संत प्रेमानंद की शरण में पहुंचे हैं। लेकिन, इस बार विराट और अनुष्का श्री राधा केली कुंज के बजाय यमुना किनारे एकांतवास में रह रहे संत प्रेमानंद के पास कुटिया में पहुंचकर दोनों ने आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा की। क्रिकेटर विराट कोहली एवं अनुष्का शर्मा सोमवार की शाम वृंदावन पहुंचे और होटल रेडिसन में ठहरे।

मंगलवार की सुबह लगभग सात बजे होटल से निकलकर यमुना खादर में एकांतवास में रह रहे संत प्रेमानंद की कुटिया में पहुंचे। विराट कोहली सादगी भरे अंदाज में पहुंचे।

उनके गले में तुलसी की माला थी और माथे पर तिलक था। दोनों को आश्रम के संत ही संत प्रेमानंद की कुटिया तक लेकर पहुंचे।

यहां विराट और अनुष्का ने कुटिया में एकांतवास पर संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लिया और आध्यात्मिक चर्चा की। आईपीएल में आरसीबी बेंगलुरु के फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए विराट कोहली ने टीम को जीत दिलाई थी।

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली संत प्रेमानंद का आशीर्वाद लेने वृंदावन पहुंचे थे विराट इससे पहले भी चार बार वृंदावन में संत के आश्रम में आ चुके हैं।

फिल्मी स्टाइल में तस्कर गिरफ्तार: पुलिस वाहन को मारी टक्कर

सोनभद्र, एजेंसी। सोनभद्र जिले के चोपन थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने सोमवार की सुबह चार बजे मुठभेड़ में अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर प्रिंस सिंह को गिरफ्तार किया। उसे पैर में गोली लगी है। उसका एक साथी भाग गया।

तस्करों ने फिल्मी स्टाइल में पहले पुलिस वाहन को टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। फिर दूसरे की कार लेकर पीछे आई संयुक्त टीम को नोट फेंककर भरमाने की कोशिश की। बावजूद इसके पुलिस टीम पीछे नहीं हटी तो फायरिंग कर दी। तस्करों के वाहन से अफीम, डोडा और तमंचा बरामद हुआ। कार सहित बरामद माल की कीमत करीब 58.85 लाख है। एसपी अभिषेक वर्मा ने

बताया कि चोपन, रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने डाला की तरफ से आ रही एक संदिग्ध सफेद कार को रोका लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला। पीछा करने पर कार सवारों ने कई बार पुलिस वाहन में टक्कर मारकर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

सलखन क्षेत्र में पीछा करते समय एसओजी का वाहन खराब हो गया। तब स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार मोदनवाल ने अपनी निजी कार उपलब्ध कराकर पुलिस की मदद की। लगातार पीछा करने के बाद विरंजुआ क्षेत्र में घेराबंदी की गई। खुद को घिरा देख आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसकी पहचान पंजाब के लुधियाना निवासी प्रिंस (27) के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह डाल्टनगंज से मादक पदार्थ खरीदकर लुधियाना ले जा रहा था। उससे पूछताछ के आधार पर फरार साथी की तलाश की जा रही है। एसपी ने प्रदीप कुमार मोदनवाल को 10 हजार रुपये एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अधिकारी बोले: इस कामयाबी में स्थानीय नागरिक प्रदीप कुमार की भूमिका सराहनीय रही। अन्य लोगों को भी इससे प्रेरणा लेकर पुलिस की मदद में आगे ना चाहिए, जिससे अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

-**अभिषेक वर्मा**, एसपी

किसानों के लिए खुशखबरी, अब व्हॉट्सएप पर मिलेगा ब्लॉक स्तरीय मौसम अपडेट, सीएसए ने शुरू की नई सेवा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में सीएसए के मौसम विभाग ने ब्लॉक स्तर पर मौसम की भविष्यवाणी की शुरुआत कानपुर नगर से शुरू कर दी है। ब्लॉक के किसानों और लोगों को मौसम में बदलाव के संबंध में व्हॉट्स एप मैसेज भेजकर बताया जा रहा है। इसके साथ ही सलाह भी दी जाती है। विभिन्न ब्लॉकों के छह हजार किसानों को मैसेज भेजे जा रहे हैं।

मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि किसानों को जानकारी देने के लिए फार्मर्स सर्विस पोर्टल भी काम कर रहा है। इसके साथ ही ब्लॉक स्तर पर भी मौसम की जानकारी दी जा रही है। इसकी शुरुआत कानपुर नगर के 10 ब्लॉकों से की गई है। सीएसए के मौसम विभाग के दायरे में 17 जिले आते हैं। धीरे-धीरे सभी जिलों के ब्लॉकों में जानकारी दी जाएगी।

फार्मर्स सर्विस पोर्टल पर योजनाओं के बारे में भी बताया जाता है

मंगलवार और शुक्रवार को मौसम की ब्लॉक स्तर पर चेतावनी जारी की जाती है। विभाग के पास 17 जिलों के 22 हजार किसानों के फोन नंबर हैं। इनमें छह हजार नगर के हैं। मैसेज में हवाओं की रफ्तार, बारिश की स्थिति, फसलों को बचाव के तरीके आदि के बारे में बताया जाता है। इसके साथ ही सिंचाई, कीटनाशक का छिड़काव आदि के संबंध में बताया जाता है। फार्मर्स सर्विस पोर्टल पर किसानों से संबंधित योजनाओं के बारे में भी बताया जाता है।

राज्यपाल ने एनसीसी माउंट दियो टिब्बा अभियान-2026 को झंडी दिखाकर किया रवाना

एनसीसी चरित्र निर्माण, नेतृत्व, देशभक्ति और अनुशासन का प्रतीक: राज्यपाल

शिमला। राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने आज लोक भवन, से राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के माउंट दियो टिब्बा अभियान-2026 को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह हिमालयी पर्वतारोहण अभियान पर जाने वाले कैडेटस एवं स्टाफ के लिए आयोजित औपचारिक समारोह था।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कैडेटस को संबोधित करते हुए उन्हें साहस, अनुशासन और टीम भावना की उत्कृष्ट परंपराओं को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि साहसिक गतिविधियां युवाओं में आत्मविश्वास, सहनशक्ति, नेतृत्व क्षमता तथा दृढ़ संकल्प की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) चरित्र निर्माण, नेतृत्व क्षमता, देशभक्ति और अनुशासन का प्रतीक है। यह युवाओं में जिम्मेदार नागरिक बनने व नेतृत्व की भावना का विकास करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभियान और गतिविधियों में भाग लेने वाले प्रतिभागी फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा के प्रेरक दूत बनकर उभरते हैं। उन्होंने कहा कि साहसी, अनुशासित और समर्पित युवा ही विकसित भारत की सशक्त नींव हैं।

राज्यपाल ने कहा कि माउंट दियो टिब्बा अभियान में भाग ले रहे कैडेटस देश की युवा शक्ति की अपार क्षमता और सामर्थ्य का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनका समर्पण, दृढ़ संकल्प और कठिन परिश्रम अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने अभियान दल को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह चुनौतीपूर्ण अभियान उनके साहसिक जज्बा, आत्मविश्वास और विपरीत परिस्थितियों से जूझने की क्षमता को और अधिक मजबूत करेगा।

6,001 मीटर की ऊंचाई तक संचालित होने वाला माउंट दियो टिब्बा अभियान एनसिसी के प्रमुख पर्वतारोहण अभियानों में से एक है। इस दल में देशभर से कठोर चयन प्रक्रिया और विशेष प्रशिक्षण के बाद चुने गए कैडेटस शामिल हैं। इन कैडेटस को अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान (एबीवीआईएमएएस), सोलंग वैली में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। अभियान के दौरान दल को ग्लेशियर यात्रा, हिमकला (स्नो क्राफ्ट) तथा उच्च हिमालयी क्षेत्रों में जीवन-निर्वाह जैसी कठिन चुनौतियों का सामना करना होगा। इस अभियान का नेतृत्व विंग कमांडर कुनाल शर्मा कर रहे हैं।

इससे पूर्व, एनसीसी अधिकारियों ने राज्यपाल को अभियान के उद्देश्यों एवं तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर एनसीसी महानिदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल विकास भारद्वाज, उप महानिदेशक जनरल ब्रिगेडियर राजीव कपूर, राज्यपाल के सचिव संदीप भारद्वाज, ग्रुप कमांडर कर्नल आदित्य वर्मा, वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पीएनबी आरसेटी ने युवतियों को दिया ब्युटी पार्लर का प्रशिक्षण

धर्मशाला, 1 जून- पंजाब नैशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण सस्थान धर्मशाला जिला कांगड़ा द्वारा बेरोजगार युवतियों को स्वरोजगार की ओर अग्रसर करने के लिए ब्युटी पार्लर 35 दिन का निशुल्क प्रशिक्षण शिविर शुरू करवाया गया था। जिसका समापन पीएनबी आरसेटी निदेशक मदन लाल, ईडीपी एसेसर कमल प्रकाश, डोमेन एसेसर मेडम तम्मना एवं आरसेटी सटाफ की उपस्थिति में किया गया।

आरसेटी निदेशक ने बताया कि 35 दिवसीय 35 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मे जिला कांगड़ा की 25 महिला प्रशिक्षणाथियों ने भाग लिया जिसमें इन्होंने विभिन्न तरह की स्किल सीखी और प्रशिक्षण हासिल किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने स्किल डेवलपमेंट के साथ स्किन केयर और फेशियल ट्रीटमेंट्स, क्लींजिंग और ब्लीच, वैक्सिंग, हेयर केयर और स्टाइलिंग, पार्टी और इवनिंग मेकअप, ब्राइडल मेकअप, मेहंदी एराबिक ब्राइडल और टेडिशनल मेहंदी लगाना आदि के बारे में विस्तार से सीखा। जिससे कि वह वह अपना स्वयं का रोजगार शुरू कर आजिविका अर्जित कर सकें। आने वाले दिनों में इस सस्थांन द्वारा खुम्ब उत्पादन 10 दिन, कंटिग टैलरिंग 31 दिन, मधुमक्खी पालन 10 दिन के लिए करवाया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक युवक एवं युवतियां नजदीक गर्वमेंन्ट कॉलेज ओडिटोरियम सिविल लाईन धर्मशाला, पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान कांगड़ा में सर्म्पक कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए संस्थान के निदेशक मदन लाल से उनके दुरभाष नंबर 9816389602 एवं ऑफिस नंबर 9459900660 पर संपर्क कर सकते हैं।

शारीरिक शिक्षक (जॉब ट्रेनी) के 14 रिक्त पदों की बैचवार भर्ती के लिए काउंसलिंग 03 से 09 जून तक

सोलन। ज़िला सोलन में शारीरिक शिक्षक (जॉब ट्रेनी) के 14 रिक्त पदों को बैचवार आधार पर भरने के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया 03 से 09 जून, 2026 तक आयोजित की जाएगी। यह जानकारी उप निदेशक स्कूल शिक्षा (प्रारम्भिक) सोलन ने दी।

उन्होंने कहा कि सोलन ज़िला में शारीरिक शिक्षक के कुल 14 पद हैं। इनमें 06 पद अनारक्षित, 02 पद आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग, 02 पद अन्य पिछड़ा वर्ग (अनारक्षित), 03 पद अनुसूचित जाति वर्ग (अनारक्षित) तथा 01 पद अनुसूचित जनजाति वर्ग (अनारक्षित) के लिए है।

उन्होंने कहा कि उम्मीदवार को अपने गृह ज़िला में निर्धारित प्रपत्र पर ज़िलों की प्राथमिकताओं का क्रम भरकर देना होगा। उन्होंने कहा कि एक बार दी गई प्राथमिकता को किसी भी परिस्थिति में बदला नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को अपने गृह ज़िला में ही काउंसलिंग के लिए उपस्थित होना होगा। उम्मीदवारों को अपने गृह ज़िला में ही सभी 12 ज़िलों की प्राथमिकताएं प्रस्तुत करनी हैं। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार निर्धारित मापदण्ड पूर्ण करने वाला उम्मीदवार 12 ज़िलों में से किसी भी ज़िला में भर्ती के लिए पात्र है।

उन्होंने कहा कि शारीरिक शिक्षक के पद के लिए उम्मीदवार का भर्ती एवं पदोन्नति नियम 10 जनवरी, 2011 के अनुसार निर्धारित योगयता पूर्ण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भर्ती एवं पदोन्नति नियम की प्रतिलिपि विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। उप निदेशक ने कहा कि ज़िला सोलन में शारीरिक शिक्षक पदों के लिए रोज़गार कार्यालय द्वारा प्रेषित उम्मीदवारों के नाम की सूची कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार उक्त वेबसाइट में अपना नाम व तिथि देखकर काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि योगयता पूर्ण करने वाले उम्मीदवार अथवा जिनके नाम रोज़गार कार्यालय द्वारा प्रेषित नहीं किए गए या अन्य किसी कारण से अनुपस्थित रहे उम्मीदवार 09 जून, 2026 को काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार अपने ज़िला के उप निदेशक स्कूल शिक्षा (प्रारम्भिक) कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

स्व गणना विकल्प का सभी ज़िलावासी करें उपयोग : मनमोहन शर्मा

15 जून, 2026 तक दर्ज की जा सकती है जानकारी

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज यहां स्व गणना विकल्प का शुभारम्भ करते हुए सोलन ज़िला के सभी नागरिकों से आग्रह किया कि इस माध्यम से ऑनलाईन सही जानकारी प्रस्तुत कर जनगणना महा अभियान में भागीदार बनें।

मनमोहन शर्मा ने आज स्व गणना के माध्यम से ऑनलाईन अपना डाटा प्रस्तुत किया। उपायुक्त ने इस अवसर पर कहा कि जनगणना निदेशालय द्वारा प्रस्तुत स्व गणना विकल्प एक ऑनलाईन माध्यम है। इसके माध्यम से सभी नागरिक प्रथम जून से 15 जून, 2026 तक स्व गणना पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। मनमोहन शर्मा ने कहा कि उपरोक्त पोर्टल पर अपनी और अपने परिवार की जानकारी दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्व गणना के उपरांत 11 नम्बर का आईडी नम्बर मिलेगा। इस 11 अंक के स्व गणना आई नम्बर को नागरिकों को उन जनगणना कर्मियों को बताना होगा जो घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण 16 जून, 2026 से 15 जुलाई, 2026 के मध्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस आईडी नम्बर के माध्यम से स्व गणना के दौरान पोर्टल पर अंकित जानकारी जनगणना कर्मी के मोबाइल ऐप पर दिख जाएगी। इससे नागरिक और जनगणना कर्मी को सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना डिजिटल मोड में की जा रही है। उपायुक्त ने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि स्व गणना विकल्प का समुचित उपयोग करें और जनगणना कर्मी को भी सही जानकारी उपलब्ध करवाएं। यह आंकड़े देश-प्रदेश तथा ज़िला के भावी नीति निर्धारण में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, सहायक आयुक्त नीरजा शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने भी स्व गणना विकल्प के माध्यम से ऑनलाईन जानकारी प्रस्तुत की।

देहरा सीयू की जलापूर्ति योजना निर्माण के चलते 3 जून रात्रि को यातायात के लिए बंद रहेगा मार्ग

धर्मशाला, उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधिसूचना जारी की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-503 देहरा पर जलापूर्ति पाइपलाइन बिछाने के कार्य के चलते यातायात को अस्थायी रूप से डायवर्ट किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय कैंपस के मुख्य गेट, पृथ्वी राज चैक तथा हनुमान चैक, देहरा पर सड़क क्रॉसिंग का कार्य किया जाएगा। इन स्थानों पर निर्माण कार्य के दौरान 3 जून की रात 10 बजे से 4 जून की सुबह 2 बजे तक के लिए वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान गाड़ियों की आवाजाही के लिए हनुमान चौक से खबली चौक वाया धवाला चौक का उपयोग किया जा सकता है।

ज़िला प्रशासन युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने के लिए प्रतिबद्ध - मनमोहन शर्मा

सोलन ज़िला में एंटी चिट्टा जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण का शुभारम्भ

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रखने के लिए ज़िला प्रशासन प्रतिबद्ध है। मनमोहन शर्मा आज यहां केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड के साथ सम्बद्ध राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सोलन में एंटी चिट्टा जागरूकता अभियान के द्वितीय चरण के शुभारम्भ के उपरांत उपस्थित छात्रों, अध्यापकों एवं अन्य को सम्बोधित कर रहे थे। मनमोहन शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ठाकुर के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने और चिट्टा जैसे मादक पदार्थ के समूल नाश के लिए सघन अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत सभी ज़िलों में युवा शक्ति की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा प्रदान करने और मादक पदार्थों से उन्हें दूर रखने के लिए सभी स्तरों पर विभिन्न कार्यक्रम एवं लक्ष्य केन्द्रित अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य समाज को चिट्टा जैसे मादक पदार्थों के विरुद्ध एकजुट करना तथा विभिन्न विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं और आमजन के समन्वित सहयोग से नशे को समाप्त करना है।

उपायुक्त ने कहा कि युवाओं को नशे को न कहना सीखना है और अपने साथियों को भी इस ज़हर से दूर रखना है। उन्होंने कहा कि आज के छात्र कल देश और प्रदेश को आगे ले जाने में सहायक बनेंगे। युवा पीढ़ी का मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना न केवल युवाओं के लिए अपितु पूरे समाज के लिए आवश्यक है। मनमोहन शर्मा ने कहा कि चिट्टा जैसा नशा युवाओं को एक ओर जहां धीरे-धीरे पूर्ण रूप से अक्षम बनाता है वहीं आर्थिक कमज़ोरी एवं सामाजिक बहिष्कार का कारण भी बनता है। उन्होंने कहा कि यदि युवा ठान लें तो किसी भी प्रकार के नशे के चंगुल में उन्हें नहीं फंसाया जा सकता। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि समाज और परिवार के साथ-साथ अपने भविष्य के लिए नशे से दूर रहें।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु मकान सूचीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

धर्मशाला, भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण कार्य के लिए नगर निगम धर्मशाला क्षेत्र में नियुक्त पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनगणना-2027 के लिए नगर निगम धर्मशाला में नियुक्त अधिकारी रजिन्दर कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा उन्हें जनगणना के महत्व, उद्देश्य और इसके प्रमुख वैधानिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इस कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रगणक, पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में घर-घर जाकर मकान सूचीकरण का कार्य करेंगे। यह अभियान 15 जून, 2026 से प्रारंभ होकर 15 जुलाई, 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान क्षेत्र के प्रत्येक भवन एवं परिवार से संबंधित निर्धारित सूचनाएं एकत्रित की जाएंगी।

राज्यपाल ने स्व-गणना अभियान का शुभारम्भ किया

जनगणना-2027 के अंतर्गत स्व-गणना का प्रथम चरण 1 जून से 15 जून तक किया जाएगा संचालित

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने आज लोक भवन से जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना अभियान का शुभारम्भ किया। यह अभियान 1 जून से 15 जून, 2026 तक प्रदेश भर में संचालित किया जाएगा, जिसके माध्यम से नागरिक डिजिटल पोर्टल पर स्वयं अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपनी स्व-गणना प्रक्रिया पूर्ण कर प्रदेशवासियों को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया। इस अवसर पर निदेशक, जनगणना संचालन, हिमाचल प्रदेश, दीप शिखा शर्मा और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने राज्यपाल को डिजिटल जनगणना प्रक्रिया तथा इसके विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

राज्यपाल ने प्रक्रिया को पूर्ण करने के उपरांत जनगणना के महत्त्व पर बल देते हुए कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या संबंधी आंकड़े एकत्रित करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश और प्रदेश की भावी विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी नीतियों तथा प्रशासनिक निर्णयों की आधारशिला है।

कविन्द्र गुप्ता ने प्रदेशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे 1 जून से 15 जून के बीच स्व-गणना प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

राज्यपाल ने नागरिकों को स्व-गणना पूर्ण होने के उपरांत प्राप्त होने वाली स्व-गणना पहचान संख्या को सुरक्षित रखने का परामर्श दिया। अभियान के अगले चरण में 16 जून से 15 जुलाई, 2026 तक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित की जाएगी। स्व-गणना कर चुके लोगों द्वारा अपनी पहचान संख्या उपलब्ध करवाने से जनगणना कार्य अधिक सुगमता एवं दक्षता के साथ सम्पन्न हो सकेगा। कविन्द्र गुप्ता ने सटीक एवं प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराने के महत्त्व पर बल देते हुए कहा कि प्रभावी प्रशासन और योजनाबद्ध विकास के लिए सही आंकड़ों का होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं जनसांख्यिकीय आंकड़ों पर आधारित होती हैं। नागरिकों द्वारा सही जानकारी प्रदान करने से योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचाने तथा समाज के सभी वर्गों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी।

राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2011 की जनगणना के बाद विकास की बदलती आवश्यकताओं और नई चुनौतियों को देखते हुए जनगणना-2027 से प्राप्त होने वाले आंकड़े राज्य एवं राष्ट्र के विकास के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तराखंड जैसे पर्वतीय एवं दुर्गम राज्यों में समयबद्ध और प्रभावी आंकड़ा संकलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्व-गणना अभियान को विशेष प्राथमिकता प्रदान की गई है।

गेवरा खदान से 6 हजार लीटर डीजल चोरी का मामलाः तीन गिरफ्तार, दो स्कॉर्पियो जब्त

कोरबा। एसईसीएल की गेवरा खदान से 6 हजार लीटर डीजल चोरी के चर्चित मामले में दीपका पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी नवीन कश्यप और उसके गैंग के दो अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को जांजगीर क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ा गया। इस मामले में पहले ही 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस के अनुसार 17 मार्च 2026 को गेवरा खदान से डीजल चोरी की घटना सामने आने के बाद दीपका थाना में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। विवेचना के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी नवीन कश्यप और उसके साथी आदतन अपराधी हैं तथा लंबे समय से डीजल चोरी की वारदातों में संलिप्त रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह के सदस्य एसईसीएल की कुसमुंडा, गेवरा और दीपका परियोजनाओं में डीजल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस को आशंका है कि गिरोह ने अन्य क्षेत्रों में भी इसी तरह की कई वारदातों को अंजाम दिया है। इस संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में नवीन कश्यप (34) निवासी शांति नगर बलगी, शब्बीर मेमन (35) निवासी गांधी चौक, गेवरा बस्ती कुसमुंडा तथा परमेश्वर सारथी (28) निवासी शांति नगर बलगी शामिल हैं। वारदात के बाद से तीनों आरोपी फरार थे और जांजगीर क्षेत्र में छिपकर रह रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो काले रंग की स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त की हैं। इनमें वाहन क्रमांक सीजी 12 बीयू 6064 तथा सीजी 28 पी 6555 शामिल हैं। आरोपियों के विरुद्ध एक प्रकरण में धारा 111 एवं 303 बीएनएस तथा दूसरे प्रकरण में धारा 329(2), 303(2), 338, 336(3), 340 एवं 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि डीजल चोरी मामले में मुख्य आरोपी नवीन कश्यप गैंग सहित तीन आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर मंगलवार देर रात करीब 2:30 बजे तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि मामले में पूर्व में 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है तथा डीजल चोरी की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

छग होमस्टे नीति के तहत बैठक में हितग्राहियों को दी गई व्यवसाय संचालन, ऋण सुविधा एवं पर्यटन संभावनाओं की जानकारी'

बस्तर में होमस्टे उद्यमियों को मिला मार्गदर्शन, पर्यटन आधारित स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर, 02 जून (हि.स.)। छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के अंतर्गत मंगलवार को नए हितग्राहियों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के पर्यटन सूचना केंद्र जगदलपुर द्वारा जिला पंचायत बस्तर के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में इच्छुक हितग्राहियों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य नए हितग्राहियों को होमस्टे व्यवसाय की बारीकियों से परिचित कराना, उन्हें पर्यटन आधारित स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना तथा छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति जागरूक करना था। इस सराहनीय पहल से बस्तर में सामुदायिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आय में वृद्धि और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होने की प्रबल उम्मीद है। बैठक के दौरान उपस्थित हितग्राहियों से उनके प्रस्तावित होमस्टे के संबंध में विस्तृत जानकारी ली गई। अधिकारियों ने विशेष रूप से यह जाना कि हितग्राही किस स्थान पर होमस्टे स्थापित करना चाहते हैं और उस क्षेत्र के आसपास कौन-कौन से पर्यटन स्थल या आकर्षण मौजूद हैं। अधिकारियों के अनुसार स्थानीय प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध क्षेत्रों में होमस्टे विकसित होने से पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी, जिससे स्थानीयस्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इस अवसर पर हितग्राहियों को होमस्टे व्यवसाय के सफल संचालन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। उन्हें मुख्य मुख्य विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। अतिथि सत्कार के लिए पर्यटकों का स्वागत और आतिथ्य प्रबंधन, स्वच्छता एवं गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन, सुविधाएं व मार्केटिंग के रूप में पर्यटकों को दी जाने वाली आवश्यक सुविधाएं और डिजिटल प्रचार-प्रसार के तरीके, छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 के प्रावधान, पात्रता शर्तें एवं आवेदन की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

'ऋण सुविधा एवं बैंकिंग सहयोग'-बैठक में उपस्थित छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक के अधिकारियों ने योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता की जानकारी दी। उन्होंने हितग्राहियों को ऋण सुविधा, ब्याज अनुदान तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से समझाया और आश्वस्त किया कि शासन की सहायता तथा बैंकिंग सहयोग से इच्छुक हितग्राही अपने होमस्टे व्यवसाय को सफलतापूर्वक स्थापित कर सकते हैं।

'बस्तर में सामुदायिक पर्यटन की अपार संभावनाएं'- कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित जिला पंचायत बस्तर के सहायक परियोजना अधिकारी, तपन डे ने हितग्राहियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं पर्यटन स्थलों की विविधता होमस्टे व्यवसाय के लिए अपार संभावनाएं प्रदान करती है। उन्होंने सभी हितग्राहियों को पर्यटकों को उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाएं देने और उन्हें एक बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए प्रेरित किया।

अज्ञात चोर ने 25 लीटर पेट्रोल की चोरी को दिया अंजाम

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक अज्ञात चोर ने नकदी या कीमती सामान की बजाय 25 लीटर पेट्रोल से भरा जरीकेन, सिगरेट और ड्राई फ्रूट की चोरी कर चंपत हो गया। घटना पुलिस थाना से 50 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वैश्विक पेट्रोल संकट में बढ़ते पेट्रोल की कीमत को देखते हुए चोरों को भी पेट्रोल की चोरी में ज्यादा फायदा दिखने लगा है। मिली जानकारी के अनुसार घटना भानपुरी थान से 50 मीटर की दूरी पर सोमवार-मंगलवार के दरमियानी रात करीब 1:52 बजे चोरी करने वाला आरोपित तीन ठेला नुमा दुकानों के पास पहुंचा। उसने दुकानों के ताले तोड़े और लगभग 20 मिनट तक वहां मौजूद रहकर सामान खंगालता रहा। इसके बाद लगभग रात 2:12 बजे आरोपित अपने सिर पर 25 लीटर पेट्रोल से भरा जरीकेन, सिगरेट और ड्राई फ्रूट्स लेकर मौके से फरार हो गया।

पूरी वारदात कैमरे में कैद हो गई, लेकिन चोर इतनी फुर्सत में था कि उसे देखकर ऐसा लग रहा था मानो वह चोरी नहीं खरीदारी करने आया हो। बताया जा रहा है कि चोरी सिर्फ एक दुकान में हुई है, जबकि बाकी दुकानों के केवल ताले तोड़े गए हैं। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, पुलिस चोरी के आरोपित की तलाश में जुटी हुई है।

आरटीओ कार्यालय के सामने अवैध अतिक्रमण हटाने निगम आयुक्त को पत्र

ऑनलाइन केंद्रों द्वारा अधिक शुल्क वसूली की शिकायतों पर जताई चिंता

कोरबा। जिला परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के आसपास बढ़ते अवैध अतिक्रमण और उससे उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अतुल असैय्या ने आज मंगलवार को नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कार्यालय परिसर के सामने स्थित भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। जानकारी के अनुसार, जिला परिवहन कार्यालय के सामने ग्राम रामपुर स्थित खसरा नंबर 203/1 की भूमि का एक हिस्सा छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल, संभाग कोरबा को संभागीय कार्यालय भवन निर्माण के लिए आबंटित किया गया है। इसके बावजूद उक्त भूमि पर कई ठेला, गुमटी और अस्थायी दुकानें संचालित हो रही हैं, जिन्हें विभाग ने अवैध अतिक्रमण की श्रेणी में बताया है। आरटीओ द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि इन ठेला-गुमटियों में कुछ लोगों द्वारा ऑनलाइन आवेदन केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीयन तथा अन्य परिवहन संबंधी कार्यों के लिए कार्यालय पहुंचने वाले आवेदकों से संपर्क कर निर्धारित शासकीय शुल्क से अधिक राशि की मांग करते हैं। इससे नागरिकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है और विभाग की छवि भी प्रभावित हो रही है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि इस प्रकार की गतिविधियों से संबंधित शिकायतें समय-समय पर सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों के कारण आम जनता के बीच परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है तथा शासन की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अतुल असैय्या ने कहा कि जिला परिवहन कार्यालय में आने वाले आवेदकों को शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया और शुल्क के अनुसार सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कार्यालय के बाहर संचालित कुछ अनधिकृत केंद्रों की गतिविधियों को लेकर लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। आम नागरिकों के हितों की रक्षा तथा पारदर्शी व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यालय परिसर के आसपास के अवैध अतिक्रमण को हटाया जाना आवश्यक है। इससे लोगों को किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी या अतिरिक्त आर्थिक भार का सामना नहीं करना पड़ेगा।

वहीं, नगर निगम आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि आरटीओ कार्यालय से भेजा गया पत्र प्राप्त हो गया है। पत्र को परीक्षण एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को प्रेषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मामले का परीक्षण कर नियमानुसार जो भी उचित कार्रवाई होगी, वह की जाएगी। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने नगर निगम से कार्यालय परिसर के आसपास संचालित अवैध ठेला-गुमटियों एवं अन्य अतिक्रमणों को हटाने की मांग की है, ताकि नागरिकों को पारदर्शी और सुगम सेवाएं उपलब्ध हो सकें तथा शासकीय संस्थानों की विश्वसनीयता बनी रहे।

उधार का पैसे वापस नहीं मिलने पर बोलेरो वाहन ले जाने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर जिला मुख्यालय के कोतवाली थाना पुलिस ने उधार लिए गए पैसे वापस नहीं मिलने पर पीड़ित की बोलेरो वाहन जबरन अपने कब्जे में लेकर उसका इस्तेमाल करने के आरोप में पीड़ित की शिकायत पर दो आरोपितों को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल दाखिल कर दिया है। थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर ने बताया कि करीब चार माह पूर्व पीड़ित ने आरोपित सुमित पांडे से गाड़ी खरीदने के लिए एक लाख रुपये उधार लिए थे। प्रार्थी ने 30 हजार रुपये वापस कर दिए थे, जबकि 70 हजार रुपये देना शेष था। आरोप है कि सुमित और धीरज ने शेष 70 हजार रुपये की वसूली के लिए पीड़ित की नई बोलेरो गाड़ी को डरा-धमकाकर अपने कब्जे में ले लिया और उसका उपयोग निजी कार्यों में कर रहे थे। पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछ-ताछ की तो उन्होंने वाहन को छिपाकर रखने की बात सामने आई। साथ ही पुलिस द्वारा बार-बार पूछे जाने पर भी सही जानकारी नहीं दी। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर कार्रवाई उपरांत आज मंगलवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उन्हें जेल दाखिल कर दिया गया।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी को सर्व गुजराती समाज ने भेंट किया 51,001 रुपये का योगदान

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ. पी. चौधरी के जन्मदिवस के पर आज मंगलवार को सर्व गुजराती समाज ने श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक सहभागिता का परिचय देते हुए पहाड़ मंदिर में भगवान हनुमान की प्रतिमा स्थापना के लिए 51,001 रुपये का सहयोग प्रदान किया। सर्व गुजराती समाज के अध्यक्ष मुकेश जैन के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी को 51,001 रुपये का चेक भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने उनके जनहितकारी कार्यों, विकासोन्मुखी सोच और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की।

समाज के पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सर्व गुजराती समाज के भवन निर्माण की दिशा में मार्ग प्रशस्त करने और समाज की लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए वित्त मंत्री का विशेष आभार भी व्यक्त किया।

जिला अस्पताल धमतरी में शुरू हुई अत्याधुनिक जांच सुविधा

जिला अस्पताल में अब होगी 94 प्रकार की निशुल्क जांच

धमतरी। जिले के लोगों को अब आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच सुविधाओं के लिए निजी लैबों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी अटल आरोग्य लैब योजना के तहत जिला अस्पताल धमतरी में अत्याधुनिक प्रयोगशाला सेवाएं शुरू हो गई हैं। इस पहल से मरीजों को 94 प्रकार की जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं अब स्थानीय स्तर पर सुलभ हो सकेंगी। नई प्रयोगशाला में सीरोलॉजी, हीमेटोलॉजी, इम्यूनोएसे, हार्मोन एनालाइजर, इलेक्ट्रोलाइट एनालाइजर तथा क्लीनिकल पैथोलॉजी सहित कई महत्वपूर्ण जांच सुविधाएं उपलब्ध हैं। आगामी चरणों में जांच सेवाओं का और विस्तार किया जाएगा। योजना की खास बात यह है कि मरीजों को रिपोर्ट लेने के लिए बार-बार अस्पताल नहीं आना पड़ेगा। जांच पूरी होने के बाद रिपोर्ट सीधे मोबाइल फोन पर एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जाएगी, जिससे समय की बचत के साथ उपचार प्रक्रिया भी तेज और प्रभावी होगी। प्रदेशभर में लागू इस योजना के तहत 1,046 शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों को एकीकृत प्रयोगशाला नेटवर्क से जोड़ा गया है। जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 133 से अधिक प्रकार की जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना का संचालन सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल के तहत एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड की स्वास्थ्य सेवा इकाई हिंदलैब्स द्वारा किया जा रहा है।

आरंग स्थित स्टील प्लांट में लगी भीषण आग, जनहानि नहीं

रायपुर। रायपुर जिले के एक स्टील प्लांट में मंगलवार सुबह ब्लॉस्ट के कारण भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आरंग क्षेत्र स्थित मंदिर हसौद के मिवान स्टील लिमिटेड प्लांट में आग लगी है। काले धुंए का गुब्बार कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 5:30 बजे प्लांट में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और प्लांट के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया गया। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मौके पर पहुंच गई है। अधिकारियों की निगरानी में राहत और बचाव कार्य जारी है। फिलहाल आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। साथ ही अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले में तहसीलदार विनोद साहू ने बताया कि मिवान स्टील प्लांट में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई है। फायर ब्रिगेड, प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है। आग लगने के कारणों और नुकसान की जांच की जा रही है। मंदिर हसौद थाना प्रभारी ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया कि प्लांट के भीतर टर्बाइन लीकेज होने से आग लगी थी। राहत की बात रही कि घटना में जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड की मदद से 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है।

धमतरी : भीषण गर्मी में भी जलाशयों ने थामा जीवन का संबल

धमतरी। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बावजूद जिले के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त जल भंडारण बना हुआ है। महानदी जलाशय परियोजना एवं सोंदूर जलाशय परियोजना के ताज़ा आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि जिले में पेयजल आपूर्ति और आगामी खरीफ सीजन की शुरुआती जरूरतों को लेकर फिलहाल राहत की स्थिति बनी हुई है। जलाशयों में उपलब्ध जल किसानों और आम नागरिकों के लिए उम्मीद की किरण बना हुआ है।

रविशंकर सागर जलाशय गंगरेल का वर्तमान जल स्तर 343.69 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय की कुल उपयोगी जल भराव क्षमता 767 मिलियन घन मीटर है, जिसके मुकाबले वर्तमान में 362.97 मिलियन घन मीटर उपयोगी जल उपलब्ध है। यह कुल क्षमता का 47.32 प्रतिशत है। जलाशय में 1456 क्यूसेक पानी की आवक तथा 1100 क्यूसेक जावक दर्ज की गई है, जिससे जल स्तर संतुलित बना हुआ है। मुरूमसिल्ली जलाशय जिले के जलाशयों में सबसे बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। यहां वर्तमान जल स्तर 375.10 मीटर दर्ज किया गया है तथा कुल उपयोगी क्षमता के मुकाबले 82.70 प्रतिशत जल भंडारण उपलब्ध है। वहीं दुधावा जलाशय में 423.57 मीटर जल स्तर के साथ 221.92 मिलियन घन मीटर उपयोगी जल संग्रहित है, जो इसकी कुल क्षमता का 78.11 प्रतिशत है। सोंदूर जलाशय में भी संतोषजनक स्थिति बनी हुई है। यहां वर्तमान जल स्तर 1506.84 मीटर दर्ज किया गया है। 180 मिलियन घन मीटर की कुल उपयोगी भराव क्षमता वाले इस जलाशय में वर्तमान में 113.323 मिलियन घन मीटर जल उपलब्ध है, जो कुल क्षमता का लगभग 63.08 प्रतिशत है। जल संसाधन विभाग के अनुसार जलाशयों में मौजूद यह जल भंडारण आगामी खरीफ सीजन की प्रारंभिक सिंचाई आवश्यकताओं और पेयजल आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। विभाग द्वारा सभी प्रमुख जलाशयों के जल स्तर की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि जरूरत के अनुसार जल प्रबंधन और वितरण सुचारु रूप से किया जा सके। भीषण गर्मी के दौर में जलाशयों की यह स्थिति जिले के लिए राहतभरी खबर मानी जा रही है।

वैभव सूर्यवंशी बेस्ट ओपनर

कौन बेस्ट फिनिशर- IPL 2026 के लिए दिग्गज ने किया सर्वश्रेष्ठ पारी, स्पिनर, पेसर, बैटर का चयन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के बाद अब क्रिकेट जगत के दिग्गज अपना-अपना विश्लेषण बता रहे हैं। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर और दिग्गज कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कई मायनों में बेस्ट खिलाड़ियों का चयन किया है। उन्होंने बेस्ट ओपनर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट पारी, बेस्ट बॉलर समेत कई कैटेगरी में खिलाड़ी चुने हैं। वैभव सूर्यवंशी को बेस्ट ओपनर और राजस्थान के ही एक खिलाड़ी को उन्होंने बेस्ट फिनिशर के तौर पर चुना है। आकाश चोपड़ा ने एक्स हैंडल पर मंगलवार (2 जून 2026) की सुबह एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों का अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर चयन किया। उन्होंने बेस्ट पारी, बेस्ट ओपनर, बेस्ट बॉलिंग स्पेल, बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर, बेस्ट फिनिशर, बेस्ट फास्ट बॉलर और बेस्ट स्पिन बॉलर चुने।

- **बेस्ट पारी-** आकाश चोपड़ा ने केएल राहुल की 67 गेंद पर नाबाद 152 रन की पारी को इस सीजन की बेस्ट इनिंग बताया। आईपीएल इतिहास में यह किसी भारतीय खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर भी रहा। वह आईपीएल में 150 का आंकड़ा पार करने वाले पहले भारतीय थे। उन्होंने कहा विराट, शुभमन और वैभव की कई पारियां थीं लेकिन बेस्ट पारी राहुल की थी।
- **बेस्ट बॉलिंग स्पेल-** भारतीय दिग्गज ने मोहसिन खान के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खोले गए पंजे को बेस्ट बॉलिंग स्पेल बताया। उन्होंने कहा कि भुवी और हेजलवुड के भी कई शानदार स्पेल थे, लेकिन पांच विकेट को उन्होंने आईपीएल मैच में तवज्जो दी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मोहसिन ने राजस्थान के खिलाफ लीग मैच में 4 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट लिए थे।
- **बेस्ट ओपनर-** वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। वह पूरे सीजन अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरते रहे। उन्होंने एक सीजन में रिकॉर्ड 72 छक्के भी लगाए। इसी कारण आकाश चोपड़ा ने बिना किसी सस्पेंस के वैभव को सीजन का बेस्ट ओपनर चुना।
- **बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर-** सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल 2026 में 624 रन बनाने वाले स्टार खिलाड़ी हेनरिक क्लासेन को आकाश ने सीजन का बेस्ट मिडिल ऑर्डर बैटर चुना है। क्लासेन ने पूरे सीजन हैदराबाद के मिडिल ऑर्डर का बोझ संभाला है। चोपड़ा ने कहा, रजत पाटीदार, श्रेयस अय्यर भी रेस में थे लेकिन हेनरिक क्लासेन ही बेस्ट रहेंगे।
- **बेस्ट फिनिशर-** आकाश चोपड़ा ने राजस्थान रॉयल्स के डोनोवन फरेरा को आईपीएल 2026 का बेस्ट फिनिशर चुना। उनका स्ट्राइक रेट करीब 180 का रहा। उन्होंने क्वालिफायर 2 में भी 11 गेंद पर 38 रन बनाकर स्कोर 200 पार पहुंचाया था। यही कारण है कि उनकी शानदार हिटिंग एबिलिटी की वजह से फरेरा को चोपड़ा ने सीजन का बेस्ट फिनिशर बताया।

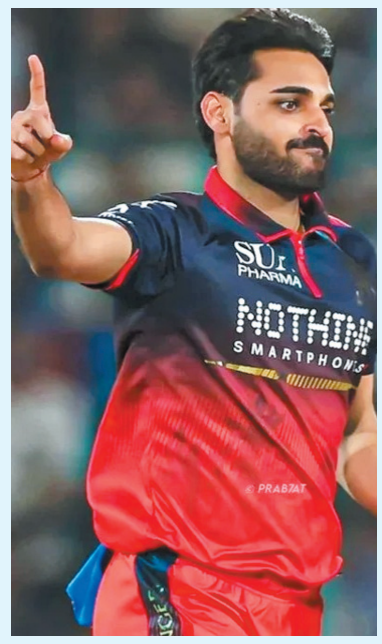

- **बेस्ट फास्ट बॉलर-** भुवनेश्वर कुमार 28 विकेट लेकर इस सीजन सबका दिल जीतने में कामयाब रहे। वह एक विकेट से पर्पल कैप से पीछे रहे लेकिन उन्होंने बेहतरीन इकॉनमी से गेंदबाजी की। आकाश चोपड़ा ने उन्हें सीजन का बेस्ट पेसर चुना और कहा कि उन्होंने अलग-अलग फेज में अलग-अलग मैदानों पर गेंदबाजी करके विकेट लिए और किफायती रहे।

- **बेस्ट स्पिन बॉलर-** आकाश चोपड़ा ने अपने खास सेलेक्शन की इस आखिरी कैटेगरी में राशिद खान को सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना। राशिद ने पूरे आईपीएल 2026 में 17 मैचों में 21 विकेट अपने नाम किए। वह टॉप 10 में एकमात्र स्पिनर रहे जिसने सबसे ज्यादा विकेट इस सीजन रहे। यही कारण है कि भारतीय कमेंटेटर ने भी उन्हें सीजन का बेस्ट स्पिनर चुना।

2027 में पहला मैच नहीं खेल पाएंगे टिम डेविड

फाइनल में अंपायर नितिन मेनन की ओर फेंका था आईस बैग

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाड़ी टिम डेविड पर रविवार (31 मई) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्हें दो डिमेरिट अंक भी मिले। डेविड पर जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि उन्होंने पहली पारी के 10वें ओवर के दौरान अंपायर नितिन मेनन की तरफ गुस्से में आइस बैग फेंका था।

आईपीएल ने कहा, 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज टिम डेविड पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहित के लेवल 1 को तोड़ने के लिए दो डिमेरिट अंक भी दिए गए हैं। डेविड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो मैच के दौरान किसी खिलाड़ी, टीम ऑफिशियल, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति पर या उसके पास गलत या खतरनाक तरीके से गेंद या कोई दूसरा सामान जैसे पानी की बोतलफेंकने से जुड़ा है।'

डेविड दो बार और कर चुके हैं लेवल 1 का उल्लंघन- डेविड के आईपीएल 2026 में पांच डिमेरिट अंक हो गए। इसके कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। डेविड ने इस सीजन तीसरी बार लेवल 1 का उल्लंघन किया। उन्होंने पहली बार मैच 20 (एक डिमेरिट अंक) में और दूसरी बार मैच 54 (दो डिमेरिट अंक) में लेवल 1 का उल्लंघन किया था।

फ्रेंच ओपन 2026

माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

पेरिस। माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

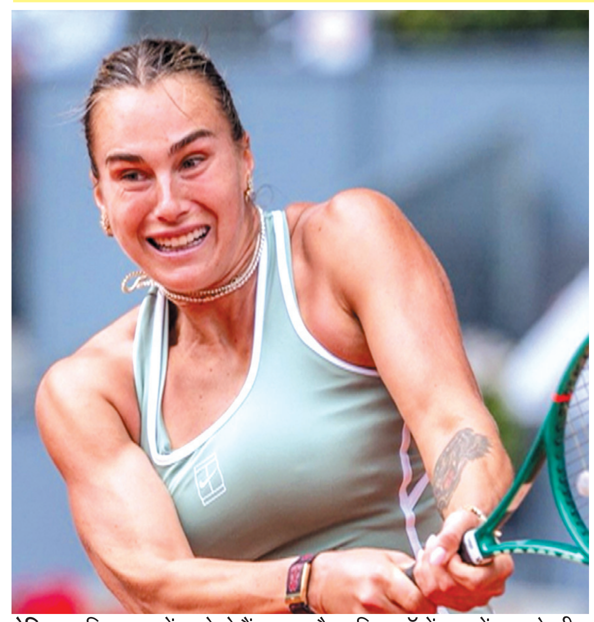

पेरिस। एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आई। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

आईसीसी बैठक में हुआ फैसला

टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

● 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी- मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा-** भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच-** आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

● आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 ।ष्ठ पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

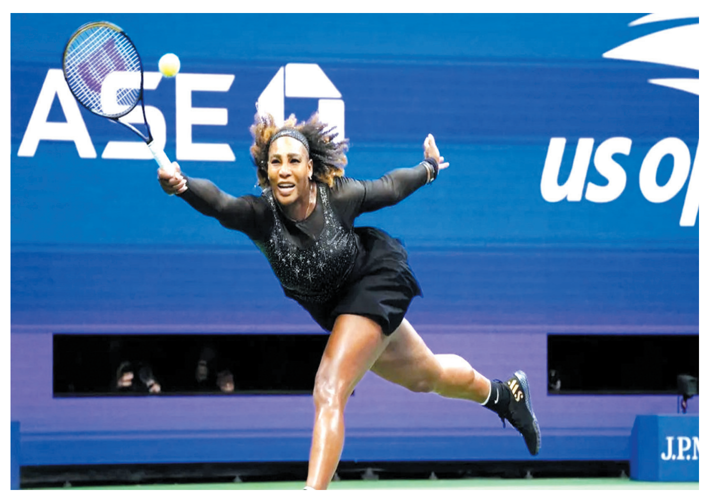

घर से पति के काम पर जाने के बाद महिलाओं को तुरंत नहीं करने चाहिए ये 6 काम

शकुन-अपशकुन और शुभ-अशुभ कार्यों को लेकर कई लोक मान्यताएं चली आ रही हैं। अक्सर घर के बड़े-बुजुर्ग हमें इनका पालन करते को कहते हैं। इसी प्रकार कुछ ऐसे कार्य भी हैं जिन्हें पत्नी को पति के घर से जाने के तुरंत बाद नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है और ये जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं।हिंदू धर्म में ऐसी कई मान्यताएं हैं जिनका पालन अक्सर हमें घर के बड़े-बुजुर्ग करने को कहते हैं। क्योंकि इन्हें शकुन-अपशकुन से जोड़ा जाता है। इसी तरह कुछ कार्य हैं जिन्हें घर के किसी सदस्य के बाहर जाने के तुरंत बाद करना वर्जित माना जाता है। वैसे तो इन बातों का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। लेकिन लोक मान्यता है कि पति के काम पर जाने के तुरंत बाद महिलाओं को घर में कुछ काम नहीं करने चाहिए क्योंकि, इन्हें शुभ नहीं माना जाता है। आइए विस्तार से जानें की वे कौन-कौन से कार्य हैं जो पति के बाहर जाने के बाद पत्नी को नहीं करने चाहिए।

बालों में कंघा करना

अगर आप पति के काम पर जाने के तुरंत बाद बाल खोलती हैं या कंघा करती हैं तो ऐसा करना बंद कर देना चाहिए। लोक मान्यता है कि इससे प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। माना जाता है कि तुरंत कंघा करने व बाल खोलने से घर में आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। जिसके चलते परिवार का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है।

तुरंत न मारें झाड़ू-पोछा

मान्यता है की पति के घर से बाहर जाने के तुरंत बाद पत्नी या घर के किसी भी सदस्य को घर में झाड़ू नहीं लगानी चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। इससे माता लक्ष्मी रुष्ट हो सकती हैं और पति जिस काम के लिए गए हों उन्हें उसमें बाधा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पति के तुरंत जाने के बाद घर से कूड़ा बाहर नहीं करना चाहिए।

न करें स्नान

अक्सर पति के घर से जाने के बाद महिलाएं अपने काम पूरा करके नहाने चली जाती हैं। लेकिन मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। इसे लेकर कहा जाता है कि किसी मनुष्य की मृत्यु के बाद जब घर से उसकी अंतिम विदाई हो जाती है तो तुरंत लोग स्नान करने चले जाते हैं। यही कारण है कि पति के जाने के तुरंत बाद स्नान करना शुभ नहीं माना जाता है।

श्रृंगार उतारना या बदलना

मान्यता है कि पति के जाने के तुरंत बाद महिलाओं को श्रृंगार उतारना या बदलना चाहिए। ऐसा करना सुहागिन महिलाओं के लिए शुभ नहीं माना जाता है। इसलिए कुछ समय रुकने के बाद ही विवाहित महिलाओं को श्रृंगार करना या अपने गहने बदलने चाहिए।

घर के बाहर पानी डालना

पति के जाने के बाद इस बात का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए कि उनके जाते ही आप घर के बाहर पानी न डालें। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है और इससे घर की लक्ष्मी जा सकती है। वहीं, सुहाग के लिए भी इसे अच्छा नहीं माना जाता है। साथ ही, पति के घर से जाते वक्त कोई भी पानी का बर्तन, बाल्टी आदि खाली करके नहीं रखनी चाहिए। यदि कोई पानी का पात्र खाली हो तो उसे उल्टा करके रख देना चाहिए। क्योंकि, घर से निकलते समय खाली पात्र देखना अच्छा नहीं माना जाता है।

ज्योतिष-वास्तु के उपायों से पाएं शांत और सफल जीवन

कार्यालयों में भी जो कर्मचारी अग्निकोण में बैठते हैं, उनका स्वभाव आक्रमक होने लगता है। अगर बॉस का कमरा अग्निकोण में हो, तो कर्मचारियों पर अक्सर बॉस का गुस्सा उतरता है। अतः वास्तुशास्त्र के अनुसार मालिक या उच्च पदस्थ व्यक्तियों को अग्निकोण की जगह नैऋत्य कोण यानि दक्षिण-पश्चिम दिशा में बैठकर कार्यालय की गतिविधियों का संचालन करना चाहिए। यदि बहुत अधिक क्रोध आता है तो प्रयास करने के बाद भी नियंत्रित न हो रहा हो तो वास्तु के इन महत्वपूर्ण नियमों को अवश्य देखा जाना चाहिए।

सोते समय सिर हमेशा पूर्व अथवा दक्षिण दिशा की ओर करें, सिरहाने की तरफ क्रिस्टल बॉल अथवा एक प्लेट में फिटकरी का टुकड़ा रखें। अगर जन्मकुण्डली में चन्द्रमा का सम्बन्ध शुभ भाव से हो अथवा चन्द्रमा लग्नेश जैसी शुभ भूमिका में हों, तो ही मोती धारण करें। मोती को विशेष प्रभावशाली बनाने के लिए सोमवार के दिन शुभ मुहूर्त देखकर मोती के नीचे चांदी का अर्द्धचन्द्रमा जड़वाकर क्रोधी व्यक्ति के गले में धारण कराऐं। घर अथवा कार्यालय के अग्निकोण में नहीं बैठना चाहिए। जब क्रोध आए, तो गुरू मंत्र का जप अथवा अपने पूज्य माता एवं पिता का स्मरण करना चाहिए।

प्रतिदिन सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम करें जिससे

तन-मन दोनों की शक्ति का विकास हो सके। क्रोध जैसी व्याधियों पर विजय पाने के लिए एवं स्वस्थ निरोगी जीवन जीने के लिए प्राणायाम और सूर्य नमस्कार अचूक अस्त्र है। क्रोध शांत करने हेतु जन्मकुण्डली में जो ग्रह सर्वाधिक बलवान, योगकारक अथवा षोडषवर्गीय कुण्डली के हर वर्ग में जिस ग्रह को विशेष बल प्राप्त हो, उस ग्रह से सम्बन्धित देवी-देवता की आराधना जीवन में विशेष उन्नतिदायक एवं क्रोध शमन हेतु कारगर मानी गई है।

गीता में योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने मनुष्य के पतन के तीन कारण बताए हैं, काम, क्रोध और लोभ। ये ऐसे विकार हैं जो मनुष्य को प्रतिकूल स्थिति की ओर ले जाते हैं। जो व्यक्ति जीवन में किसी चीज या स्थिति से असन्तुष्ट हैं, वे अधिक क्रोध करते हैं। ज्योतिष शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र का उद्देश्य मनुष्य के विकारों को न्यूनतम कर उसके जीवन में सुख-समृद्धि की वृद्धि करना है।

दीवारों की सीलन छीन सकती है आपका सुख और चैन ! वास्तु एक्सपर्ट से जानें असर और उपाय

घरों में दीवारों पर सीलन का दिखना आम बात है। अकसर लोग इसे छोटी समस्या समझ कर अनदेखा कर देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे वास्तु दोष का गंभीर कारण माना जाता है। वास्तु एक्सपर्ट कहते हैं कि यह समस्या आपके घर की दीवारों को कमजोर करने के साथ-साथ आपके परिवार के सुख-चैन भी छीन सकती है। घर में सीलन और नमी नकारात्मक ऊर्जा का सबसे बड़ा कारण होती है। इसके कारण परिवार के सदस्यों को मानसिक, शारीरिक समस्याओं के साथ व्यवसाय और करियर में भी परेशानियां झेलनी पड़ती हैं। चलिए वास्तु एक्सपर्ट मान्या से जानते है कि सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को घर से कैसे दूर करें।

सीलन का स्वास्थ्य पर असर

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, सीलन और नमी की वजह से दीवारों पर जमी फंगस घर की हवा को जहरीली बना देती है, जिसका सीधा असर आपके शरीर पर पड़ता है। इसके कारण फेफड़ों में संक्रमण, सांस

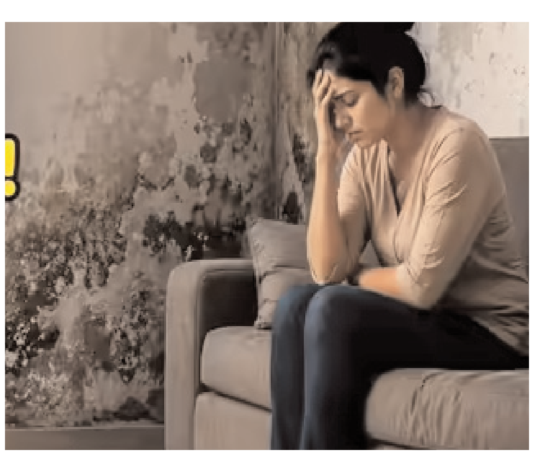

लेने में परेशानी, अस्थमा समेत कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ ही घर में लगातार सीलन रहने से चिड़चिड़ापन और तनाव भी बढ़ता है। ऐसे में आप हर वक्त थके हुए महसूस करते हैं और बेचैन रहते हैं।

अलग-अलग दिशाओं में सीलन का प्रभाव

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि जिस दिशा की दीवार पर सीलन आती है, उस दिशा से जुड़ी चीजें प्रभावित होने लगती हैं। सीलन का घर के सदस्यों के स्वास्थ्य, मानसिक शांति और आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ता है।

उत्तर दिशा: अगर उत्तर दिशा की दीवार पर सीलन है तो व्यापार में नए अवसर आना बंद हो जाते हैं और बनी-बनाई हुई डील भी हाथ से निकल जाती है।

दक्षिण-पश्चिम दिशा: वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा को वित्तीय स्थिरता, आय और विकास का प्रमुख स्थान माना जाता है। अगर इस दिशा में सीलन है, तो पैसा पानी की तरह बहने लगता है। इसके साथ ही, परिवारिक रिश्तों में दरार आने लगती है और पति-पत्नी के बीच झगड़े बढ़ते हैं।

दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम: घर की इस दिशा को डिस्पोजल की दिशा माना जाता है। इस दिशा में नमी या रिसाव होने से घर के सदस्यों की ऊर्जा खत्म होने लगती है। अनावश्यक खर्चे बढ़ते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं की संभावना कई गुणा बढ़ जाती है।

पूर्व दिशा: वास्तु गुरु मान्य के अनुसार, घर की पूर्व दिशा की दीवार में नमी होने से समाज में नाम और प्रसिद्धि पर असर पड़ता है। लोगों के साथ आपके रिश्ते खराब होने लगते हैं और पिता-पुत्र के रिश्ते में भी तनाव आता है।

पश्चिम दिशा: घर की पश्चिम में मौजूद सीलन आपका लाभ को रोकने का काम करती है। आप जितनी भी मेहनत कर लें, आपको सही नतीजा नहीं मिलता।

वास्तु दोष दूर करने के आसान उपाय

वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, दीवारों पर सीलन की मौजूदगी घर में धन के प्रवाह को रोकने का काम करती है। ऐसे में कुछ आसान वास्तु उपायों की मदद से आप सीलन और नमी के कारण उत्पन्न वास्तु दोष को दूर कर सकते हैं।

कपूर का उपाय: घर के जिस कोने में सीलन हो सबसे पहले वहां की सफाई करें और वहां एक कटोरी में कपूर रख दें। ये नकारात्मक ऊर्जा और बदबू दोनों को खत्म करती है।

सेंधा नमक का पोछा: हफ्ते में दो या तीन बार पानी में थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर पोंछा लगाएं। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा द्वार होती है। गुरुवार के दिन पोछा लगाने से बचें।

घर में सूरज की रोशनी: कोशिश करें की सीलन वाले कमरे में सूरज की रोशनी जरूर पड़े। सूर्य की किरणें वास्तु दोष को प्राकृतिक तरीके से ठीक करने का काम करती हैं।

घर में टपकता हुआ नल: अगर दीवार के अंदर कोई पाइप लीक हो रही है तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। वास्तु में बहता हुआ पानी या टपकता हुआ नल आर्थिक नुकसान का सबसे बड़ा कारण माना जाता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है। उनकी योजना से अच्छा फल मिलेगा। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों की सलाह आपके खूब काम आएगी। छोटे बच्चों के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। आपको परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आप कोई फैसला थोड़ा सोच समझकर लें, तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी, जिससे आपका धन को लेकर कोई काम नहीं रूकेगा।

वृषभ आज का दिन आपके व्यक्तित्व में निखार लेकर आएगा। आप अपने कामों में पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे, जिससे उन्हें पूरा करके ही आगे बढ़ेंगे। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको किसी काम को करने में यदि समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आध्यात्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी।

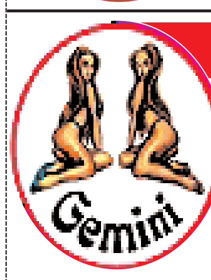

मिथुन आज का दिन आपके लिए बहुत ही जोश से भरा रहने वाला है। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होने से मन काफी खुश रहेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य में गिरावट आने से आज आपको तनाव बना रहेगा। जीवनसाथी यदि आपसे नाराज चल रही थी, तो आपको उन्हे मनाने की पूरी कोशिश करनी होगी।

कर्क आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको कोई महत्वपूर्ण फैसला बहुत ही सोच विचारकर लेने की आवश्यकता है। आप किसी की कहीसुनी बातों पर भरोसा ना करें। जीवनसाथी के लिए आप कोई सरप्राइज गिफ्ट लेकर आ सकते हैं। आपके रहन-सहन के स्तर में सुधार आएगा। आप अपने कामों को लेकर मनमौजी ना रहें। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे।

सिंह आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान दें। आपको कुछ महत्वपूर्ण लोगों से बातचीत करते समय अपने कान और आंख खुले रखने होंगे। किसी नए काम की शुरुआत आप किसी एक्सपर्ट की राय लेकर करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको किसी नई नौकरी से ऑफर आ सकता है, लेकिन अभी आप पुरानी में ही टिके रहे तो आपके लिए बेहतर रहने वाला है।

कन्या आज का दिन आपके लिए रुपए-पैसे के मामले में सावधान रहने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा, जिससे आपका मन भी परेशान रहेगा। आपको कोई लेनदेन खुलकर करना होगा, नहीं तो आपके साथ धोखा हो सकता है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेने की आवश्यकता है।

तुला आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहने वाला है। आपके परिवार में कोई वाद-विवाद फिर से सिर उठाएगा। जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। सिंगल लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती हैं। आप किसी को भी बिना मांगे सलाह देने से बचें। आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों से एक नई पहचान मिलेगी।

वृश्चिक आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आप अपने कारोबार में चल रही समस्याओं को लेकर किसी एक्सपर्ट से सलाह ले सकते हैं। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। जो जातक नौकरी में कामों को लेकर परेशान हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना होगा। आपको अपने पारिवारिक रिश्तों को बेहतर बनाए रखने के लिए अपने कामों पर फोकस बनाने की आवश्यकता है।

धनु आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। टेक्निकल क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को किसी बड़े काम को करने का मौका मिलेगा। व्यापार में आपको अच्छा मुनाफा मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आप बिजनेस को लेकर किसी यात्रा पर जा सकते हैं। आपको अपने कामों को लेकर भागदौड़ अधिक रहेगी।

मकर आज का दिन आपके लिए रूपए-पैसे के मामले में सोच समझकर चलने के लिए रहेगा। आप अपनी डाइट पर कंट्रोल करके रखें। दोस्तों के साथ घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं। आपको किसी काम में निवेश बहुत ही सोच समझकर करने की आवश्यकता है। आपको अपने जीवनसाथी से कुछ भी छुपाने से बचना होगा। निजी मामलों में आपको तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। जो जातक सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप कामों को लेकर बेवजह टेंशन ना लें। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। जीवनसाथी के साथ आपकी किसी बात को लेकर अनबन हो सकती है। आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ एकांत में समय बिताएंगे। संतान को तरक्की करते देख आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर आपको खुशी होगी।

मीन आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। आप कार्य क्षेत्र में अपने बॉस से कोई जरूरी बात करने में सोच विचार अवश्य करें। यदि आप धन की कमी को लेकर लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो आपकी वह समस्या दूर हो सकती है, क्योंकि आपको रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देना होगा। किसी काम को करने में आपको अपने भाइयों से मदद लेनी होगी, तभी उसके पूरे होने की संभावना है। संतान किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

चेन्नई में निर्माण स्थल पर अस्थायी ढांचा गिरा, झारखंड के प्रवासी श्रमिक की मौत

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में एक निर्माणाधीन स्थल के श्रमिक शिविर में लोहे का अस्थायी ढांचा गिरने से झारखंड के एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। इसके साथ ही इस हादसे में 35 लोग घायल हो गए। रविवार देर रात यह हादसा उस समय हुआ, जब आईपीएल का फाइनल मैच चल रहा था। लगभग सौ से अधिक श्रमिक शांति नगर मेन रोड पर स्थित अस्थायी आवासीय परिसर में मोबाइल फोन और अन्य पोर्टेबल उपकरणों पर मैच देख रहे थे। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि बड़ी संख्या में श्रमिक दो मंजिला औद्योगिक शेड की पहली मंजिल पर बने अस्थायी ऊंचे रैंप और प्लेटफार्म पर एकत्र हो गए थे। पुलिस के अनुसार, भीड़ बढ़ने और लोगों के रेलिंग पर झुकने के कारण यह अस्थायी ढांचा भार नहीं सह सका और अचानक ढह गया। इससे श्रमिक लगभग 15 फुट नीचे भूतल पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद आपातकालीन सेवा कर्मियों, पुलिस और शिविर में मौजूद अन्य श्रमिकों ने राहत अभियान शुरू किया। आपातकालीन सेवाओं के कर्मचारियों ने झारखंड के मूल निवासी ब्रिंजी मांझी सहित 21 घायल श्रमिकों को गिंडी के सरकारी कलैग्नार शताब्दी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया। सिर में गंभीर चोट लगने से मांझी को बाद में राजीव गांधी सरकारी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान सोमवार तड़के उनकी मृत्यु हो गई। अन्य घायल श्रमिकों को पोरूर स्थित श्रीरामचंद्र मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, कोलकाता निवासी सुखानी नामक एक अन्य श्रमिक की हालत गंभीर बनी हुई है।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा में नहीं उतरवाए जाएंगे कलावा और मंगलसूत्र

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आठ, नौ और 10 जून को आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा में 42048 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए 20 केंद्र बनाए गए हैं। नकलविहीन और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, फेस मिलान और लाइव सीसी कैमरे निगरानी समेत सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की जांच के दौरान कलावा व मंगलसूत्र नहीं उतरवाए जाएंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक संचालित होगी। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले केंद्रों पर पहुंचना होगा, ताकि जांच और सत्यापन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

2-3 दिन में दस्तक देगा मानसून, दिल्ली-यूपी-बिहार समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

लखनऊ, पटना, दिल्ली, एजेंसी। देश के मौसम मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि दक्षिण पश्चिम मानसून किसी भी वक्त केरल में दस्तक दे सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड सहित देश के 17 राज्यों में भारी बारिश, ओलावृष्टि और 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है। अगले 2-3 दिनों के भीतर दक्षिण-पश्चिम मानसून के केरल में प्रवेश करने के लिए परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हैं। जिसके चलते पूर्वोत्तर और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में 50 से 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गंभीर तूफान आने और ओलावृष्टि की संभावना है।

दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में 1 से 5 जून के बीच हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक की संभावना है। विशेषकर 3 और 4 जून को 50-70 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

पश्चिमी यूपी में 3 और 4 जून को तेज आंधी (50-70 किमी/घंटा) की चेतावनी है, जबकि 2 और 5 जून को बारिश के आसार हैं। उत्तराखंड में 6 जून गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ मध्यम वर्षा जारी रहेगी। राजस्थान में 2 जून को तूफानी हवाएं चलेंगी और 3-5 जून के दौरान अलग-अलग हिस्सों में बारिश होगी। जम्मू-कश्मीर में 3 से 5 जून के दौरान तेज आंधी और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि की संभावना है। 6 जून को भी बारिश हो सकती है। पश्चिमी एमपी में 2-3 जून को भारी बारिश होगी और पूर्वी एमपी में 5 जून तक हल्की बारिश जारी रहेगी। छत्तीसगढ़ और विदर्भ (महाराष्ट्र) में 2 से 5 जून के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। गुजरात में 4 जून के बीच गरज-चमक के साथ बारिश होगी। केरल और माहे में 3 से 7 जून के दौरान कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। तमिलनाडु और पुडुचेरी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा और पूरे सप्ताह गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। आंध्र प्रदेश में 2 जून को भी बारिश की संभावना है। तेलंगाना में 5 जून तक हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। अगर बात करें पूर्वी भारत की तो बिहार में 5 और 6 जून को तथा झारखंड में पूरे सप्ताह गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 4 से 6 जून के बीच भारी बारिश होगी। ओडिशा में 2 जून को 70 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलेंगी, जबकि 3 से 5 जून के बीच भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 1 से 7 जून तक भारी बारिश जारी रहेगी। असम और मेघालय में 4 से 7 जून के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 6 और 7 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। आमतौर पर केरल में एक जून के आसपास मानसून पहुंचता रहा है। आईएमडी ने पहले 26 मई को केरल में मानसून के आगमन की भविष्यवाणी की थी, लेकिन अल नीनो की मानसून में देरी हुई। विभाग ने 29 मई को कहा था कि यह अगले सप्ताह पहुंच सकता है। साथ ही कहा था कि इस वर्ष सामान्य से कम वर्षा होगी। इसकी वजह अल-नीनो की स्थिति का उभरना हो सकता है, जो भारत में मानसून के दौरान कम वर्षा का कारण बनता है।

बेनीवाल की बयानबाजी पर कैलाश चौधरी की दो टूक, बोले- राजनीति में भाषा की मर्यादा जरूरी

जयपुर, एजेंसी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश चौधरी ने प्रदेश में चल रही राजनीतिक बयानबाजी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल द्वारा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर प्रतिक्रिया दी है। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीति हमेशा शालीन और मर्यादित रही है तथा ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए जिससे किसी की भावनाएं आहत हों। कैलाश चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने और विरोध करने का पूरा अधिकार है लेकिन सार्वजनिक जीवन में शब्दों की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। उनका कहना था कि राजनीतिक नेताओं का आचरण और भाषा समाज पर प्रभाव डालती है, जो लोग नेताओं का अनुसरण करते हैं, वे भी उसी प्रकार की भाषा और व्यवहार को अपनाने लगते हैं। इसलिए राजनीतिक संवाद में संयम और गरिमा बनाए रखना जरूरी है। हनुमान बेनीवाल के उस बयान पर जिसमें उन्होंने राजस्थान से भाजपा का सूपड़ा साफ होने और पार्टी के तीसरे नंबर पर पहुंचने की बात कही थी, कैलाश चौधरी ने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति है। राजस्थान में भाजपा की सरकार है, केंद्र में भाजपा की सरकार है और देश के अधिकांश राज्यों में पार्टी का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में भी भाजपा लगातार अपना जनाधार मजबूत कर रही है। ऐसे में राजस्थान से भाजपा को हटाना असंभव है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है। संतों के आंदोलनों और गौसेवा से जुड़े मुद्दों पर भी कैलाश चौधरी ने भाजपा का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि संतों का सम्मान भाजपा की प्राथमिकताओं में शामिल है और पार्टी ने हमेशा सनातन परंपरा, गौसेवा और संत सेवा को आगे बढ़ाने का काम किया है।

आगरा नहर किनारे दिखा 12 फुट लंबा अजगर, लोगों में दहशत

फरीदाबाद, एजेंसी। सोतई गांव के समीप आगरा नहर के किनारे सोमवार को अजगर दिखाई देने से लोगों के बीच भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने वन्य एवं प्राणी विभाग को इसकी सूचना दी। इसी बीच अजगर धीरे-धीरे आगरा नहर में चला गया। ग्रामीणों ने बताया कि नहर के किनारे अकसर अजगर दिखाई देते हैं। दोपहर के समय अजगर देखकर लोग डर गए। सड़क पर धीरे-धीरे वाहन चालक एकत्रित होने लगे। कुछ लोगों ने इसकी वीडियो भी रिकार्ड कर ली। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने वन्य एवं प्राणी विभाग को सूचना दी। रेस्क्यू के लिए टीम के पहुंचने से पहले ही अजगर नहर की ओर चला गया। ग्रामीणों के अनुसार गर्मी अधिक होने के कारण कई बार अजगर सड़क पर आ जाते हैं। इस अजगर की लंबाई दस से 12 फुट थी। बता दें कि वन क्षेत्र और नहर के किनारे बसे रिहायशी एरिया में अकसर अजगर दिखाई देते हैं।

पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए नई गाइड, मानव-वन्यजीव संघर्ष से परे सह-अस्तित्व की कहानियां सामने लाने की प्रेरणा देती है

मुंबई, एजेंसी। क्लाइमेट नैरेटिव हब (सीएनएच), जो दसरा और मोमेंटम शिफ्ट्स की पहल है और रेनमैटर फाउंडेशन के सहयोग से संचालित है, ने पत्रकारों और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक नई गाइड जारी की है। यह गाइड उन लोगों के लिए है जो मानव-वन्यजीव से जुड़ी कहानियों को कवर करते हैं। आमतौर पर ऐसी रिपोर्टिंग में मृत्यु या हमलों जैसे संघर्ष के पहलुओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, लेकिन यह गाइड बताती है कि ऐसा नजरिया अक्सर यह समझने में कमी छोड़ देता है कि इंसान और वन्यजीव एक ही स्थान पर कैसे साथ रहते हैं। नेटवर्क फॉर कंजर्विंग सेंट्रल इंडिया, वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी-इंडिया, को-एक्सिस्टेंस कंसोर्टियम, द कॉर्बेट फाउंडेशन, विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी और द नेचर कंजर्वेंसी- इंडिया सहित कई संगठनों, पत्रकारों और संपादकों के साथ मिलकर तैयार की गई यह गाइड रिपोर्टर्स को अपनी कहानी कहने के तरीके को और व्यापक बनाने के लिए प्रेरित करती है। इसमें बढ़ते मानवङ्कवन्यजीव संघर्ष के पीछे के कारणों को समझने पर जोर दिया गया है। गाइड के मुताबिक, सिर्फ यह बताना कि कोई जानवर गांव या शहर में आ गया, काफी नहीं है। रिपोर्टर्स को यह सवाल भी उठाना चाहिए कि वह वहां क्यों आया? क्या आवास हानि, निर्माण कार्य, जलवायु परिवर्तन या आहार की उपलब्धता में बदलाव इसके पीछे कारण हैं? यह संसाधन सह-अस्तित्व के पहलुओं को भी शामिल करने के लिए प्रेरित करता है, जैसे कि समुदाय अपने व्यवहार में कैसे बदलाव लाते हैं, अपनी गलतियों से क्या सीखते हैं, और वन्यजीव के साथ रहते हुए जोखिम को कम करने के लिए कौन-सी रणनीतियां अपनाते हैं। इस टूल के माध्यम से पत्रकारों, कहानीकारों और इंफ्लुएंसर्स को यह समझने के लिए प्रेरित किया जाता है कि स्थानीय समुदाय, खासकर जंगलों में रहने वाले और आदिवासी समुदाय, वन्यजीव को कैसे समझते और उनसे कैसे निपटते हैं।

गुजरात में 28 दिन डिजिटल अरेस्ट रहा बुजुर्ग, सीबीआई-ईडी के नाम पर 1.47 करोड़ की ठगी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात से साइबर धोखाधड़ी का एक मामला सामने आया है, जहां 72 वर्षीय एक व्यक्ति को हाल ही में 1.47 करोड़ रुपये की भारी राशि की ठगी का शिकार होना पड़ा। पीड़ित को लगभग 28 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' का सामना करना पड़ा। इसने जांच एजेंसियों के बीच व्यापक चिंता पैदा कर दी है। गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा विंग ने इस बुजुर्ग पीड़ित के मामले का उल्लेख किया, जिसे धोखेबाजों ने पुलिस, सीबीआइ और ईडी जैसी विभिन्न केंद्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों के रूप में पेश किया। साइबर विंग के अधिकारियों ने बताया कि वीडियो काल और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते हुए धोखेबाजों ने 'पीड़ित को गंभीर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए एक विस्तृत कहानी बनाई।' धोखेबाजों ने दावा किया कि व्यक्ति के डिजिटल क्रेडेंशियल्स से समझौता किया गया है और उन्हें आपराधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है। दबाव बढ़ाने के लिए उन्होंने उसे 'डिजिटल निगरानी' या 'डिजिटल अरेस्ट' के तहत रखा, जिससे उसकी अन्य लोगों के साथ बातचीत सीमित हो गई और उसकी गतिविधियों की लगातार निगरानी की गई। 'फंड सत्यापन' और 'मामले के समापन' के बहाने धोखेबाजों ने व्यक्ति को कई लेनदेन से बड़ी राशि ट्रांसफर करने के लिए मनाया। यह मानते हुए कि वह अपने नाम को साफ करने के लिए आधिकारिक प्रक्रियाओं का पालन कर रहा है पीड़ित ने अंततः 1.47 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद ही उसे एहसास हुआ कि वह ठगा गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर विंग ने कहा कि 'डिजिटल अरेस्ट' पूरी तरह से फर्जी है।

बिना वर्क परमिट कनाडा में काम करने का बड़ा मौका, इन 3 तरह के लोगों को मिली विशेष छूट

ओटाया, एजेंसी। कनाडा में नौकरी करने या करियर बनाने की योजना बना रहे विदेशी नागरिकों के लिए एक बेहद काम की खबर है। आमतौर पर कनाडा में किसी भी तरह का काम करने के लिए वैधकार्य अनुमति की जरूरत होती है लेकिन कनाडाई इमिग्रेशन नियमों के तहत कुछ ऐसी विशेष परिस्थितियां भी हैं जिनमें विदेशी नागरिक बिना वर्क परमिट के भी वहां कानूनी रूप से काम कर सकते हैं। हालांकि यह छूट हर किसी के लिए नहीं है बल्कि केवल कुछ खास श्रेणियों और कड़े नियमों के दायरे में आने वाले लोगों को ही दी जाती है।

1. व्यावसायिक आगंतुक: अगर कोई व्यक्ति विशुद्ध रूप से व्यापारिक गतिविधियों के सिलसिले में कनाडा आता है और वह वहां के स्थानीय श्रम बाजार का हिस्सा नहीं बनता तो उसे बिजनेस विजिटर माना जाता है। ऐसे लोगों को वर्क परमिट की आवश्यकता नहीं होती। वहीं इस तरह के लोगों के लिए महत्वपूर्ण शर्तें भी लागू की गई हैं। पहला यह कि व्यक्ति किसी कनाडाई कंपनी का कर्मचारी नहीं होना चाहिए। उसका वेतन और अन्य आर्थिक लाभ कनाडा के बाहर (उसकी मूल विदेशी कंपनी) से मिलना चाहिए। उसकी गतिविधियां ऐसी न हों जिससे स्थानीय कनाडाई कर्मचारियों के रोजगार को नुकसान पहुंचे। बिजनेस मीटिंग्स, ट्रेड शो, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठकों में शामिल होना या विदेश से खरीदे गए विशेष उपकरणों की मरम्मत और तकनीकी सहायता देना। इन्हें आमतौर पर 6 महीने तक रुकने की अनुमति मिलती है।

2. डिजिटल नोमैडऔर रिमोट वर्कर: बदलते दौर में लैपटॉप और इंटरनेट के जरिए दुनिया के किसी भी कोने से काम करने वाले डिजिटल नोमैड% के लिए कनाडाई नियम काफी लचीले हैं।

इनकी महत्वपूर्ण शर्तें हैं- अगर आप कनाडा में रहकर किसी ऐसी विदेशी कंपनी के लिए ऑनलाइन काम कर रहे हेन जिसका कनाडा में कोई ऑफिस या वित्तीय संबंध नहीं है तो आपको वर्क परमिट की जरूरत नहीं है। आपकी कमाई पूरी तरह से कनाडा के बाहर से आनी चाहिए और आप कनाडाई ग्राहकों को सीधे सेवा नहीं दे सकते। सॉफ्टवेयर डेवलपर, डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट, कंटेंट क्रिएटर, बिजनेस कंसल्टेंट और ऑनलाइन ट्यूटर।

ऐसे लोग विजिटर वीजा या ईटीए के जरिए 6 महीने तक वहां रहकर काम कर सकते हैं। कनाडा के मान्यता प्राप्त संस्थानों में पढ़ रहे विदेशी छात्र भी बिना अलग से वर्क परमिट लिए काम कर सकते हैं बशर्ते उनके स्टडी परमिट में इसका साफ जिक्र हो। नौकरी शुरू करने से पहले छात्रों के पास एक वैध सोशल इंश्योरेंस नंबर होना अनिवार्य है जो वहां की सरकार द्वारा पहचान के लिए जारी किया जाता है। नियमों से ज्यादा घंटे काम करने पर स्टडी परमिट रद्द भी हो सकता है।

इन तीन मुख्य श्रेणियों के अलावा कुछ अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों को भी बिना वर्क परमिट कनाडा में शॉर्ट-टर्म काम करने की इजाजत है। इनमें विदेशी राजनयिक , अंतरराष्ट्रीय पत्रकार, खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले एथलीट, धार्मिक कार्यकर्ता, गेस्ट स्पीकर और आपातकालीन सेवाएं देने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

यूएस ने तीन हफ्तों में 70 जहाजों को निकाला सुरक्षित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार यह सभी जहाज फारस की खाड़ी में आने और वहां से बाहर जाने वाले थे। बताया गया है कि अधिकतर जहाजों ने अपनी लोकेशन बताने वाले ट्रांसपोंडर बंद कर दिए थे ताकि उनकी पहचान न हो सके। अमेरिका का कहना है कि ईरान के पास से गुजरने वाले जहाजों पर ड्रोन और मिसाइल हमले का खतरा बना हुआ है। इसी कारण अमेरिकी सेना लगातार जहाजों के साथ संपर्क और समन्वय बनाए हुए है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों में से एक माना जाता है। यह समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है। दुनिया की करीब 20 प्रतिशत तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। युद्ध शुरू होने से पहले यहां से हर दिन 100 से ज्यादा व्यापारिक जहाज गुजरते थे। लेकिन अब तनाव के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जो जहाज ईरान की मंजूरी के बिना उसके समुद्री इलाके के करीब जाते हैं, उन पर हमले का बड़ा खतरा रहता है। इसी वजह से कई जहाज अब ओमान की तरफ वाले समुद्री रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। शिपिंग विशेषज्ञों के अनुसार डार्क पैसेज यानी पहचान छिपाकर की जा रही यात्रा की वजह से इन जहाजों की स्वतंत्र पुष्टि करना मुश्किल हो गया है।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्प्लेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉ क फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
अग्रवाल चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
[illegible] चौक एन.आई.टी नम्बर-5 फरीदाबाद
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible] न्यूज एजेंसी ओल्ड फरीदाबाद
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए

सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रुपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए

बम्पर ड्रा

पहला इनाम

एक हीरो बाईक

दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम

तीसरा इनाम

बीस मोबाईल फोन

- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छप्पन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा